अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com

उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र

आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, अयोध्या, झांसी,अम्बेडकरनगर, एटा,औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 14 अंक 325 लखनऊ, शनिवार, 14 जून 2025 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2.00

संक्षिप्त

एअर इंडिया के विमान की बम की धमकी के बाद थाईलैंड में आपात लैंडिंग

नई दिल्ली। थाईलैंड के फुकेट से भारत की राजधानी नई दिल्ली आ रहे एअर इंडिया के विमान इक्र379 में शुक्रवार को बम की धमकी मिली, जिसके बाद विमान को आपातकालीन लैंडिंग करानी पड़ी। इस विमान में सवार सभी यात्री सुरक्षित हैं। विदेशी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, बम की धमकी मिलने के बाद एअर इंडिया के विमान की थाईलैंड में आपात लैंडिंग हुई है। थाईलैंड एयरपोर्ट के एक अधिकारी के मुताबिक आपातकालीन योजना के अनुरूप एअर इंडिया की उड़ान संख्या एआई 379 के सभी 156 यात्रियों को विमान से बाहर निकाल लिया गया है। प्रारंभिक तलाशी के बाद अधिकारियों को संबंधित एअर इंडिया के विमान के अंदर कोई बम नहीं मिला है।

अंबानी परिवार की जेड-प्लस सुरक्षा बनी रहेगी: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने उद्योगपति मुकेश अंबानी और उनके परिवार को दी गई जेड-प्लस श्रेणी की सुरक्षा वापस लेने के अनुरोध को शुक्रवार को ठुकरा दिया और आवेदक को भविष्य में ऐसा आवेदन करने के खिलाफ चेतावनी दी। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति मनमोहन की अंशकालीन कार्य दिवस पीठ ने बिकाश साहा की गुहार अस्वीकार करने का आदेश पारित किया। शीर्ष अदालत ने इस संबंध में अपने पिछले आदेश को दोहराते हुए कहा कि मुकेश अंबानी, उनकी पत्नी नीता अंबानी और बच्चों अनंत, आकाश और ईशा को जेड-प्लस श्रेणी की सुरक्षा जारी रहनी चाहिए। अदालत ने स्पष्ट किया कि अंबानी परिवार को यह सुरक्षा देश-विदेश में सुरक्षा प्रदान करने की व्यवस्था बनी रहेगी।

नीट यूजी-2025 के रिजल्ट पर रोक लगाने की पीआईएल खारिज

लखनऊ। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने नीट यू जी-2025 परीक्षा के रिजल्ट पर रोक लगाने के आग्रह वाली जनहित याचिका (पीआईएल) को खारिज कर दिया है। इसमें प्रश्नपत्र के भौतिक विज्ञान खंड के को रद्द कर इसकी दोबारा परीक्षा कराने का भी आग्रह किया गया था। न्यायमूर्ति सौरभ लवानिया और न्यायमूर्ति सैयद कमर हसन रिजवी की ग्रीष्मावकाश कालीन खंडपीठ ने शुक्रवार को खुली अदालत में यह आदेश दीनबंधु समग्र स्वास्थ्य एवं शिक्षा शोध संस्थान, लखनऊ की पीआईएल पर दिया। याची के अधिवक्ता का कहना था कि बीती 4 मई को हुई नीट यू जी - 2025 परीक्षा के प्रश्नपत्र के भौतिक विज्ञान खंड में कई प्रश्न या तो गलत थे या पाठ्यक्रम से बाहर के थे।

पीएम मोदी ने विमान हादसा स्थल का लिया जायजा, घायलों से मिले

एजेंसी

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को एअर इंडिया के विमान हादसा स्थल पर पहुंच कर वहां चलाए जा रहे राहत कार्यों का जायजा लिया और अस्पताल जाकर घायलों से मिले। उन्होंने विमान हादसे में जिंदा बचे इकलौते यात्री से भी बातचीत की। दुर्घटनास्थल पर आज भी बड़े स्तर पर राहत और बचाव कार्य जारी है। काफी संख्या में राहतकर्मियों की टीमें लगाई गई हैं। हादसे में मृतकों की पुख्ता पहचान के लिए आज बड़ी संख्या में परिजनों के डीएनए सैंपल लिए गए। आज एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (एएआईबी) ने क्षतिग्रस्त हॉस्टल की छत से ब्लैक बॉक्स को खोज निकाला है। जिससे हादसे के बारे में खास जानकारी हासिल हो सकेगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने आज सुबह विमान हादसा स्थल पर पहुंचकर विमान हादसे के दौरान क्षतिग्रस्त हुए मेडिकल हॉस्टल और मेस बिल्डिंग का निरीक्षण किया। वे अहमदाबाद सिविल अस्पताल में भर्ती घायलों से मिलने गए और करीब 10 पीड़ितों व उनके परिवार के सदस्यों से बातचीत की। प्रधानमंत्री ने विमान हादसे में बचे इकलौते यात्री रमेश विश्वास कुमार से भी मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। विमान हादसे के शिकार हुए राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। प्रधानमंत्री के साथ राज्य के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और गृहराज्य मंत्री हर्ष संघवी भी रहे। प्रधानमंत्री ने अहमदाबाद में उच्चस्तरीय बैठक कर हादसे के बाद की परिस्थितियों और राहत कार्यों को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उधर, हादसा स्थल पर

- ब्लैक बॉक्स मिला, राहत कार्य जारी

व्यापक रूप से राहत कार्य जारी है। इसके साथ ही हादसे में जान गंवाने वाले यात्रियों की पुख्ता पहचान के लिए बड़े स्तर पर परिजनों के डीएनए सैंपल लिए जा रहे हैं।विमान दुर्घटना में जान गंवाने वाले यात्रियों के अबतक 219 परिजनों के डीएनए टेस्टिंग और ब्लड सैंपल लिए गए हैं। बाकी परिजनों से भी संपर्क किया जा रहा है। एफएसएल की 10 टीमों के 36 विशेषज्ञ चौबीसों घंटे कार्यरत हैं।

हादसे के एक दिन बाद शुक्रवार को एएआईबी ने ब्लैक बॉक्स को खोज लिया है। यह हॉस्टल की छत पर मिला। इसके जरिए पता चल सकेगा कि क्रैश होने के पहले आखिरी पलों में क्या हुआ था। विमान हादसे की जांच में 8 एजेंसियां नेशनल इन्वेस्टीगेशन एजेंसी, गुजरात पुलिस, एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टीगेशन ब्यूरो (एएआईबी) डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए), यूनाइटेड किंगडम की एयर एक्सीडेंट्स इन्वेस्टीगेशन ब्रांच (यूके- एएआईबी) यूनाइटेड स्टेट्स की नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड (एनटीएसबी), फ़ेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) शामिल हैं। राज्य सरकार ने उन जिलों/शहरों के कलेक्टरों को परिजनों से संपर्क साधने और उन्हें जरूरी सहायता पहुंचाने का निर्देश दिया है, जहां विमान हादसे के शिकार होने वाले यात्री रहते थे। साथ ही संचार योजना के तहत विशेष टीमों का गठन कर परिजनों की काउंसलिंग और मनोबल मजबूत करने को कहा है।

अहमदाबाद दुर्घटनास्थल से 265 लोगों के शव बरामद

एजेंसी

अहमदाबाद। अहमदाबाद विमान हादसे में मारे गये 265 लोगों के शव अब तक बरामद किये गये हैं जबकि 47 घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

एक वरिष्ठ पुसिस अधिकारी ने बताया कि दुर्घटना स्थल से अब तक 265 शव बरामद कर लिये गये हैं और उनकी पहचान का काम जारी है। उन्होंने बताया कि अब तक मृतकों 219 रिश्तेदार डीएनए जांच और रक्त के नमूने देने के लिए आ चुके हैं और उनके नमूने लिए जा चुके हैं। बाकी के परिवारों से इस संबंध में संपर्क किया जा चुका है।

नमूने लेने के लिए फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की 10 टीमों के 36 विशेषज्ञ चौबीस घंटे ड्यूटी पर हैं। दुर्घटना में घायल 47 लोगों को सिविल अस्पताल लाया गया था। इनमें से 16 का उपचार बाह्य रोगी के रूप में और 31 का उपचार

अस्पताल में रख कर किया जा रहा है।

इस त्रासदी में गुरुवार को अपराह्न अहमदाबाद से लंदन के लिए उड़ान भरने के तुरंत बाद एयर इंडिया का ड्रीमलाइनर विमान एक मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल पर गिरकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। विमान में चालक दल के 12 सदस्यों सहित 242 लोग थे। उनमें से केवल एक यात्री जीवित बचा है। एयर इंडिया ने विमान में सवार 241 व्यक्तियों के दुर्घटना में मारे जाने की पुष्टि की है। दुर्घटना में उस समय हॉस्टल में मौजूद और आस- पास के कई लोग भी हताहत हुए थे।

बिकरु कांड में विकास दुबे की गोली के शिकार हुए पुलिसकर्मियों को नोटिस

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- 15 दिनों में वापस करें साढ़े छह लाख रुपये, नहीं तो वेतन प्रतिमाह से होगी 20 प्रतिशत की कटौती

कानपुर। देश भर में चर्चित कानपुर का बिकरु कांड एक बार फिर से सुर्खियों में है। इस नरसंहार के दौरान घायल हुए पुलिस कर्मियों को शासन की ओर से इलाज के लिए साढ़े छह लाख रुपए दिए गए थे। लेकिन अब पांच साल बाद इन सभी को नोटिस थमा दिया गया है। जिसमें साफ तौर पर लिखा है कि 15 दिनों के अंदर पूरा पैसा वापस कर दें। अन्यथा वेतन से प्रति माह 20 प्रतिशत की कटौती की जाएगी। मामले को लेकर परेशान पांचों पुलिसकर्मियों ने जॉइंट पुलिस कमिश्नर हेडक्वार्टर से मुलाकात कर नोटिस के विषय में जानकारी दी है। जिस पर जेसीपी ने उन्हें हर हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। क्या है मामला - दो जुलाई 2020 की रात चौबेपुर थाना क्षेत्र के बिकरु गांव में शहीद क्षेत्राधिकार देवेंद्र मिश्रा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने दुर्दांत अपराधी विकास दुबे को पकड़ने के लिए दबिश देने गयी थी। जिसमें पांच पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इसके जवाब में पुलिस ने विकास दुबे को मुठभेड़ में मार गिराया था। बिकरु कांड में दुर्दांत अपराधी विकास दुबे को पकड़ने गई पुलिस टीम सदस्य उप निरीक्षक सुधाकर पांडेय, अजय कश्यप, कौशलेंद्र प्रताप सिंह, हेड कांस्टेबल अजय सिंह सिंगर और कांस्टेबल शिव मूरत निषाद गंभीर रूप से जख्मी हुए थे। इन सभी पुलिस कर्मियों को घायल शहर के एक नाम चीन अस्पताल में भर्ती कराया गया था। साथ ही उनके इलाज के लिए जीवन रक्षक निधि के अंतर्गत पांच लाख एवं जनपदीय जीवन रक्षक निधि फंड से डेढ़ लाख रुपए यानी कुल मिलाकर साढ़े लाख रुपए की राशि प्रत्येक पुलिसकर्मी के इलाज के लिए दी गई थी।

इजराइल का ईरान पर बड़ा हवाई हमला, परमाणु ठिकानों पर दागे बम

- इजराइल में आपातकाल, तेल अवीव में बजे सायरन
- इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स प्रमुख होसैन सलामी मारे गए

एजेंसी

तेहरान। इजराइल ने आज तड़के ईरान में कई स्थानों पर बम बरसाए। इस हमले से ईरान सकते में है। बम धमाकों से राजधानी तेहरान के बाशिंदे सहम गए। ईरान की मेहर न्यूज एजेंसी की खबर के अनुसार, इजराइल की सरकार

ने शुक्रवार सुबह ईरान के रिहायशी इलाकों पर हमला किया। ईरान की राजधानी तेहरान में कई जोरदार धमाके सुने गए। इसके कुछ ही देरबाद इजराइली सरकार ने घोषणा की कि उसने ईरान के खिलाफ ऑपरेशन शुरू किया है। इस बीच अमेरिका के 'एबीसी न्यूज' चैनल की खबर में इजराइल के रक्षामंत्री इजराइल कैट्ज के हवाले से कहा गया है कि इजराइल ने शुक्रवार सुबह स्थानीय समयानुसार ईरान के विरुद्ध दर्जनों हमले किए। साथ ही इजराइल में आपातकाल की घोषणा की। कैट्ज ने बयान में कहा, ''ईरान के विरुद्ध इजराइल के पूर्वव्यापी हमले के बाद निकट भविष्य में इजराइल और उसके नागरिक आबादी के विरुद्ध मिसाइल और ड्रोन हमला होने की आशंका है।'' उनकी इस घोषणा के बाद तेल अवीव में हवाई हमले के सायरन बजने शुरू हो गए हैं।

नेतन्याहू ने मोदी को ईरान पर हमले की जानकारी दी

नई दिल्ली। इज़रायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को टेलीफोन पर ईरान पर हमले और वहां की स्थिति की जानकारी दी। श्री मोदी ने एक्स पर पोस्ट में बताया, इज़रायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से फोन आया। उन्होंने मुझे उभरती हुई स्थिति के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा, मैंने भारत की चिंताओं को साझा किया और क्षेत्र में शांति और स्थिरता की शीघ्र बहाली की आवश्यकता पर जोर दिया।

यूपी के नगरीय स्कूलों के स्मार्ट क्लास रूम ला रहे हैं शिक्षा क्षेत्र में डिजिटल क्रांति

- नगर विकास विभाग 324.56 करोड़ रूपये से प्रदेश में बना रहा हैं 2,700 स्मार्ट क्लास रूम

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ विजन के अनुरूप नगर विकास विभाग ने प्रदेश के शहरी क्षेत्रों के स्कूलों विशेष रूप से परिषदीय स्कूलों में शिक्षा को डिजिटल और आधुनिक स्वरूप देने के उद्देश्य से एक बड़ा कदम उठाया है। नगर विकास विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के तहत लगभग 324.56 करोड़ रुपये की लागत से 2,700 से अधिक स्मार्ट क्लासरूम्स की स्थापना की गई है। जिनमें से लगभग 1,780 स्मार्ट क्लास रूम पूरी तरह तैयार हो कर संचालित हैं।

विभाग के इस सराहनीय पहल का लाभ विशेष रूप से शहर के निम्न आय वर्ग के छात्रों को मिल रहा है। जो एक ओर डिजिटल व आधुनिक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं साथ ही वो तकनीकि रूप से भी सक्षम बन रहे हैं। इसका परिणाम है कि प्रदेश के शहरी परिषदीय स्कूलों के नामांकन में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है।

नगर विकास विभाग ने प्रदेश के शहरी क्षेत्र स्कूलों विशेष रूप से परिषदीय स्कूलों में शिक्षा सुविधा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लगभग 2,700 स्मार्ट क्लास रूम की स्थापना की है। विभाग ने अपनी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लगभग 324.56 करोड़ रुपये की मद से स्मार्ट क्लास रूम स्थापित कर रहा है। इसके तहत सर्वाधिक स्मार्ट क्लास रूम स्मार्ट सिटी योजना के अंतर्गत लगभग 160.83 करोड़ रूपये की लागत से कुल 1,183 स्मार्ट क्लास रूम की परियोजनाएं स्वीकृत की गयी हैं। जिनमें से प्रदेश के स्मार्ट सिटीज़ में 1,088 कक्षाएं पूर्ण रूप से क्रियाशील हैं। साथ ही 'कायाकल्प' पहल के तहत लगभग 190 स्मार्ट क्लास रूम 57.66 करोड़ रुपये की लागत से बनाई गई हैं।

राज्य सरकार के प्रवक्ता के अनुसार नगर विकास विभाग ने प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में निम्न आय वर्ग के छात्रों को आधुनिक एवं डिजिटल शिक्षा की सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से स्मार्ट क्लास रूम स्थापित किये हैं।

विभिन्न योजनाओं के तहत बने हैं स्मार्ट क्लास रूम

यूपी के नगर विकास योजना के आकांक्षी नगर योजना के तहत आकांक्षी नगरों में लगभग 29.43 करोड़ रुपये की लागत से 913 स्मार्ट क्लासरूम्स की स्वीकृति मिली थी जिसमें से 408 कक्षाएं स्मार्ट क्लासेज बन कर तैयार हो कर संचालित हो रही हैं जबकि 505 निर्माणाधीन हैं। साथ ही 398 नई कक्षाओं को भी स्वीकृति प्रदान की है।

देश में कोरोना के कुल सक्रिय मामलों की संख्या घटकर 7131 हुयी

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में कोरोना संक्रमण के सक्रिय मामलों में कमी आने से सक्रिय मामलों की संख्या घटकर 7131 रह गयी। आज सुबह आठ बजे तक कोरोना संक्रमण के 23 नये सक्रिय सामने आये और एक मरीज की मौत होने से मृतकों की संख्या बढ़कर 78 हो गयी है। गुरुवार को कोरोना सक्रिय मामलों की कुल संख्या 7154 तक पहुंच गयी थी। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से आज जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण से केरल में एक मरीज की मौत होने से मृतकों की संख्या बढ़कर 78 हो गयी है। यह वायरस हालांकि अब

आपातकालीन स्तर का खतरा नहीं है, लेकिन स्वास्थ्य अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि कोरोना इन्फ्लूएंजा की तरह मौसमी रूप से फैलता रहता है। वर्ष 2025 की शुरुआत से अब तक लगभग 10,976 लोग इस वायरस के संक्रमण से ठीक हो चुके हैं। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार संक्रमण के नये उभरते वेरिएंट, विशेष रूप से एलएफ.7, एक्सएफजी, जेएन.1 और हाल ही में पहचाने गये एनबी.1.8.1 सबवेरिएंट के कारण हो रहा है।

कारगिल युद्ध के शहीदों की स्मृति में एक स्मारक व फव्वारे का निर्माण कार्य पूर्ण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

नोएडा। नोएडा शहर में मुख्य कार्यपालक अधिकारी महोदय के सौन्दर्गीकरण कार्यक्रम के अर्न्तगत दिये गये निर्देशों के अनुरूप सैक्टर-37. नौएडा स्थित कारगिल चौक पर कारगिल युद्ध के शहीदों की स्मृति में एक स्मारक की स्थापना एवं फव्वारे का निर्माण कार्य पूर्ण किया गया है। आज दिनांक 13.06.2025 को इस कार्यक्रम में कारगिल युद्ध के वीर सपूत शहीद श्री विजयंत थापर के पिता श्री वी0एन0 थापर एवं इठ्ठटडइ के अध्यक्ष कर्नल आई0पी0 सिंह, महासचिव श्रीमती कविता जामिल व अन्य पूर्व सैन्य अधिकारी उपस्थित रहे। यह चौक कारगिल के वीर सपुतों की अमरगाथा का प्रतीक है एवं नयी पीढ़ी को उनकी शहादत की याद दिलाएगा।

कैलाश मानसरोवर यात्रा पर श्रद्धालुओं को यूपी सरकार देगी एक लाख का अनुदान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- इस यात्रा पर जाने वाले उप्र का मूल निवासी होना अनिवार्य

लखनऊ। कैलाश मानसरोवर की तीर्थ यात्रा पर जाने वाले उत्तर प्रदेश के मूल निवासियों को राज्य सरकार एक लाख रूपये की आर्थिक सहायता देगी। इसके लिए श्रद्धालुओं को धर्मार्थ कार्य विभाग की वेबसाइट पर आवेदन करना होगा।यह जानकारी धर्मार्थ कार्य विभाग के प्रमुख सचिव मुकेश कुमार मेश्राम ने दी है।

शुक्रवार को धर्मार्थ कार्य विभाग के प्रमुख सचिव मुकेश कुमार मेश्राम ने बताया कि भारत सरकार की ओर से आयोजित की जाने वाली कैलाश मानसरोवर यात्रा में सम्मिलित होने वाले यात्रियों को एक लाख रुपये की आर्थिक मदद की जाएगी। इसयात्रा पर जाने वाले उप्र का मूल निवासी होना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि इसके अतिरिक्त अपने व्यक्तिगत स्रोतों अथवा प्राइवेट ट्रेवल एजेंसी के माध्यम से यात्रा पूर्ण करने वाले यात्रियों को भी अनुदान दिया जायेगा। इसके लिए यात्रा पूर्ण करने वाले यात्रियों को धर्मार्थ कार्य विभाग की वेबसाइट www.updharmarthkarya.in पर 90 दिवस के भीतर आवेदन करना होगा। इस आवेदन के साथ नवीनतम फोटोग्राफ, आधारकार्ड, पेनकार्ड, निवास प्रमाण पत्र, पासपोर्ट एवं वीजा, बैंक खाते का विवरण, यात्रा पूर्ण करने

का प्रमाण पत्र एवं अन्य अभिलेख ऑनलाइन अपलोड करना होगा। कोई भी आवेदन पत्र भौतिक रूप से स्वीकार नहीं किया जायेगा।

प्रमुख सचिव ने बताया कि यात्रा अनुदान के लिए आवेदन पत्र के साथ अपलोड अभिलेखों का परीक्षण धर्मार्थ कार्य निदेशालय उप्र लखनऊ करेगा। परीक्षण के उपरांत आवेदन सही पाये जाने पर धर्मार्थ निदेशालय अनुदान की राशि सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में स्थानान्तरित करेगा। आवेदन पत्र एवं अभिलेखों में किसी प्रकार की त्रुटि व कूटरचित होने पर आवेदन निरस्त करते हुए आवेदक को रजिस्टर्ड मोबाइल नम्बर/ई-मेल पर मैसेज के माध्यम से सूचित किया जायेगा। उन्होंने बताया कि श्रीकैलाश मानसरोवर यात्रा अनुदान देने से संबंधित किसी भी शिकायत का निवारण निदेशक धर्मार्थ कार्य निदेशालय करके शासन को अवगत कराया जायेगा। जीवनकाल में किसी यात्री को एक बार ही अनुदान दिया जाएगा।

मुकेश मेश्राम ने बताया कि यात्रियों को सहायता राशि की सम्पूर्ण धनराशि निदेशक धर्मार्थ कार्य निदेशालय उप्र लखनऊ के निवर्तन पर रखी जायेगी। किसी यात्री की मौत होने की दशा में पति या पत्नी या आश्रित के आवेदन पर अनुदान की प्रतिपूर्ति विचारोपरान्त निर्णय लिया जायेगा। उन्होंने बताया कि अनुदान संबंधी आवेदन पत्र धर्मार्थ कार्य विभाग की वेबसाइट पर समस्त निर्देशों के साथ अपलोड है। आवेदक को समस्त निर्देशों का अनुपालन करते हुए सुसंगत अभिलेखों को स्कैन कर अपलोड कराना होगा। जिस वर्ष में आवेदन किया गया है, उसी वित्तीय वर्ष के बजट प्रावधान से ही अनुदान दिया जायेगा। अगले वित्तीय वर्ष में अनुदान के लिए विचार नहीं किया जाएगा। प्रमुख सचिव मुकेश मेश्राम ने भी बताया कि किसी यात्री के कूटरचित अभिलेखों या अन्य सुसंगत साक्ष्यों को छुपाकर अनुदान लेने के बाद भी उससे अनुदान की धनराशि वसूल कर जायेगी और उसके विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

पढ़े-लिखे योग्य युवाओं के दरवाजे खुद पहुंच रही योगी सरकार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार की सीएम युवा योजना अब सिर्फ योजना नहीं, बल्कि स्वरोजगार की नई क्रांति बनकर उभर रही है। इस योजना के अंतर्गत अब सरकार स्वयं योग्य और शिक्षित युवाओं को खोजकर उन्हें पांच लाख रुपये तक का ऋण देकर आत्मनिर्भर बनाने जा रही है। इस योजना के तहत विशेष अभियान चलाकर प्रत्येक जनपद में अधिकारियों की टीम विश्वविद्यालयों, इंजीनियरिंग कॉलेजों और अन्य उच्च शिक्षण संस्थानों में जाकर ऐसे युवाओं को चिन्हित करेगी जो या तो ग्रेजुएशन के अंतिम वर्ष में हैं या पढ़ाई पूरी करने के बाद भी बेरोजगार हैं। उन्हें चिह्नित कर योजना के तहत पांच लाख रुपये तक का लोन बिना ब्याज और बिना गारंटी उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि वो स्वरोजगार से जुड़कर दूसरों के लिए भी रोजगार का प्रबंध कर सकें।

सीएम युवा योजना के नोडल अधिकारी ज्वॉइंट कमिश्नर इंडस्ट्रीज सर्वेश्वर शुक्ला के अनुसार योगी सरकार का मुख्य उद्देश्य है कि इस योजना से सभी योग्य, शिक्षित और प्रगतिशील सोच वाले युवाओं को जोड़ा जाए ताकि वे खुद का व्यवसाय स्थापित कर न केवल खुद को बल्कि दूसरों को भी रोजगार दे सकें। सरकार चाहती है कि युवाओं को 'बेरोजगार' की जगह 'स्वरोजगार' के रास्ते पर लाया जाए। योजनाओं के तहत संबंधित ट्रेड में उन्हें पांच लाख रुपये तक का लोन और तकनीकी मार्गदर्शन दिया जाएगा, जिससे उनका स्टार्टअप या व्यवसाय

सफल हो सके। इसके लिए इसी माह से टीमें गठित कर सभी 75 जनपदों में अभियान चलाया जाएगा। यूनिवर्सिटीज, डिग्री कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज समेत उच्च शिक्षण संस्थाओं में ऐसे युवाओं की तलाश होगी जो अपने प्रोजेक्ट को धरातल पर उतारने के लिए आर्थिक मदद की तलाश में हों। ऐसे युवाओं को प्रोत्साहित कर उन्हें बिना ब्याज और बिना गारंटी के पांच लाख तक का लोन उपलब्ध कराया जाएगा। सीएम योगी के विजन के अनुरूप प्रदेश के युवाओं को स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनाने के लिए शुरू की गई इस योजना को और गति देने के लिए अधिकारियों को भी विशेष ट्रेनिंग दी जा रही है। इसके तहत, निर्यात भवन लखनऊ में दो दिवसीय कार्यशाला का भी आयोजन किया गया है, जिसमें कैपेसिटी बिल्डिंग पर जोर दिया जा रहा है। इस कार्यशाला में अधिकारियों को सीएम युवा पोर्टल को और अधिक यूज़र फ्रेंडली और उपयोगी बनाने के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सीएम युवा योजना अब नौकरी ढूंढने के दौर को बदलते हुए नौकरी देने वाले युवाओं को तैयार कर रही है। इसके तहत अब तक 53 हजार से अधिक युवाओं के ऋण आवेदनों को स्वीकृत करते हुए 40 हजार को लोन वितरित भी किया जा चुका है।

बरसात के मौसम में भी सैलानियों को मिलेगा दुधवा में जंगल सफारी का आनन्द

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पहली बार दुधवा नेशनल पार्क के मोहम्मदी रेंज को मानसून सीजन में भी पर्यटकों के लिए खोला जा रहा है। अब तक इस मौसम में देश के अधिकांश टाइगर रिजर्व और नेशनल पार्क बंद रहते थे। उत्तर प्रदेश इको-टूरिज्म डेवलपमेंट बोर्ड की इस नई पहल का मकसद पर्यटकों को वर्षा ऋतु में जंगल की अनदेखी और अद्भुत खूबसूरती से रूबरू कराना है। इससे मानसून सीजन में भी स्थानीय समुदायों व व्यवसायों को आय का नया जरिया मिलेगा। पर्यटन एवं संस्कृति जयवीर सिंह ने बताया कि मानसून के दौरान दुधवा टाइगर रिजर्व का मोहम्मदी रेंज बेहद आकर्षक नजर आता है। इस मौसम में जंगल स्वयं को पुनर्जीवित करता है। हरियाली और गहरी हो जाती है। रंग-बिरंगे फूल व घासें खिल उठती हैं, जिससे यह क्षेत्र खास नजर आता है। इस विशेष पहल से दुधवा का मानसून अब 'ऑफ-सीजन' नहीं रहेगा, बल्कि उन लोगों के लिए खास बन जाएगा, जो प्राकृतिक सुंदरता को करीब से अनुभव करना चाहते हैं। पर्यटन मंत्री ने बताया कि दुधवा नेशनल पार्क का शेष क्षेत्र 15 जून से चार महीने के लिए मानसून के कारण बंद हो जाता है, वहीं मोहम्मदी रेंज इस बार खुला रहेगा। इस रेंज में 24 किलोमीटर लंबा सफारी ट्रैक है, जो वन्यजीवों से भरपूर है। इस क्षेत्र में 25 से अधिक बाघों के साथ-साथ हिरण, नीलगाय सहित अन्य शाकाहारी जीवों की अच्छी-खासी आबादी है। इस दौरान पर्यटक जंगल को सबसे अधिक हरे-भरे रूप में देख सकेंगे। बारिश के दिनों में यह पूरा वन क्षेत्र हरियाली की चादर ओढ़ लेता है। मौसमी जलधाराएं दृश्य को मनोरम बना देती है। दुर्लभ मानसूनी फूल व घास से मैदान सज जाते हैं। कुल मिलाकर कहें तो पर्यटकों को सफारी का भरपूर आनंद प्राप्त होगा। श्री सिंह बताया कि दुधवा के मोहम्मदी रेंज में वर्षा ऋतु के दौरान भी पर्यटकों के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। वन विभाग ने पर्यटकों की सुरक्षा और सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए सभी तैयारियाँ पूरी कर ली हैं। सफारी के लिए बुकिंग एवं अन्य जानकारी के लिए पर्यटक 7007561416 या 9651117199 पर संपर्क कर सकते हैं। सफारी संचालक पर्यटकों को ऐसे खास रास्तों से ले जाएंगे, जहां बारिश से भीगे पेड़-पौधे और मिट्टी की सोंधी महक जंगल के रोमांच को दोगुना कर देगी। उन्होंने बताया कि पर्यटक लोकप्रिय विस्टाडोम कोच का भी आनंद ले सकते हैं, जो यात्रा को यादगार बना देती है। यह ट्रेन बिछिया से चलकर 107 किलोमीटर का खूबसूरत सफर तय कर मैलानी (लखीमपुर) स्टेशन तक जाती है।

संक्षिप्त समाचार

योगी सरकार में लगभग दोगुनी हुई अभिजनक बीज नर्सरी की संख्या

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में गन्ना किसानों को मजबूत आधार देने की दिशा में योगी सरकार ने एक नई मिसाल कायम की है। प्रदेश में अभिजनक बीज नर्सरी की संख्या लगभग दोगुनी हो गई है। वर्ष 2016-17 में जहां केवल 150 बीज नर्सरियों का संचालन हो रहा था, वहीं 2024-25 में यह संख्या बढ़कर 267 तक पहुंच गई है। यह वृद्धि प्रदेश की चीनी मिलों के प्रक्षेत्र का प्रभावी उपयोग कर संभव हुई है। प्रदेश सरकार के प्रवक्ता ने कहा कि इतना ही नहीं, वर्ष 2024-25 में प्रदेश में 4.4 करोड़ नवीन किस्मों के सिंगल बड का वितरण किया गया है, जो कि देश में किसी भी शोध संस्था द्वारा उत्पादित बीजों की तुलना में सर्वाधिक है। इस वितरण से गन्ना उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है। बीज उत्पादन और वितरण में इस प्रगति ने उत्तर प्रदेश को गन्ना उत्पादन के क्षेत्र में अग्रणी बना दिया है। वैज्ञानिक निरीक्षण और त्रिस्तरीय प्रमाणन प्रक्रियाबीजों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए त्रिस्तरीय बीज उत्पादन कार्यक्रम के अंतर्गत अभिजनक बीजों (उन्द्गद्गदद्गद्गद्गद) का प्रमाणन वैज्ञानिक टीम द्वारा किया जाता है। बीज उत्पादकता के निरीक्षण का विस्तृत शेड्यूल निर्धारित किया गया है। इसके अनुसार, बुवाई के समय, अंकुरण के बाद (45-60 दिन), टिल्लरिंग अवस्था में (100-120 दिन), मिल योग्य गन्ने के निर्माण की अवस्था में (180-200 दिन) और कटाई से 15-20 दिन पूर्व निरीक्षण किया जाता है। इस वैज्ञानिक और व्यवस्थित प्रक्रिया के चलते किसानों को प्रमाणित, गुणवत्तायुक्त बीज उपलब्ध हो रहे हैं, जिससे उत्पादन क्षमता में निरंतर सुधार हो रहा है।

संगीतमय सुंदरकांड पाठ कर सेंट मीरास इंटर कॉलेज ने मनाया स्थापना दिवस

लखनऊ। शुक्रवार को कानपुर रोड हिंद नगर कालोनी स्थित सेंट मीरास इंटर कॉलेज का स्थापना दिवस बहुत ही धूमधाम से मनाया गया। 13 जून को सेंट मीरास इंटर कॉलेज के संस्थापक विनोद कुमार रतडा का जन्मदिवस होता है और कालेज की डायरेक्टर रिद्धिमा रतड़ा की वर्षगांठ भी। इस अवसर पर सुबह कालेज परिसर में संगीतमय सुंदरकांड पाठ और हनुमान चालीसा पाठ किया गया। भाव युक्त पाठ से भक्तों का मन भावविभोर हो गया। मीठे मीठे भजनों के बीच हनुमान जी के स्वरूप ने मनमोहक झांकियां प्रस्तुत की। पाठ सम्पूर्ण होने पर हनुमान जी को भोग लगाकर प्रसाद वितरित किया गया। तीन खुशियों भरे दिन पर भावुक हुए प्रबंधक विनोद कुमार रतडा ने कहा कि आज उनका जन्मदिन है और इसी दिन सेंट मीरास इंटर कॉलेज की नींव रखी गई थी तथा आज ही उनकी बेटी व डायरेक्टर रिद्धिमा रतड़ा का विवाह हुआ था। उन्होंने कहा कि ऐसे शुभ अवसर पर संगीतमय सुंदरकांड पाठ का श्रवण करना दुःख संताप को दूर करता है। पिता के जन्मदिन, कालेज के स्थापना दिवस और अपनी विवाह वर्षगांठ पर सबको धन्यवाद करते हुए डायरेक्टर रिद्धिमा रतड़ा ने कहा कि आज बहुत ही खुशी का दिन है और ऐसे में हनुमान जी का पूजन इष्ट मित्रों के साथ करना बहुत सौभाग्य की बात है। इस मौके पर क्षेत्रीय पार्षद सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

बसंत कुंज योजना में अवैध कब्जेदारों पर होगी एफआईआर,

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) की बसंत कुंज योजना (सेक्टर ए) की जमीन पर हो रहे अवैध अतिक्रमण पर मंडलायुक्त डॉ. रोशन जैकब ने शुक्रवार को सख्त रुख अपनाया। मौके पर पहुंचीं मंडलायुक्त ने पाया कि भूमाफिया द्वारा गिट्टी और मोरंग डालकर एलडीए की जमीन पर कब्जा कर किया। उन्होंने अफसरों को अतिक्रमण करने वालों पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। मौके पर मौजूद अधिकारियों ने बताया कि करीब 85 हजार स्क्वायर मीटर जमीन पर अवैध कब्जा है, जिसमें से ज्यादातर कब्जेदारों को मुआवजा भी मिल चुका है। इसके बावजूद कब्जा हटाया नहीं गया है। मंडलायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि इस भूमि को खाली कराकर उसे आवंटियों को सुपुर्द किया जाए। डॉ. जैकब ने निर्देश दिए कि पुलिस और एलडीए की संयुक्त टीम बनाकर इस जमीन को अपने स्वामित्व में लिया जाए। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि अगर कोई व्यक्ति कानून व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करता है, तो उसके खिलाफ बिना किसी भेदभाव के तत्काल एफआईआर दर्ज कर जेल भेजा जाए।

हज मुकम्मल कर लौटे 288 यात्रियों का राज्य मंत्री दानिश ने किया स्वागत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ में अमौसी स्थित चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट पर हज मुकम्मल कर लौटे 288 हज यात्रियों का नवगठित राज्य हज कमेटी के अध्यक्ष एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने फूलों से इस्तकबाल किया। हज यात्रियों के स्वागत के लिए पहुंचें दानिश आजाद ने कहा कि हज मुकम्मल कर लौटने वाले यात्रियों का स्वागत है। हम हज से लौटे अपने भाईयों को गले लगाकर मुबारकबाद देने आये हैं। राज्य मंत्री दानिश ने कहा कि यात्रियों के देश वापसी के बाद उनके परिजनों के चेहरों पर खुशी देखी जा सकती है। हमारी सरकार प्रत्येक वर्ष हज जाने वाले यात्रियों को तमाम सुख सुविधाएं मुहैया करा रही है। हज करने में कोई कठनाई ना हो, इसका पूरा ध्यान रखा जा रहा है। वहीं वतन वापसी की खुशी हज यात्रियों के चेहरे पर भी थी और उन्होंने अपने परिजनों से मिलने के बाद सरकार की ओर से मिल रही सुविधाओं के लिए धन्यवाद किया। इस दौरान एयरपोर्ट पर फूल मालाओं और गुलदस्तों के साथ पहुंचें हज यात्रियों के परिजन उन्हें भेंट देकर गले मिलते रहे।

निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए ट्रांसफार्मरों को कूलर लगाकर किया जा रहा ठंडा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। शहर के अलीगंज क्षेत्र में विद्युत विभाग के कर्मचारियों को ट्रांसफार्मर के सामने लगे हुए कूलर में पानी डालते हुए देखा गया। इसके बाद स्थानीय लोगों ने जानकारी की तो मालूम हुआ कि गत वर्ष पुराने फार्मूले को विद्युत विभाग ने फिर अपनाया है। जिससे 40 डिग्री ऊपर चल रहे तापमान में ट्रांसफार्मर फुंकने से बचाया जा सके। कपूरथला निवासी सच्चिदानंद दूबे ने बताया कि अलीगंज के गोल चौक स्थित पावर हाऊस पर लगे ट्रांसफार्मर के चारों ओर कूलर लगा दिया गया है। कूलर से ठंडी हवा बनी रहे, इसके लिए लगातार उसमें पानी डाला जा रहा है। विद्युत विभाग के कर्मचारियों की बहादुरी की तारीफ करनी होगी, जो भीषण गर्मी के दौरान भी अपनी ड्यूटी कर रहे हैं। यही नहीं, विद्युत कर्मियों को कहीं पर तार जोड़ते हुए तो कहीं पर फीडर ठीक करते हुए पाया जा रहा है। जब कुछ करने के बाद हम लोगों को बिना रोक टोक के विद्युत आपूर्ति दी जा रही है, ?इसके लिए विद्युत विभाग की तारीफ तो बनती है। वहीं विद्युत कर्मियों ने स्थानीय लोगों को धन्यवाद करते हुए कहा कि वर्तमान समय में लखनऊ शहर का पारा चालीस पार कर गया है। लू चल रही है। चलती हुई मशीनें गरम हो कर रूक जा रही हैं। फिर ट्रांसफार्मर तो बेहद गरम होता ही है। विभागीय अधिकारियों के आदेश के अनुसार वे अपनी ड्यूटी कर रहे हैं। जिससे लोगों को राहत मिलती रहे। कूलर में पानी डालना भी उनकी ड्यूटी का हिस्सा है। लखनऊ में ही राजभवन क्षेत्र में ट्रांसफार्मर को ठंडा रखने के लिए कूलर लगे हैं। इस संबंध में राजभवन क्षेत्र के अवर अभियंता जगदीश कुमार ने कहा कि ट्रांसफार्मर को एक नियमित तापमान चाहिए। तापमान घटने और अचानक से बढ़ने पर ट्रांसफार्मर के जलने की आशंका बढ़ जाती है। कूलर की ठंडी हवाओं से ट्रांसफार्मर का तापमान पांच से दस डिग्री तक कम रहता है। राजभवन क्षेत्र में राज्य के गणमान्य लोग रहते हैं और यहां एक मिनट की विद्युत कटौती पर उ़र्जा विभाग सतर्क रहता है।

चारबाग स्टेशन पर बदमाश का एनकाउंटर, फायरिंग करके भाग रहे चोर के पैर में मारी गोली

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में चारबाग रेलवे स्टेशन पर गुरुवार देर रात जीआरपी और एक मोबाइल चोर के बीच मुठभेड़ हो गई। रात 12.18 बजे प्लेटफॉर्म नंबर 6 और 7 पर चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति ने जीआरपी टीम पर फायरिंग कर दी। जीआरपी की जवाबी कार्रवाई में चोर के दाहिने पैर में गोली लगी। आरोपी की पहचान हरदोई जिले के इमलिया निवासी फिरोज के रूप में हुई। घायल फिरोज को इलाज के लिए केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है। पुलिस उपाधीक्षक अमित कुमार सिंह ने बताया कि 12 जून की रात में चारबाग रेलवे स्टेशन पर जीआरपी और सर्विलांस टीम संदिग्धों की चेकिंग की जा रही थी। प्लेटफार्म नंबर 6-7 के आउटर पर संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिया। पुलिस ने उसे रोका, तो उसने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में उसे गोली लगी। उसकी पहचान ट्रेनों में चोरी करने वाले हरदोई निवासी फिरोज के रूप में हुई। उसके खिलाफ 9 मुकदमे दर्ज हैं।

इंडियन ऑयल के 2 टैंकरों में लगी आग 2 किमी दूर तक दिखीं आग की लपटें

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। सरोजनी नगर स्थित इंडियन ऑयल के डिपो के बाहर खड़े 2 टैंकरों में आग लग गई। दमकल की 6 गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। इस दौरान क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल रहा। डिपो की ओर जाने वाले रास्ते को बंद कर दिया गया। टैंकरों में आग लगने की सूचना पर पुलिस और फायर डिपार्टमेंट के अफसर मौके पर पहुंचे। घटना शुक्रवार दोपहर 12.30 बजे की है। आग से कोई हताहत नहीं हुआ है। 2 टैंकर पूरी तरह से जल गए हैं। आग लपटें 2 किमी दूर तक दिखाई दीं। सरोजनी नगर में इंडियन ऑयल का डिपो है। यहां से टैंकरों में ऑयल भर सप्लाई के लिए जाता है। डिपो से ऑयल लेने जाने से पहले टैंकर यार्ड में खड़े रहते हैं। शुक्रवार दोपहर करीब 12रू30 बजे यार्ड में खड़े 1 टैंकर में अचानक आग लग गई। देखते-देखते ऊंचीं-ऊंचीं लपटें निकलने लगीं। बगल में खड़े दूसरे टैंकर तक आग पहुंच गई। वह टैंकर भी धूं-धूंकर जलने लगा। घटना की सूचना फायर डिपार्टमेंट और पुलिस को दी गई। दमकल कर्मियों ने करीब 1 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई। इंडियन ऑयल के टैंकरों में आग लगने से क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। लोग डर कर अपने घरों और दुकानों से बाहर आ गए। यार्ड में खड़े अन्य टैंकरों को मौके से हटाया गया। सुरक्षा के लिहाज से पास में स्थित चौहान ढाबा के पास से लोगों को डिपो की ओर आने-जाने से रोक दिया गया। मौके पर पुलिस और फायर डिपार्टमेंट के अफसर पहुंचे। अफसरों ने बताया कि आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हुआ है। जानकारी जुटाई जा रही है।

चारबाग रेलवे स्टेशन पानी और पंखे को तरस रहे यात्री, वॉटर कूलर में ठंडा पानी नहीं

लखनऊ। भीषण गर्मी में रेलवे की व्यवस्था पूरी तरह से फ़ेल हो गई है। चारबाग रेलवे स्टेशन पर बुनियादी सुविधाओं की भारी कमी हो गई है। स्टेशन पर न प्लेटफॉर्म पर पीने का ठंडा पानी है, न ही हवा के लिए पर्याप्त पंखे चल रहे हैं। प्लेटफॉर्म नंबर 1 और 3 पर लगे वाटर कूलर या तो बंद हैं या उनमें पानी नहीं आ रहा है। हर प्लेटफॉर्म पर औसतन 5-6 वाटर पॉइंट जरूर हैं, लेकिन उनसे ठंडा पानी नहीं मिल रहा है। कुछ टोटियों से गर्म पानी मिल रहा है। पानी गर्म होने के बावजूद जैसे ही ट्रेन आती है, उसे लेने के लिए यात्रियों की भीड़ टूट पड़ती है। धक्का-मुक्की की नौबत भी बनती है। प्लेटफार्म पर लगे कई पंखे ठीक से काम नहीं कर रहे हैं। इससे लोगों को गर्मी से राहत नहीं मिल रही है। तमाम यात्री घर से पंखा लेकर आ रहे हैं। ट्रेनों में क्षमता से 3 गुना अधिक यात्री सफर कर रहे हैं। इस वजह से स्टेशन पर बैठने के लिए बेंच की संख्या भी कम पड़ रही है। ट्रेनों के इंतजार में यात्रियों को तपती फर्श पर बैठकर और लेटकर समय गुजारना पड़ रहा है।

पश्चिमी यूपी के कई जिलों में हुई झमाझम बारिश, 15 तक पूरे राज्य में बदलेगा मौसम

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- 18 जून से उत्तर प्रदेश में मानसून देने लगेगा दस्तक, 20 से होगी झमाझम बारिश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में प्री मानसून की गतिविधियां शुरु हो चुकी हैं और शुक्रवार को पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में झमाझम बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार प्री मानसून की यह गतिविधियां 15 जून तक पूरे राज्य में सक्रिय हो जाएंगी। इससे पश्चिमी यूपी से लेकर बुन्देलखण्ड और पूर्वी उत्तर प्रदेश तक बारिश होगी, जिससे लोगों को काफी हद तक राहत मिल सकती है और पूरे राज्य का मौसम बदल जाएगा। इसके साथ ही 18 जून से उत्तर प्रदेश में मानसून दस्तक देना शुरु कर देगा और 20 से झमाझम मानसून बारिश होने लगेगी।

चन्द्रशेखर आजाद कृषि प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मौसम वैज्ञानिक डॉ. एसएन सुनील पाण्डेय ने शुक्रवार को बताया कि उत्तर प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में प्री-मानसूनी गतिविधियां तेज़ हो गई हैं। पश्चिमी जिलों बिजनौर (21 मिमी.), लखीमपुर खीरी (14.4), पीलीभीत (12), सहारनपुर (10.6),बरेली (5.2), बिजनौर (3 मिमी.) बारिश हुई है। इसके साथ ही मु.ज़फ्फरनगर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, पीलीभीत, बदायूं और शाहजहांपुर जैसे ज़िलों में रुक-रुक कर हल्की से मध्यम वर्षा रिकॉर्ड की गई है, कुछ जगह बरसात अभी तक जारी है। आगामी तीन दिनों यानी 15 जून तक प्री मानसून की गतिविधियां धीरे-धीरे पूरे राज्य में अपना असर दिखाएंगी और पश्चिमी यूपी से लेकर पूर्वांचल और बुंदेलखंड तक बादलों की गर्जना और भारी बारिश की बौछारें दिखने लगेंगी। यह गतिविधियां 18 जून तक सक्रिय रहेंगी जिससे लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिलने की काफी हद तक संभावना है। मानसून फिलहाल सिक्किम और पश्चिम बंगाल सीमा तक पहुंच कर अटका हुआ है, जो कल से आगे बढ़ना शुरु कर देगा। मौसम वैज्ञानिक ने बताया कि 14 जून को उत्तरी बंगाल की खाड़ी में एक और चक्रवाती परिसंचरण बनने की संभावना है। यह सिस्टम ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के रास्ते आगे बढ़ेगा। इस सिस्टम के सक्रिय होने से इन राज्यों में भारी बारिश होगी और मानसून तेजी से उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ेगा जिससे उत्तर प्रदेश में मानसून 18 जून को दस्तक देगा। इससे यूपी के सभी इलाकों यानी पश्चिम यूपी, अवध, पूर्वांचल और बुंदेलखंड के इलाको में 20 जून के बाद झमाझम बारिश देखने को मिलेगी। कई इलाकों में भारी बारिश और कुछ जगह अति भारी बारिश भी संभव है । मौसम वैज्ञानिक ने बताया कि 14 जून को भी सहारनपुर से लेकर पीलीभीत, लखीमपुर खीरी तक के तराई ज़िलों में

गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश संभव है। 15ऽ16 जून को तराई जिलों के साथ साथ मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, संभल, बदायूं, शाहजहांपुर, फर्रुखाबाद, हाथरस, मथुरा, आगरा, फिरोजाबाद आदि जिलों में हल्की बारिश का असर शुरू होगा। जो आगे आने वाले दिनों में भारी बारिश में बदल सकता है। अवध के उत्तरी ज़िले जैसे सीतापुर, बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर में मानसून पूर्व वर्षा की शुरुआत हो चुकी है। कल इन इलाको में कुछ जगह हल्की बारिश की गतिविधियां देखने को मिली हैं। आज भी कुछ जगह बूंदाबांदी या हल्की बारिश संभव है। मध्य अवध में जैसे लखनऊ, बाराबंकी, रायबरेली, हरदोई आदि में आज आंशिक बादल छाए रहेंगे, कहीं कहीं बूंदाबांदी की संभावना है। 14 जून को सीतापुर, लखनऊ, बाराबंकी, रायबरेली, गोण्डा, अयोध्या, अमेठी, सुलतानपुर आदि जिलों में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। कही कही तेज बारिश भी संभव है। 15-16 जून से लखनऊ, उन्नाव, हरदोई और बाराबंकी सहित पूरे अवध क्षेत्र में ज़िलों में प्री मानसून की हल्की से मध्यम बारिश की गतिविधियां सक्रिय हो जाएगी। आज गोरखपुर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, देवरिया, कुशीनगर, बलिया और संत कबीर नगर में हल्के बरसाती बादलों की उपस्थिति बनी हुई है। इन ज़िलों में आज दिन में गरज के साथ हल्की बारिश की संभावना है, विशेषकर पहाड़ी सीमा के निकटवर्ती इलाकों में। 14 जून को जौनपुर, मऊ, आज़मगढ़, वाराणसी, गाज़ीपुर आदि जिलों में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। 15 जून को पूरे पूर्वांचल में मानसून पूर्व प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई देगा। कई जगह हल्की से मध्यम बारिश होगी, कुछ जगह तेज बारिश भी संभव। 16 जून से बाद पूर्वांचल के तराई और मैदानी दोनों हिस्सों में मध्यम से भारी वर्षा की स्थितियां बनेगी। झांसी, ललितपुर, महोबा, बांदा, चित्रकूट, हमीरपुर, जालौन और फतेहपुर ज़िलों में अब तक बरसात नहीं हुई है, तेज गर्मी का दौर जारी है साथ में अब वातावरण में नमी का स्तर बढ़ रहा है। जिससे उमस वाली गर्मी परेशान करेगी। 14 जून से गरज-चमक के साथ हल्की बारिश की गतिविधियां झांसी, ललितपुर, हमीरपुर, बांदा, चित्रकूट, महोबा आदि जिलों में देखी जाएगी। 15 जून को भी स्थिति वही रहेगी। 16/17 जून को पूरे बुंदेलखंड में हल्की से मध्यम बारिश होगी, कुछ जगह भारी बारिश की संभावना प्रबल है।

इंडिया प्रोटेक्शन कोशेंट अध्ययन के सातवें संस्करण की रिपोर्ट जारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। एक्सिस मैक्स लाइफ इंश्योरेंस लिमिटेड ने मार्केटिंग डाटा एवं एनालिटिक्स के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अग्रणी कंपनी कंतार के साथ मिलकर किए गए अपने महत्वाकांक्षी इंडिया प्रोटेक्शन कोशेंट (आईपीक्यू) अध्ययन के सातवें संस्करण से मिले आंकड़े जारी करने की घोषणा की है। 25 भारतीय शहरों में करीब 6,360 परिवारों से मिलकर किए गए आईपीक्यू 7.0 से वंचित समुदायों, विशेष रूप से एलजीबीटीक्यूआईए प्लस समुदाय और कामकाजी महिलाओं के बीच भविष्य की वित्तीय तैयारियों को लेकर बड़ी कमी सामने आई है। एक्सिस मैक्स लाइफ के सीईओ एवं मैनेजिंग डायरेक्टर प्रशांत त्रिपाठी ने कहा, 'आईपीक्यू 7.0 से मिले नतीजों ने वंचित समुदायों के बीच वित्तीय सुरक्षा में असमानता की की तस्वीर सामने रखी है। एलजीबीटीक्यूआईए प्लस समुदाय का प्रोटेक्शन कोशेंट मात्र 35 और महिलाओं का प्रोटेक्शन कोशेंट 48 पर है, जो दिखाता है कि सिर्फ चाहने से तैयारियां मजबूत नहीं हो जाती हैं। इस अंतर को भरने के लिए उद्योग को भरोसा कायम करने, टार्गेटेड तरीके से जागरूकता लाने और पहुंच बढ़ाने पर फोकस करना होगा। एक्सिस मैक्स लाइफ में हमारा मानना है कि सभी की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जरूरी हो गया है कि एक ऐसा समावेशी फाइनेंशियल इकोसिस्टम बनाया जाए, जो सहानुभूति पर आधारित हो और वास्तविक दुनिया की चुनौतियों के अनुरूप हो।' एलजीबीटीक्यूआईए प्लस समुदायरू इच्छा के बावजूद फाइनेंशियल प्रोटेक्शन में कमी - एलजीबीटीक्यूआईए प्लस समुदाय का प्रोटेक्शन कोशेंट स्कोर 35 (0 से 100 के पैमाने पर) रहा है।

स्वैच्छिक भाव से रक्तदान करने की दिलाई गई शपथ, रक्तदान महादान

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। स्वैच्छिक रक्तदाताओं के सम्मान में प्रतिवर्ष 14 जून को मनाये जाने वाले विश्व रक्तदाता दिवस के उपलक्ष्य में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन शाखा हरदोई द्वारा अधिवक्ता संघ प्रांगण, हरदोई मे स्वैच्छिक रक्तदान शिविर, रक्तदान महादान गोष्ठी एवं पोस्टर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि अध्यक्ष जिला पंचायत हरदोई प्रेमावती पीके वर्मा ने शिविर मे रक्तदान कर, कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। गोष्ठी मे रक्तदान के प्रति जन जागरूकता बढ़ाने का अनुरोध करते हुए अध्यक्ष प्रेमावती द्वारा भारत देश मे रक्त की आवश्यकता को दृष्टिगत रखते हुए स्वैच्छिक भाव से रक्तदान करने की शपथ दिलाई गई। शिविर मे अधिवक्तागण, चिकित्सक व् क्षेत्रवासियों द्वारा रक्तदान कर, पीड़ित मानवता की सेवा मे सहयोग किया गया। रक्तदान शिविर में प्रमुख रुप से इंडियन मेडिकल एसोसिएशन अध्यक्ष डॉ0 अजय अस्थाना, बार एसोसिएशन अध्यक्ष एडवोकेट रामेंद्र सिंह तोमर, डा0 सी0के0 गुप्ता, डॉ0 रमेश अग्रवाल, डा0 संदीप कटियार, डा0 पवन गुप्ता, डा0 तिरुपति आनन्द, डा0 रविन्द्र सिंह, ब्लड बैंक इंचार्ज डा0 अकील, डा0 अपर्णा गुप्ता, आईएमए पदाधिकारी, रक्तदाता व क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

कृषकों को योजनाओं के बारे में दी गई जानकारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। उपनिदेशक कृषि ने बताया है कि भारत सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार एवं जिलाधिकारी के निर्देशों के क्रम में कृषको को विकसित कृषि सकंल्प अभियान-2025 का आयोजन 29 मई से 12 जून 25 तक किया गया। जिसमें कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिको एंव कृषि के सहयोगी विभाग के अधिकारियो व कर्मचारियों द्वारा कृषको को नयी तकनीकी जानकारी व उपरोक्त कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य प्रयोगशाला से खेत तक (Lab to Land) है। अभियान के अन्तर्गत जनपद की कुल 137 ग्राम पंचायतो में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जिसमें विधायक सवायजपुर मानवेन्द्र प्रताप सिंह, विधायक साण्डी प्रभाष कुमार विधायक बालामऊ, रामपाल वर्मा, विधायक बिलग्राम मल्लावां आशीष सिंह आशू विधायक के साथ ही व्लाक प्रमुख हरपालपुर अनोखे लाल व्लाक प्रमुख भरावन रविप्रकाश, व्लाक प्रमुख मल्लावां, गीता वर्मा, व्लाक प्रमुख शाहाबाद त्रिपुरेश मिश्रा, व्लाक प्रमुख माधौगंज अशोक सिंह के साथ ही समस्त ग्राम प्रधानो, मण्डल अध्यक्षों एवं प्रगतिशील कृषको ने कार्यक्रम में प्रतिभाग किया गया। इसके अतिरिक्त जिला कृषि अधिकारी, कृषि रक्षा अधिकारी, उप सम्भंगीय कृषि प्रसार अधिकारी, भूमि संरक्षण अधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी, जिला गन्ना अधिकारी, जिला उद्यान अधिकारी, मुख्य पशुचिकित्साधिकारी, जनसेवा केन्द्र संचालक के साथ ही कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 ए0के0 तिवारी, डा0 पंकज नौटियाल, डा0 त्रिलोकी नाथ डा0 त्रिलोक सिंह डा0 अंजली साहू, डा0 डी0वी0 सिंह डा0 प्रिया वशिष्ठ व डा0 मोहित सिंह के अतिरिक्त, CSSRI संस्थान लखनऊ के निदेशक ए0के0 दुबे के साथ ही प्रमुख वैज्ञानिक डा0 संजय अरोरा,

डा0 चन्द्रशेखर सिंह एवं डा0 अर्जुन सिंह द्वारा भी उपरोक्त कार्यकमों में प्रतिभाग करते हुये कृषको को नयी व उपयोगी जानकारी देने के साथ कृषको को अधिक से अधिक, जैविक खेती, गौ आधारित प्राकृति खेती करने हेतु, नैनो यूरिया का प्रयोग, बुबाई से पूर्व बीज शोधन करने संतुलित उर्वरक, डीएसआर विधि से धान की बुबाई धान की नर्सरी, तिलहनी व दलहनी फसला के क्षेत्र को बढाना, आदि की जानकारी दी गई इसी के साथ उनके द्वारा बताया गया कि कृषक कैसे अपनी कृषि लागत को कम कर ज्यादा उत्पादकता प्राप्त करे। जिससे उनकी आय में वृद्धि हो सके । कृषि व सहयोगी विभाग के अधिकारियों द्वारा प्रमाणित बीजो पर अनुदान, कीटनाशक, मृदा स्वाथय कार्ड, कृषि विवधीकरण, सहफसली खेती जैसे (गन्ना के साथ उर्द व मूंग व उद), किसानो को ए0पी0ओ0 व बाजार से जोडना खाद, फसल बीमा, पीएम किसान, सोलर पम्प पराली प्रबन्धन फार्मर रजिस्ट्री, डिजिटल काप सर्वे, किसान क्रेडिट कार्ड, सोलर पंप, मैकेनाइजेशन, निवेशों की व्यवस्था जलभराव क्षेत्रो में तीन से चार माह तक मछली उत्पादन, मधुमख्खी पालन, उद्यानीकरण, बागवानी में आम नीबू आदि, पशुपालन में नंदीग्राम योजना के अन्तर्गत गौपालन, मुर्गी पालन, बकरी पालन आदि, स्पिंकलर विधि से सिंचाई, पाली हाउस के माध्यम से बेमौसमी फल व सब्जी उत्पादन, आदि पर चर्चा की गई। इसके साथ ही कृषको को ज्यादा से ज्याद जैविक खाद के उपयोग को बढावा देने, मक्का को नगदी फसल के रूप में व बीज उत्पादकता बढ़ाने एवं आय प्राप्त करने सम्बन्धी जानकारी भी दी गई। सरकार द्वारा कृषको के हित में चलाई जा रही जैवकि खेती, फसल बीमा, डिजिटल काप सर्वे आदि योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। इसी प्रकार कृषि के सहयोगी विभाग यथा गन्ना, उद्यानीकरण, मत्स्य, पशुपालन कोपरेटिव, एल0डी0एम0 सिचाई आदि के अधिकारियों द्वारा द्वारा भी कार्यकमो में उपस्थित होकर अपने विभाग से सम्बधित जानकरी से कृषको को अवगत कराया। उपरोक्त कार्यक्रमों में कुल 40455 कृषको जिसमें पुरूष 27743 एवं 12712 महिला द्वारा प्रतिभाग किया गया है।

काँग्रेसियों ने अहमदाबाद विमान हादसे में मृतकों को दी श्रद्धांजलि

■ कांग्रेस कार्यालय में दो मिनट का मौन रखकर की प्रार्थना

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। 13 जून 2025 को जिला कांग्रेस कार्यालय में अहमदाबाद विमान दुर्घटना में मृतकों को श्रद्धांजलि दी गई। शहर कांग्रेस अध्यक्ष अनुपम दीक्षित के नेतृत्व में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। सभी उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखा। दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की गई।

कार्यक्रम में कांग्रेस के कई वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे। जिला महामंत्री अमलेंद्र त्रिपाठी, उपाध्यक्ष देवेंद्र विक्रम सिंह उतरा और कुंवर अजीत सिंह चंदेल शामिल हुए। युवा कांग्रेस उपाध्यक्ष तुषार दीक्षित और सोशल मीडिया प्रभारी महताब अहमद भी उपस्थित थे। इसके अलावा ममता पाल, इस्लाम गाजी, विनोद यादव, उम्रदराज खा और संतराम वर्मा सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे। रामबहोरन मिश्र, राहुल वर्माए मोरध्वज गौतम और अनूप दीक्षित समेत दर्जनों नागरिक भी शामिल हुए। शहर अध्यक्ष अनुपम दीक्षित ने कहा कि यह दुर्घटना पूरे देश के लिए दुखद है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस परिवार पीड़ित परिवारों के साथ है। सभा का समापन शांति और सद्भाव के साथ हुआ।

जन सुनवाई में पात्र बुजुर्गों के बने आयुष्मान कार्ड

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। जन सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी अनुनय झा ने लोगों की समस्याओं को सुना। आज कुल 108 शिकायतें प्राप्त हुई

जिनके तत्काल निस्तारण के निर्देश जिलाधिकारी ने सम्बंधित अधिकारियों को दिए। मौके पर ही पात्र लोगों की वृद्धावस्थाए विधवा व दिव्यांग पेंशन बनाई गयी। उन्होंने कहा कि लोगों की पात्रता पूछकर पात्रों को लाभान्वित कराया जाये। एक व्यक्ति से जब उन्होंने पूछा कि उसकी वृद्धावस्था पेंशन बनी है या नहीं। जब उस व्यक्ति ने बताया कि उसकी पेंशन नहीं बनी है तो उन्होंने तत्काल सम्बंधित समाज कल्याण विभाग के लिपिक के देरी से आने व जानकारी न करने पर एक दिन का वेतन काटने तथा समाज कल्याण अधिकारी को सम्बंधित लिपिक को देरी से भेजने पर कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों के मौके पर ही आयुष्मान कार्ड जारी किये गए। आज 06 बुजुर्गों को आयुष्मान कार्ड जारी किये गए। इसके साथ ही जिलाधिकारी अनुनय झा के आगमन के उपरांत अब तक जन सुनवाई के दौरान 66 बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड बनाये जा चुके हैं। राजस्व से सम्बंधित शिकायतों को सुनते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि अंश निर्धारण के प्रकरणों पर त्वरित कार्रवाई की जाये। अविवादित वरासत का कोई भी प्रकरण लंबित न रखा जाये। भूमि सम्बन्धी विवादों के मामले में उन्होंने कहा कि राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर जाकर मामले का समाधान कराये। उन्होंने निर्देश दिया कि मृत्यु प्रमाणपत्र के आवेदनों को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाये। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी विरा प्रियंका सिंह व अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

शारदा नगर में शौचक्रिया को गए युवक का पैर फिसलने पर नहर में डूबने से मृत्यु

कछौना (हरदोई)हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र कछौना के अंतर्गत ग्राम सभा त्यौरी मतुआ के ग्राम लालपुर निवासी 28 वर्षीय युवक गौरब सिंह शुक्रवार को शारदा नहर लखनऊ ब्रांच में पैर फिसलने से निधन हो गया। मृतक के दो छोटे मासूम बच्चों के ऊपर से पिता का साया उठ गया है। शुक्रवार की अपराह्न मृतक युवक गौरब सिंह (28) पुत्र स्वर्गीय राम प्रकाश सिंह, निवासी ग्राम लालपुर मजरा त्यौरी मतुआ थाना कछौना शारदा नहर लखनऊ ब्रांच डबल नहर पर बहती नहर में शौचक्रिया के दौरान पैर फिसलने से डूब गए। स्थानीय लोगों ने कूद कर बाहर निकलने का प्रयास कियाए घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कछौना ले जाया गया, जहां पर तैनाद डॉक्टर सद्दाम ने मृत घोषित कर दिया। इस घटना से परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो.रो कर बुरा हाल है। मृतक प्राइवेट फैक्ट्री में कार्य कर परिवार का भरण पोषण करता था। मृतक के दो मासूम बच्चे पुत्र युवराज 5 वर्ष व बिटया अनाया दो वर्ष की है। जिनके सिर के ऊपर से पिता का साया उठ गया है।

मृतक की फाइल फोटो

जिला गंगा समिति के तत्वाधान में एक दिवसीय प्राकृतिक खेती की कार्यशाला सम्पन्न

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। जिला गंगा समिति, हरदोई के तत्वावधान में आज नमामि गंगे योजनान्तर्गत प्राकृतिक खेती पर एक कार्यशाला का आयोजन कृषक सभागर, निकट बिलग्राम चुंगी, हरदोई में किया गया। कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में अशोक सिंह, अध्यक्ष, जिला सहकारी बैंक हरदोई के द्वारा प्रतिभाग किया गया तथा सतीष कुमार उप कृषि निदेशक, सतीष कुमार पाठक जिला कृषि अधिकारी, सोनालिका सिंह यूनिट हेड, कम्युनिकेशन एंड आउटरीच, शिवांग वर्मा जिला परियोजना अधिकारी, लखनऊ प्रभात वर्मा अध्यक्ष, मृदा परीक्षण प्रयोगशाला हरदोई, राधवेन्द्र सिंह सहायक प्रबन्धक यूपी डास्प एवं जयराम सिंह से0नि0 उप परियोजना निदेषक, मुकेश सिंह से0 नि0 वरिष्ठ वैज्ञानिक के0वी0के0 हरदोई एवं 150 से अधिक कृषक उक्त कार्यशाला में उपस्थित रहे । उप कृषि निदेशक के द्वारा अवगत कराया गया कि गौ आधरित प्राकृतिक खेती में रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का उपयोग नहीं किया जाना चाहिए, इससे पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभावों को कम किया जा सकता है। जनपद हरदोई में गंगा नदी के किनारे चार विकासखण्ड बिलग्राम, माधौंगज, मल्लावां एवं साण्डी में गौ आधारित प्राकृतिक खेती कराने हेतु 50.50 हेक्टे0 के क्लस्टर कुल 1000 हेक्टे0 का चयन किया गया है जिसमें विकासखण्ड मल्लावां 300 हेक्टे0ए माधौंगज.300 हे0ए बिलग्राम .300 हेक्टे0 एवं वि0ख0 साण्डी में 100 हैक्टे0 कलस्टर बनाकर गौ आधरित प्राकृतिक खेती करायी जायेगी एवं प्रत्येक कलस्टर से 125 कृषक जोडे जायेगे इस प्रकार 20 कलस्टर में 2500 कृषकों से गौ आधारित प्राकृतिक खेती करायी जायेगी । यह एक पारंपरिक और स्थायी कृषि पद्धति है, जिसमें गायों के गोबर और मूत्र का उपयोग करके जैविक खाद और कीटनाशक बनाए जाते हैं।

विकास खण्ड स्तरीय कृषक गोष्ठी का किया गया आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। उपनिदेशक कृषि ने बताया है कि विकासखण्ड पिहानी के खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय परिसर में कृषि सूचना तंत्र के सुदृढ़ीकरण एवं कृषक जागरुकता कार्यक्रम, सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन (आत्मा) तथा त्वरित मक्का विकास कार्यक्रम योजनान्तर्गत विकास खण्ड स्तरीय कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि कुशी बाजपेयी, ब्लाक प्रमुख, पिहानी द्वारा दीप प्रज्जवलन करके एवं कृषक को नि:शुल्क नि:शुल्क बाजरा बीज मिनीकिट वितरित करते हुये किया गया। उक्त मौके पर ब्लाक प्रमुख, पिहानी द्वारा कृषकों को सम्बोधित करते हुये कृषकों को गौ-आधारित प्राकृतिक खेती व नवाचार तकनीक अपनाने हेतु प्रेरित किया जिससे कृषक खेती की लागत में कमी लाकर अपनी आय में बढ़ोत्तरी कर सकते हैं। उक्त के अतिरिक्त सरकार द्वारा कृषकों के हित में चलायी जा रही योजनाओं की जानकारी दी। जिला कृषि रक्षा अधिकारी, हरदोई द्वारा कृषकों को खरीफ फसलों की उन्नत किस्में एवं बीज उपचार विधि, डी0एस0आर0 विधि से धान बीज की बुवाई तथा जैविक खेती पद्धतियों, सिंचाई प्रबन्धन और जल संरक्षण के उपाय बताये गये तथा साथ ही पीएम-किसान, फार्मर रजिस्ट्री, फसल बीमा, डिजिटल क्राप सर्वे आदि की जानकारी कृषकों को दी गयी। सहायक विकास अधिकारी (कृषि), पिहानी द्वारा कृषकों को मृदा परीक्षण की आवश्यकता और उसके आधार पर उर्वरक प्रबन्धन की जानकारी दी गयी। मृदा परीक्षण द्वारा हम खेत की मिट्टी में पोषक तत्वों की स्थिति जान सकते हैं तथा उसी आधार पर संतुलित उर्वरक प्रयोग कर कृषक अपनी फसल की उपज व गुणवत्ता को बढ़ा सकते हैं। तिवारी, सहायक विकास अधिकारी (कृषि रक्षा), पिहानी द्वारा कृषकों को श्री अन्न की बुवाई के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी तथा श्री अन्न की फसलों में लगने वाले रोग एवं कीट तथा उनकी प्राकृतिक/जैविक विधि से नियंत्रण के बारे में जानकारी दी गयी। डा0 अनुका यादव, पशु चिकित्सा अधिकारी, ने कृषकों को बताया कि श्री अन्न पशु चारा, खाद्य, ईंधन, दवाईया एवं अन्य मूल्य संवर्धित उत्पादों के रूप में उपयोग किया जाता है। सहायक विकास अधिकारी (कृषि रक्षा), मुख्यालय, हरदोई द्वारा किसानों को धान, मक्का, बाजरा, अरहर, मूंग आदि खरीफफसलों की उन्नत किस्मों, उनकी बुवाई की विधियों, के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी गयी। कार्यक्रम में खण्ड विकास अधिकारी पिहानी, मुन्ना लाल, प्रभारी राजकीय कृषि बीज भण्डार, पिहानी एवं कृषि विभाग के समस्त कर्मचारी एवं काफी संख्या में कृषक भाई उपस्थित रहे। अतः कार्यक्रम के अन्त में जिला कृषि रक्षा अधिकारी, हरदोई द्वारा आये हुये किसानों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुये कार्यक्रम का समापन किया गया। उक्त के अतिरिक्त विकासखण्ड हरियांवा के खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय परिसर में भी कृषि सूचना तंत्र के सुदृढ़ीकरण एवं कृषक जागरुकता कार्यक्रम तथा त्वरित मक्का विकास कार्यक्रम योजनान्तर्गत विकास खण्ड स्तरीय कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्जवलन करके किया गया तथा कृषकें को नि:शुल्क बाजरा बीज मिनीकिट वितरित की गई। उक्त कार्यक्रम में डा0 निधि राठौर, खण्ड विकास अधिकारी, हरियांवा उपस्थित रहे। कृषि विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा किसानों को वैज्ञानिक तरीकों से खेती करने के लिये प्रोत्साहित किया गया कर्मचारियों द्वारा पीएम किसान सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड, फसल बीमा योजना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजनाओं की जानकारी भी दी गई। उक्त कार्यक्रम के मौके पर कृषि विभाग के समस्त कर्मचारियों सहित भारी संख्या में कृषक भाई उपस्थित रहे।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मै नमीश जबरानी पुत्र श्री सेवक राम जबरानी, पता- म0नं0-354 न्यू सिविल लाईन्स थाना कोतवाली शहर, हरदोई का निवासी हूँ। मैने मो0 अशराफ टोला अन्दर नगर पालिका में गाटा सं0-3054 मि.आवासीय भूमि में से 2685.60 वर्ग मी0 की भूमि पदमारानी पुत्री स्व0 बृजराज स्वरूप का 1/2 और भूमि गाटा सं0-3054 मि.आवासीय भूमि में से 3271.45 वर्ग फीट भूमि पूर्णिमा सिंह पुत्री स्व0 बृजराज स्वरूप सर्वनिवासीगण- मो0 अशराफ टोला, हरदोई से 1/2 भाग दिनाँक-07.11.2012 को क्रय की थी, जिसे अपनी जरूरतो और पैसे की आवश्यकता के लिए विक्रय कर दिया था। मैने अपनी बैनामित भूमि का सम्पूर्ण हिस्से में से 891.832 वर्ग फीट को ऊषा नानवानी पत्नी पवन कुमार नानवानी और 742.68 वर्ग फीट को मोहित नानवानी पुत्र पवन कुमार नानवानी, 806.3 वर्ग फीट ऊषा नानवानी पत्नी पवन कुमार नानवानी और 535.09 वर्ग फीट भूमि को मोहित नानवानी पुत्र पवन कुमार नानवानी सर्व निवासीगण- न्यू सिविल लाईन्स हरदोई को 08.12.2021 और 06.09.2022 को विक्रय कर दी थी। दोनों भूमि का 1/2 भाग विक्रय कर दिया है। मेरी उक्त भूमि से परोक्ष व अपरोक्ष रूप से कोई सरोकार और वास्ता नहीं शेष रह गया है। उक्त भूमि के सम्पूर्ण हिस्सा 1/2 पर वर्तमान में स्वामित्व व मालिकाना हक ऊषा नानवानी और मोहित नानवानी का है। मै अब उक्त सम्पूर्ण भूमि से प्रथक है।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मै तेजपाल पुत्र खेमकरन, पता:- ग्राम तत्यौरा थाना कोतवाली शहर, जनपद-हरदोई का निवासी हूँ। मेरा आधार कार्ड तेजपाल पुत्र खेमकरन के नाम से बना है। मै तेजपाल पुत्र खेमकरन व गुड्डू पुत्र खेमकरन एक ही व्यक्ति है। खाता सं0-5006846504 इलाहाबाद इण्डियन बैंक शाखा रेलवेगंज, हरदोई में गुड्डू पुत्र खेमकरन के नाम से है। उक्त बैंक खाते में गुड्डू पुत्र खेमकरन के स्थान पर तेजपाल पुत्र खेमकरन आधार कार्ड में दर्ज नाम के आधार पर कर दिया जाये।

कलेक्ट्रेट परिसर का डीएम ने किया दौरा, कर्मचारियों की समस्याएं सुनीं, मैन पावर की कमी बताई

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। डीएम अनुनय झा ने आज कलेक्ट्रेट परिसर का विस्तृत निरीक्षण किया। उन्होंने सर्वप्रथम नगर मजिस्ट्रेट कोर्ट का जायजा लिया। आपदा प्रबंधन कक्ष के निरीक्षण में डीएम ने कक्ष को अन्य आकस्मिक उद्देश्यों के लिए भी कंट्रोल रूम के रूप में उपयोग करने के निर्देश दिए। कर्मचारियों ने बताया कि कक्ष में लगी सभी एलईडी स्क्रीन कार्यशील हैं।

शस्त्र अनुभाग और अंग्रेजी अभिलेखागार के निरीक्षण के दौरान उन्होंने दस्तावेजों के उचित रखरखाव पर जोर दिया। स्थायी और अस्थायी दस्तावेजों को अलग. अलग सूचीबद्ध करने के निर्देश दिए। संयुक्त हॉल में कार्यरत कर्मचारियों की समस्याएं सुनीं। पटल पर कार्यरत कर्मचारियों के लिए नेमप्लेट लगाने को कहा। नाजिर कक्ष में पुरानी और खराब आलमारियों को बदलने के आदेश दिए। संयुक्त हॉल के बाहर नोटिस बोर्ड की जगह एलईडी स्क्रीन लगाने को कहा। भूमि अध्याप्ति कार्यालय में टूटी कुर्सियों को बदलने के निर्देश दिए। राजस्व अभिलेखागार में गंदगी देखकर नाराजगी जताई और तत्काल सफाई के आदेश दिए। दस्तावेजों को तहसील और परगना के अनुसार व्यवस्थित करने को कहा।

औषधि कार्यालय का निरीक्षण

लोकवाणी और खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन कार्यालय का भी निरीक्षण किया। सभी पटलों पर कार्मिकों की तैनाती का तार्किकीकरण करने और मरम्मत का प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी अनुनय झा ने बताया कि निरीक्षण के दौरान जो चीज सामने निकल कर आई उसमें मैनपावर की कमी सबसे बड़ी समस्या है।

15 अगस्त तक चलेगा अभियान

अपर जिलाधिकारी को तीन दिवस के भीतर जिन पटलों में कार्मिकों की आवश्यकता है उसकी रिपोर्ट मांगी गई है। इसके अलावा पुराने अभिलेखों को लेकर 15 अगस्त तक अभियान चलाए जाने के भी निर्देश दिए गए हैं। निरीक्षण के दौरान एडीएम प्रियंका सिंह, एडीएम न्यायिक प्रफुल्ल त्रिपाठी, नगर मजिस्ट्रेट सुनील कुमार त्रिवेदी, एसडीएम राकेश सिंह और अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

वृहद वृक्षारोपण अभियान हेतु अग्रिम मृदा कार्य एवं पौधशाला का निरीक्षण

राष्ट्रीय प्रस्तावना

कछौना (हरदोई)। वन रेंज कछौना के अंतर्गत राम कुमार वृहद वृक्षारोपण अभियान हेतु अग्रिम मृदा कार्य तथा कामीपुर एवं रेंज परिसर में पौधशाला का निरीक्षण किया गया तथा आवश्यक निर्देश चल रही हैं, ताकि इस अभियान को सफल बनाया जा सके। इस हेतु अग्रिम मृदा कार्य व नर्सरी में पौधों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के

एपीसीसीएफ/नोडल अधिकारी सीतांशु पांडेय, डीएफओ हरदोई व डा0 अर्चना रावत एसडीओ संडीला द्वारा शुक्रवार को कछौना रेंज अंतर्गत कटियामऊ वन ब्लॉक में 2025 के दिए गए। ध्यातव्य है कि प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप इस वर्ष भी 35 करोड़ वृक्षारोपण कार्य किया जाना है। जिसके लिए तैयारियां जोरों से लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। इस निरीक्षण अवसर पर वन क्षेत्राधिकारी विनय सिंह जादौन सहित समस्त रेंज स्टॉफ उपस्थित रहा।

गर्मी से मुकाबला

ऐसे वक्त में जब भारत के अनेक हिस्सों में तेज गर्मी से पारा उछल रहा है, तपिश से बचने के लिये बिजली की मांग में अप्रत्याशित वृद्धि स्वाभाविक बात है। आम आदमी से लेकर खास आदमी तक गर्मी की तपिश से बचने के लिये कूलर से लेकर एसी तक का भरपूर इस्तेमाल करता है। हाल के दिनों में घरों, कार्यालयों, होटलों व मॉल तक में एसी का उपयोग बेतहाशा बढ़ा है। जिसके चलते गर्मियों के पीक सीजन में बिजली की खपत चरम पर पहुंच जाती है। ऐसे वक्त में केंद्र सरकार ने एयर कंडीशनर यानी एसी की पहचान बिजली की बढ़ती खपत के लिये जिम्मेदार खलनायक के रूप में की है। केंद्र सरकार योजना बना रही है कि घरों,होटलों व कार्यालयों में बीस डिग्री से अट्ठाइस डिग्री सेल्सियस के बीच इस्तेमाल होने वाले इस उपकरण की कूलिंग रेंज को मानकीकृत किया जाए। नए दिशा-निर्देश लागू होने के बाद एसी निर्माताओं को बीस डिग्री से कम तापमान पर कूलिंग प्रदान करने वाले एसी बनाने से रोक दिया जाएगा। केंद्रीय बिजली मंत्री मनोहर लाल खट्टर के अनुसार केंद्र सरकार की यह पहल बिजली बचाने और भारत की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के प्रयासों का हिस्सा है। इस बात में दो राय नहीं कि गर्मियों की तपिश से बचने के लिये लोग अपने एसी को बहुत कम तापमान पर चलाते हैं। इस प्रवृत्ति का बिजली ग्रिड पर दबाव बहुत अधिक बढ़ जाता है। निश्चित रूप से इसके चलते बिजली कटौती की संभावना भी बहुत अधिक बढ़ जाती है। लेकिन इस संकट का अकेला मुख्य समाधान एसी को बेहद कम तापमान पर चलाया जाना ही नहीं है। इसके अलावा अन्य कारक भी हैं। यह भी एक हकीकत है कि सरकारी व निजी कार्यालयों में एसी का उपयोग काफी लंबे समय तक अंधाधुंध ढंग से किया जाता है। यहां इसके उपयोग में किफायत बरतने की दिशा में भी कदम उठाने की जरूरत है।निस्संदेह, ऊर्जा मंत्रालय का ऊर्जा नियामक ब्यूरो, बिजली खपत कम करने वाले उपकरणों के उपयोग को बढ़ावा देता है। लेकिन जब गर्मी रिकॉर्ड तोड़ती बढ़ रही है तो तापमान बढ़ने पर बिजली की खपत अनिवार्य रूप से बढ़ने लगती है। लेकिन इसका एकमात्र कारण एसी का बढ़ता उपयोग ही नहीं है। हमें खुद से सवाल पूछने की जरूरत है कि हमारे शहर इतने गर्म क्यों हो रहे हैं? हम इस बढ़ते तापमान से नागरिकों को राहत क्यों नहीं दे पा रहे हैं। अंधाधुंध-अवैज्ञानिक तरीके से हो रहे निर्माण कार्य भी इसमें कम दोषी नहीं हैं। हमने चारों तरफ कंक्रीट के जंगल तो बना दिए लेकिन शहरों में हरियाली का दायरा लगातार सिमटता जा रहा है। जिससे हवा का प्राकृतिक प्रवाह भी बाधित हो रहा है। विकास के नाम पर जो सैकड़ों वर्ष पुराने पेड़ काटे जाते हैं, उसकी क्षतिपूर्ति नये पेड़ लगाकर नहीं की जाती है। हम घरों को प्राकृतिक रूप से ठंडा बनाये रखने वाली भवन निर्माण तकनीक नहीं अपना रहे हैं। यदि उष्मारोधी भवन निर्माण सामग्री को बढ़ावा दिया जाए तो लोगों को कम बिजली खपत से भी राहत मिल सकती है। हमारी जीवनशैली बिजली की खपत को लगातार बढ़ा रही है। यदि हमारे देश में सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को बढ़ावा दिया जाए तो सड़कों पर निजी वाहनों का उपयोग कम होने से वाहनों के गर्मी बढ़ाने वाले उत्सर्जन को कम किया जा सकता है। हमें भवन निर्माण में छतों को ठंडा रखने वाली तकनीक के उपयोग को बढ़ावा देना चाहिए। ऐसी सामग्री या सिस्टम का उपयोग किया जाना चाहिए जो पारंपरिक छत की तुलना में ताप बढ़ाने वाली सूरज की रोशनी को परावर्तित कर सके। इन उपायों से हम ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को भी कम करने का प्रयास कर सकते हैं। इसके अलावा शहरी क्षेत्रों में हरियाली को बढ़ाकर और पारंपरिक जल निकायों को पुनर्जीवित करके हम तापमान को कम करने का प्रयास भी कर सकते हैं। सरकार और समाज की साझा जिम्मेदारी एक बड़े बदलाव की वाहक बन सकती है। स्थानीय निकाय, निजी क्षेत्र की संस्थाएं व गैर सरकारी संगठन निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं।

आम आदमी से लेकर खास आदमी तक गर्मी की तपिश से बचने के लिये कूलर से लेकर एसी तक का भरपूर इस्तेमाल करता है। हाल के दिनों में घरों, कार्यालयों, होटलों व मॉल तक में एसी का उपयोग बेतहाशा बढ़ा है। जिसके चलते गर्मियों के पीक सीजन में बिजली की खपत चरम पर पहुंच जाती है। ऐसे वक्त में केंद्र सरकार ने एयर कंडीशनर यानी एसी की पहचान बिजली की बढ़ती खपत के लिये जिम्मेदार खलनायक के रूप में की है। केंद्र सरकार योजना बना रही है कि घरों,होटलों व कार्यालयों में बीस डिग्री से अट्ठाइस डिग्री सेल्सियस के बीच इस्तेमाल होने वाले इस उपकरण की कूलिंग रेंज को मानकीकृत किया जाए

भारत की सुरक्षा एवं मोदी सरकार

शिवप्रकाश

गरीब कल्याण, ढांचागत विकास, अन्तर्वाह्य सुरक्षा, आर्थिक प्रगति, सांस्कृतिक उत्थान एवं विदेशों में बढ़ता भारतीय सम्मान सभी क्षेत्रों में ऐतिहासिक उपलब्धियां 11 वर्ष में प्रगति की गवाह हैं। भारत सहित विश्व की अनेक संस्थाओं एवं प्रमुख व्यक्तियों ने इस ऐतिहासिक सफलता की प्रशंसा की है। रक्षा क्षेत्र में भी इसी प्रकार की उपलब्धियां ऐतिहासिक हैं। चाणक्यनीति में कहा गया है कि शस्त्रेण रक्षिते राष्ट्रे शास्त्र चिंता प्रवर्तते शास्त्रों की चर्चा भी तभी संभव है जब राष्ट्र सभी प्रकार से सुरक्षित हो। सिद्धांत कितना भी श्रेष्ठ हो उसकी सफलता उस सिद्धांत का अनुसरण करने वालों की शक्ति पर ही निर्भर करती है। इसी कारण विद्वानों ने शक्ति को ही शांति का आधार बताया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी संकल्प से सिद्धि अभियान चला रही है। संपूर्ण देश में मोदी सरकार की सफलता पर प्रेस वार्ताएं, प्रदर्शनी, विचार संगोष्ठी, जनसभाएं एवं ग्राम स्तर पर चौपाल कार्यक्रमों का आयोजन हो रहा है। सोशल मीडिया द्वारा योजनाओं की जानकारी एवं अनेक प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन भी हो रहा है। गरीब कल्याण, ढांचागत विकास, अन्तर्वाह्य सुरक्षा, आर्थिक प्रगति, सांस्कृतिक उत्थान एवं विदेशों में बढ़ता भारतीय सम्मान सभी क्षेत्रों में ऐतिहासिक उपलब्धियां 11 वर्ष में प्रगति की गवाह हैं। भारत सहित विश्व की अनेक संस्थाओं एवं प्रमुख व्यक्तियों ने इस ऐतिहासिक सफलता की प्रशंसा की है। रक्षा क्षेत्र में भी इसी प्रकार की उपलब्धियां ऐतिहासिक हैं। चाणक्यनीति में कहा गया है कि शस्त्रेण रक्षिते राष्ट्रे शास्त्र चिंता प्रवर्तते शास्त्रों की चर्चा भी तभी संभव है जब राष्ट्र सभी प्रकार से सुरक्षित हो। सिद्धांत कितना भी श्रेष्ठ हो उसकी सफलता उस सिद्धांत का अनुसरण करने वालों की शक्ति पर ही निर्भर करती है। इसी कारण विद्वानों ने शक्ति को ही शांति का आधार बताया है। राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर अपनी कविता ''क्षमा शोभती उस भुजंग को, जिसके पास गरल हो'' इस सिद्धांत को ही प्रतिपादित करते हैं।भारतीय जनसंघ ने अपने 1964 के पटना अधिवेशन में प्रस्ताव पारित करते हुए मांग की थी कि भारत को परमाणु बम बनाने के सभी प्रयत्न करने चाहिए। सिद्धांत एवं नीतियां नामक दस्तावेज में भी परमाणु अस्त्रों का निर्माण करने की बात की थी। प्रस्ताव प्रतिपादन करते समय कहा गया था कि हमारे आराध्य सभी देवी-देवता धर्म संस्थापना के लिये शस्त्रधारी है। इसलिए भारत माता भी परमाणु बम धारी होनी चाहिए। इसी नीति का अनुसरण करते हुए अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने 1999 में पोखरण परमाणु विस्फोट कर विश्व में भारत के सम्मान को बढ़ाने का कार्य किया था। फिर 2014 में मोदी सरकार बनने के बाद देश अपने हितों की सुरक्षा करने में समर्थ बने इस प्रकार की नीति पर चला। आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति इसी का उदाहरण है। जहां कांग्रेस सरकार में आतंकियों के लिए जी जैसे सम्मानपूर्वक शब्दों का उपयोग एवं बिरयानी खिलाना जैसे उपक्रम चल रहे थे, वहीं मोदी सरकार में सेना और सुरक्षा बलों को आतंक से लड़ने के लिए छूट एवं सुरक्षा बलों को आवश्यक सुरक्षा उपकरण उपलब्ध करवाए गए।रक्षा क्षेत्र का बजट 2013-14 में 2.53 लाख करोड़ था अब 2025-26 के लिए वह बढ़कर 6.81 लाख करोड़ अर्थात तीन गुना से अधिक हो गया है। 2015 कैग रिपोर्ट के अनुसार भारतीय सेना के पास केवल 20 दिन का गोलाबारूद उपलब्ध था। व्यक्तिगत सैनिक स्तर पर, सैनिकों को अब स्वदेशी रूप से निर्मित उच्च गुणवत्ता वाली बुलेटप्रूफ जैकेट, उन्नत हेलमेट, नई बैटल ड्रेस यूनिफॉर्म, नाइट विजन डिवाइस और थर्मल इमेजर उपलब्ध करायी गई। मोदी सरकार के आने के बाद सेना के समन्वय के लिए लंबित मांग सीडीएस की नियुक्ति का निर्णय हुआ। ऑपरेशन सिन्दूर में तीनों सेनाओं के समन्वय में हमने इस निर्णय की भूमिका को अनुभव किया है। शस्त्रों की खरीद के लंबे समय से लंबित निर्णयों का भी शीघ्र निस्तारण होते हुए हम देख चुके हैं। फ्रांस से आने वाले राफ़ेल की खरीद इसी प्रक्रिया का परिणाम है। एस -400, सुखोई -30, इजराइल से ड्रोन, हैमर मिसाइल, चिनूक हेलिकॉप्टर, एलसीएच प्रचंड (लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर), तेजस फाइटर जेट (पूर्ण स्वदेशी विमान), पिनाका राकेट सिस्टम, वरुणास्त्र आदि की उपलब्धता के कारण भारतीय सेना विश्व की श्रेष्ठतम सेनाओं में गिनी जाती है। ऑपरेशन सिन्दूर में निर्धारित लक्ष्य पर मार एवं शत्रु के ड्रोन एवं मिसाइल को मार गिराने में हम सक्षम हुए हैं।11 वर्ष के सफलतम कालखंड में केवल विदेशों से शस्त्र खरीद ही नहीं हमने स्वयं के आत्मनिर्भर होने के मंत्र को भी पहचाना है। अब हम भारत में उन्नत एवं आधुनिक स्वदेशी शस्त्रों का निर्माण भी कर रहे हैं। स्वदेशी विमान वाहक पोत आईएनएस विक्रांत का निर्माण, आकाश एयर डिफेंस सिस्टम, रुस्तम यूएवी ड्रोनसका डीआरडीओ द्वारा लखनऊ में निर्माण, रूस के साथ ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल, टाटा - डसाल्ट के साथ राफ़ेल के मुख्य भाग का हैदराबाद में हम निर्माण करने वाले हैं। रक्षा उत्पादन में पिछले 10 वर्षों में 174% की वृद्धि हुई है। रक्षा उत्पादन 2014-15 में 46529 करोड़ की तुलना में 2023-24 में 127265 करोड़ हुआ है।रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की नीति के कारण अब हम खरीदने अर्थात आयात करने वाले देश नहीं हम बेचने वाले अर्थात निर्यात करने वाले देश बन गए हैं। 2004 से 2014 अर्थात 10 वर्षों में हमने 4312 करोड़ का निर्यात किया था। 2014 से 24 में 88,319 करोड़ का हुआ है। 2024 - 25 में केवल एक वर्ष में ही हमने 23622 करोड़ का निर्यात किया है। आयात में 21% की कमी करके 11 वर्षों में निर्यात में 34% की वृद्धि करने में देर सक्षम हुआ है। आज हम लगभग 80 से अधिक देशों में रक्षा उत्पादों का निर्यात कर रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर में हमारे स्वदेशी शस्त्रों की सफलता को देखकर विश्व में हमारे शस्त्रों की मांग भी बढ़ गयी है।देश को नक्सल मुक्त करने के मोदी सरकार के संकल्प ने देश के सामान्य नागरिकों में सरकार के प्रति विश्वास जगाया है। नक्सली हिंसा में लिप्त आतंकी अपनी अंतिम सांस गिन रहे हैं। 2014 में नक्सल आतंकवाद से प्रभावित जिलों की संख्या 126 थी। 11 वर्षों बाद 2025 में वह संख्या मात्र 6 रह गई है। बड़े-बड़े इनामी नक्सली आतंकी मुठभेड़ में मारे गए हैं। सरकार के नक्सलमुक्त देश के संकल्प से लगता है कि भावी पीढ़ी नक्सलवाद नाम ही भूल जाएगी।प्रत्येक प्रकार की गुलामी की मानसिकता से मुक्ति का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए 2 सितंबर 2022 को कोच्चि में प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय नौसेना के नए ध्वज का अनावरण किया, जिसमें औपनिवेशिक 'सेंट जॉर्ज क्रॉस' को हटाकर छत्रपति शिवाजी महाराज की राजमुद्रा से प्रेरित अष्टकोणीय प्रतीक को स्थान दिया गया। इसमें अशोक स्तंभ, लंगर और नौसेना का आदर्श वाक्य शं नो वरुणः अंकित है, जो भारत की समुद्री विरासत और आत्मगौरव का प्रतीक है। नए भारत का संकल्प- घर में घुसकर आतंकियों को मारेंगे केवल कहना मात्र नहीं, सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक एवं ऑपरेशन सिंदूर में हमने यह करके दिखाया है। खून एवं पानी एक साथ नहीं बहेगा, सिंधु नदी समझौता रद्द कर हमने आतंक के प्रति अपने दृष्टिकोण को विश्व के सामने स्पष्ट किया है। पूर्व सैनिकों के कल्याण, अग्निवीर योजना, विजयदशमी पर राफ़ेल जैसे शस्त्रों का पूजन एवं दीपावली त्योहार में सैनिको के मध्य प्रधानमंत्री जी की उपस्थिति, सीमावर्ती सैनिक चौकियों पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह का प्रवास यह सभी उपक्रम हमारे सुरक्षित भारत के संकल्प को प्रकट करते हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद की स्थिति, पाकिस्तान के आतंकी चेहरे को बेनकाब करने, आतंकवाद के प्रति भारत के दृष्टिकोण को विश्व के सम्मुख रखने के लिए सर्वदलीय प्रतिनिधिमण्डल देश की एकजुटता को प्रकट करने का कूटनीतिक सराहनीय प्रयास है।

अहमदाबाद में 'सपनों की उड़ान' से सुलगते सवाल

प्रियंका सौरभ

अहमदाबाद में 12 जून की सुबह आम दिनों की तरह सामान्य थी। किसी ने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि आज की दोपहर रुलाने वाली होगी। एअर इंडिया की फ्लाइट ए1-171 लंदन के गैटविक एयरपोर्ट के लिए उड़ान भरने कुछ ही सेकंड बाद क्रैश हो गई। यह हादसा सिर्फ अहमदाबाद को ही नहीं, पूरे राष्ट्र की आत्मा को झकझोर गया। इस विमान में 230 यात्री और 12 क्रू मेंबर थे। सभी की अपनी-अपनी कहानियां थीं। कोई पहली बार विदेश जा रहा था। किसी को बेटी की शादी में शामिल होना था। कोई नौकरी के लिए लंदन जा रहा था तो कोई अपने बेटे से मिलने। किसी ने शायद दरवाजा बंद करते समय पीछे मुड़कर देखा हो। मगर अधिकांश ने आखिरी बार कहा होगा-पहुंचकर फोन करना। लेकिन इसका मौका 'सपनों की उड़ान' भरने वालों को नहीं मिला। इस विमान का बड़ा हिस्सा मेघानी नगर के मेडिकल छात्रावास पर भी गिरा। इससे वहा रह रहे छह छात्र भी मौत के मुंह में समा गए। यह युवा भविष्य में किसी की जान बचा सकते थे। दुर्भाग्य देखिए, उनकी अपनी जानें ही नहीं बच सकीं। किसी मोबाइल फोन की स्क्रीन पर शायद अभी भी ममता का 'मिस्ड कॉल' दिख रहा होगा। किसी के व्हाट्स ऐप पर अब भी ''लैंड करते ही मैसेज करना'' लिखा होगा। हादसे में मर जाना अलग बात है, लेकिन बिना अलविदा कहे दुनिया छोड़ जाना एक अकल्पनीय दुःख होता है। एअर इंडिया का यह ड्रीमलाइनर विमान आधुनिकतम सुरक्षा तकनीक से लैस था। ड्रीमलाइनर 787 को उड्डयन जगत में विश्वसनीय माना जाता है। फिर सवाल उठता है-कैसे हुआ ये हादसा? क्या विमान में पहले से कोई तकनीकी गड़बड़ी थी? क्या मेंटेनेंस में लापरवाही बरती गई? या फिर यह एक दुर्भाग्यपूर्ण संयोग है? कैप्टन सुमीत सबरवाल इस विमान को उड़ा रहे थे। वे 8200 घंटे के उड़ान अनुभव वाले वरिष्ठ पायलट थे। उनके साथ सह-पायलट क्लाइव कुन्दर भी थे। उनके पास भी पर्याप्त उड़ान अनुभव था। कहते हैं कि दोनों ने आखिरी क्षण तक विमान को कंट्रोल करने की कोशिश की। ब्लैक बॉक्स से मिली रिकॉर्डिंग में कैप्टन की अंतिम आवाज 'मेडे कॉल' के रूप मे दर्ज है। प्रशासन ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू करने में देर नहीं की। खबर फैलते ही अस्पतालों के बाहर परिजनों की चीखें सुनाई देने लगीं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है। हादसों के बाद हम अकसर संवेदनाएं प्रकट करते हैं। मोमबत्तियाँ जलाते हैं। सोशल मीडिया पर पोस्ट डालते हैं और फिर भूल जाते हैं। लेकिन इस बार कुछ बदलना होगा। कई परिवार ऐसे हैं जिनका एकमात्र कमाने वाला सदस्य इस हादसे में चला गया। कुछ ऐसे हैं जिनके तीन-तीन सदस्य एकसाथ उड़ान पर थे और अब उनकी कोई स्मृति शेष नहीं। एक छह साल की बच्ची की तस्वीर वायरल हो रही है जो अपने दादा-दादी के साथ पहली बार विदेश जा रही थी। अब उसकी गुलाबी गुड़िया राख में मिली है। एक नवविवाहिता जो ससुराल के लिए रवाना हुई थी, अब ताबूत में लौटेगी। यह कहानियां तकलीफदेह हैं। इस हादसे के बाद हमें दो काम जरूर करने चाहिए। पहला-पीड़ित परिवारों को हर संभव सरकारी, कानूनी और मानसिक सहायता दी जाए। दूसरा-यह सुनिश्चित किया जाए कि भारत की कोई भी उड़ान हो, उसे उड़ने से पहले सौ बार जांचा जाए। एक शोक रचना याद आ रही है-''जो उड़ने चले थे सितारे बन के, वो राख में अब निशान बन के रह गए।'' यह दुर्घटना उन सभी यात्रियों को श्रद्धांजलि है जो सिर्फ मंज़िल की आशा लेकर चले थे और अब हमारी यादों का हिस्सा बन गए हैं। वे लौटकर नहीं आएंगे, लेकिन अगर हमने उनकी याद में सिस्टम को बेहतर बना दिया, तो शायद उनके जाने का कोई अर्थ रह जाएगा।

स्वैच्छिक रक्तदान की संस्कृति को बढ़ावा देकर उजाला बने

विश्व रक्तदाता दिवस पर विशेष

ललित गर्ग

भारत विश्व की सबसे बड़ी आबादी वाला देश होने के बावजूद रक्तदान में काफी पीछे है। रक्त की कमी को खत्म करने के लिए विश्व भर में रक्तदान दिवस मनाया जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक के तहत भारत में सालाना एक करोड़ यूनिट रक्त की जरूरत है लेकिन उपलब्ध 75 लाख यूनिट ही हो पाता है। यानी करीब 25 लाख यूनिट रक्त के अभाव में हर साल हजारों मरीज दम तोड़ देते हैं। यह अकारण नहीं कि भारत की आबादी भले ही डेढ़ अरब पहुंच गयी हो, रक्तदाताओं का आंकड़ा कुल आबादी का एक प्रतिशत भी नहीं पहुंच पाया है।

किसी के जीवन में रंग भरने का, जीवन और मौत के बीच जूझ रहे लोगों को जीवन देने का और अधिक स्वास्थ्य संकट से घिरे व्यक्ति के जीवन में आशा की किरण बनने का सशक्त माध्यम है रक्तदान। दुनिया भर में अनगिनत लोगों को रक्त की अपेक्षा होती है, इसलिये रक्तदान-महादान है। रक्तदान के महत्व को उजागर करने के लिये विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा हर साल 14 जून को 'विश्व रक्तदान दिवस' मनाया जाता है। किसी व्यक्ति के जीवन में रक्तदान के महत्व को समझाने के साथ ही रक्तदान करने के लिये आम इंसान को प्रेरित एवं प्रोत्साहित करने के लिये यह दिवस मनाया जाता है। इंसान की सम्पत्ति का कोई मतलब नहीं अगर उसे बांटा और उपयोग में नहीं लाया जाए, चाहे वे शरीर का रक्त ही क्यों न हो। किसी व्यक्ति की रक्तअल्पता के कारण मृत्यु न हो, इस दृष्टि से रक्तदान एक महान दान है, जो किसी को जीवन-दान देने के साथ हमें स्वर्ग-पथ की ओर अग्रसर करता है। ऐसा दानदाता समाज, सृष्टि एवं परमेश्वर के प्रति अपना कर्त्तव्य पालन करता है। रक्तदाता कोई भी हो सकता है, जिसका रक्त किसी अत्यधिक जरुरतमंद मरीज को दिया जा सकता है। किसी के द्वारा दिये गये रक्त से किसी को नया जीवन मिल सकता है, उसकी जिन्दगी में बहार आ जाती है। इस वर्ष इस दिवस की थीम है 'रक्त दें, आशा दें- साथ मिलकर हम जीवन बचाते हैं।' यह थीम रक्तदाताओं के जीवन-परिवर्तनकारी प्रभाव पर प्रकाश डालती है, समुदाय और एकता का सम्मान करती है, तथा नए और नियमित रक्तदाताओं दोनों को जीवन बचाने में मदद करने के लिए प्रेरित करती है।

दरअसल विश्व रक्तदान दिवस, शरीर विज्ञान में नोबल पुरस्कार प्राप्त कर चुके वैज्ञानिक कार्ल लैंडस्टाईन की याद में पूरे विश्व में मनाया जाता है, उनका जन्म 14 जून 1868 को हुआ था। उन्होंने मानव रक्त में उपस्थित एग्ल्युटिनिन की मौजूदगी के आधार पर रक्तकणों का ए, बी और ओ समूह की पहचान की थी। रक्त के इस वर्गीकरण ने चिकित्सा विज्ञान में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसी खोज के लिए महान वैज्ञानिक कार्ल लैंडस्टाईन को साल 1930 में नोबल पुरस्कार दिया गया था। उनकी इसी खोज से आज करोड़ों से ज्यादा लोग रक्तदान रोजाना करते हैं और इसी के कारण लाखों की जिंदगियां बचाई जाती हैं, जिससे रक्त प्राप्त करने वाले व्यक्ति को एक नयी जिंदगी और उनके परिवारों के चेहरे पर एक प्राकृतिक मुस्कुराहट देता है। रक्तदान का महत्व न केवल उन हजारों लोगों के जीवन को बचाना है जो रक्त की कमी या अभाव के कारण जीवन एवं मृत्यु के बीच संघर्षरत हैं, बल्कि विभिन्न बीमारियों से प्रभावित कई अन्य लोगों के जीवन को बचाना और उन्हें अनेक बीमारियों से लड़ने में मदद करना भी है। कल्पना कीजिए कि यह जानकर कैसा महसूस होगा कि आपने किसी की जान बचाई है। आपकी वजह से, कोई व्यक्ति अब अपने परिवार के साथ रह रहा है, पढ़ाई कर रहा है और दुनिया में मौजूद है। यह दिन चुनौतियों को स्वीकार करता है और सुरक्षित रक्त दान को सार्वभौमिक रूप से सुलभ बनाने की दिशा में प्रगति को गति देता है। इस दिवस को मनाने का एक और महत्वपूर्ण कारण स्वैच्छिक रक्तदान की संस्कृति को बढ़ावा देना है। जो यह सुनिश्चित करता है कि दुनिया को सबसे ज्यादा ज़रूरत पड़ने पर सुरक्षित रक्त मिल सके। यह भी देखा गया है कि जब लोगों ने अपना रक्तदान किया है, तो उन्हें कई स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हुए हैं। रक्तदान करने वाले ज्यादातर लोग अपनी बीमारियों से जल्दी ठीक हो जाते हैं और लंबी उम्र जीते हैं, यह वजन घटाने, स्वस्थ लीवर और आयरन के स्तर को बनाए रखने, दिल के दौरे और कैंसर के जोखिम को कम करने में भी मदद करता है। इस अभियान का उद्देश्य सुरक्षित रक्त और प्लाज्मा दान की निरंतर आवश्यकता के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाना, दानकर्ताओं के सकारात्मक प्रभाव पर जोर देना, तथा राष्ट्रीय रक्त कार्यक्रमों में निवेश करने और उन्हें बनाए रखने के लिए सरकारों और विकास भागीदारों से समर्थन जुटाना है। भारत विश्व की सबसे बड़ी आबादी वाला देश होने के बावजूद रक्तदान में काफी पीछे है। रक्त की कमी को खत्म करने के लिए विश्व भर में रक्तदान दिवस मनाया जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक के तहत भारत में सालाना एक करोड़ यूनिट रक्त की जरूरत है लेकिन उपलब्ध 75 लाख यूनिट ही हो पाता है। यानी करीब 25 लाख यूनिट रक्त के अभाव में हर साल हजारों मरीज दम तोड़ देते हैं। यह अकारण नहीं कि भारत की आबादी भले ही डेढ़ अरब पहुंच गयी हो, रक्तदाताओं का आंकड़ा कुल आबादी का एक प्रतिशत भी नहीं पहुंच पाया है। वहीं दुनिया के कई सारे देश हैं जो इस मामले में भारत को काफी पीछे छोड़ देते हैं। मालूम हो कि नेपाल में कुल रक्त की जरूरत का 90 फीसदी स्वैच्छिक रक्तदान से पूरा होता है तो श्रीलंका में 60 फीसदी, थाईलेण्ड में 95 फीसदी, इण्डोनेशिया में 77 फीसदी और अपनी निरंकुश हुकूमत के लिए चर्चित बर्मा में 60 फीसदी हिस्सा रक्तदान से पूरा होता है। रक्तदान को लेकर विभिन्न भ्रांतियां समाज में परिव्यपाप्त है। रक्त की महिमा सभी जानते हैं। रक्त से आपकी जिंदगी तो चलती ही है साथ ही कितने अन्य के जीवन को भी बचाया जा सकता है। भारत में अभी भी बहुत से लोग यह समझते हैं कि रक्तदान से शरीर कमजोर हो जाता है और उस रक्त की भरपाई होने में महीनों लग जाते हैं। इतना ही नहीं यह गलतफहमी भी व्याप्त है कि नियमित रक्त देने से लोगों की रोगप्रतिरोधक क्षमता कम होती है और उसे बीमारियां जल्दी जकड़ लेती हैं। यहाँ भ्रम इस कदर फैला हुआ है कि लोग रक्तदान का नाम सुनकर ही सिहर उठते हैं। भारतीय रेडक्रास के अनुसार देश में रक्तदान को लेकर भ्रांतियाँ कम हुई हैं पर अब भी काफी कुछ किया जाना बाकी है। किसी व्यक्ति को रक्त की आवश्यकता क्यों होती है इसके विभिन्न कारण हैं। एक बीमारी, दुर्घटना असाध्य ओपरेशन कुछ भी हो सकती है, लेकिन यह महत्वपूर्ण है। रक्तदान करते हुए डोनर के शरीर से केवल 1 यूनिट रक्त ही लिया जाता है। एक बार रक्तदान से आप 3 लोगों की जिंदगी बचा सकते हैं। ब्लड डोनेशन की प्रक्रिया काफी सरल होती है और रक्त दाता को आमतौर पर इसमें कोई तकलीफ नहीं होती हैं। रक्त दाता का वजन, पल्स रेट, ब्लड प्रेशर, बॉडी टेम्परेचर आदि चीजों के सामान्य पाए जाने पर ही डॉक्टर्स या ब्लड डोनेशन टीम के सदस्य आपका ब्लड लेते हैं। पुरुष 3 महीने और महिलाएं 4 महीने के अंतराल में नियमित रक्तदान कर सकती हैं। यदि आप स्वस्थ हैं, आपको किसी प्रकार का बुखार या बीमारी नहीं हैं, तो ही आप रक्तदान कर सकते हैं। रक्तदान खुशी देने एवं खुशी बटोरने का एक जरिया है। एक चीनी कहावत- पुष्प इकट्ठा करने वाले हाथ में कुछ सुगंध हमेशा रह जाती है। जो लोग दूसरों की जिंदगी रोशन करते हैं, उनकी जिंदगी खुद रोशन हो जाती है। रक्तदान ऐसा पुण्य है जो किसी को नयी जिन्दगी देता है तो खुद को भी खुशी का अहसास कराता है। रक्तदान पूरे विश्व में मनाये जाने वाले महत्वपूर्ण दिवसों में से एक है। कोई भी व्यक्ति चाहे, वह किसी भी उम्र, जाति, धर्म और समुदाय का हों, वह रक्तदान कर सकता है। भारत महर्षि दधीचि जैसे ऋषियों का देश है, जिन्होंने एक कबूतर के प्राणों व असुरों से जन सामान्य की रक्षा के लिये अपना देहदान कर दिया था। परंतु समय के साथ भारत में रक्तदान की प्रवृत्ति में गिरावट देखी गई। निश्चित तौर पर रक्तदान करके किसी अन्य व्यक्ति की जिंदगी में नई उम्मीदों का सवेरा लाया जा सकता है। इस तरह रक्तदान करने से एक प्रेरणादायी शक्ति पैदा होती है, जो अद्भुत होती है, यह ईश्वर के प्रति सच्ची प्रार्थना है। इस तरह की उदारता व्यक्ति की महानता का द्योतक है, जो न केवल आपको बल्कि दूसरे को भी प्रसन्नता, जीवनऊर्जा एवं जीवन प्रदान करती है।

वीर शहीदों के सम्मान में गाँव-गाँव होंगे स्मारक

स्कूलों व सरोवरों का होगा नामकरण

- डीएम की अध्यक्षता में हुई अहम बैठक, अधिकारियों को दिए गए निर्देश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। जिले के शहीद सैनिकों की स्मृति को चिरस्थायी बनाने और नई पीढ़ी को राष्ट्रसेवा की प्रेरणा देने के उद्देश्य से शुक्रवार को कलेक्ट्रेट स्थित पन्नालाल सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी गौरांग राठी ने की, जिसमें विभिन्न प्रशासनिक और विकास विभागों के अधिकारी शामिल हुए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जनपद के उन 30 वीर सैनिकों, जिन्होंने देश की रक्षा में अपने प्राण न्योछावर किए, उनके गांवों में पार्क, विद्यालय, पोखर, स्टेडियम और अमृत सरोवर आदि का नामकरण उनके नाम पर किया जाए। इसके साथ ही संबंधित स्थानों पर स्मारक और तोरण द्वार भी बनाए जाएं।

डीएम राठी ने नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी को निर्देशित किया कि नगर क्षेत्र के तीन शहीद सैनिकों से संबंधित सड़कों और स्थलों का नामकरण कारगिल विजय दिवस (26 जुलाई) से पहले पूर्ण कराया जाए। वहीं, जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देश दिए गए कि शहीदों की जीवनी का संकलन कर उसे स्कूलों में बच्चों को पढ़ाया जाए।

बैठक में स्क्वाड्रन लीडर मधु मिश्रा, जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी ने सभी अधिकारियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह कार्य शहीदों के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने बैठक में शहीद सम्मान से जुड़े प्रस्तावों को प्रस्तुत किया, जिसे जिलाधिकारी ने गंभीरता से लिया।

शहीद स्मारकों के निर्माण, नामकरण, तोरण द्वार, सरोवर, सड़क और भूमि आवंटन से संबंधित कार्यों के लिए खंड विकास अधिकारी बीघापुर व सुमेरपुर विनोद कुमार मणि त्रिपाठी, तथा हसनगंज व मियागंज के खंड विकास अधिकारी अनिल कुमार को प्रमुख भूमिका सौंपी गई है। इन अधिकारियों को शीघ्रता से कार्रवाई कर कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में बीएसएफ के शहीद अरविंद विमल की माता श्रीमती बेलपती द्वारा दिए गए प्रार्थना पत्र पर भी कार्रवाई का आश्वासन दिया गया। डीएम ने उपजिलाधिकारी हसनगंज को खड़ंजा और पट्टा संबंधी प्रकरण का त्वरित निस्तारण करने को कहा। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी न्यायिक अमिताभ यादव, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे विधेश, उपजिलाधिकारी क्षितिज द्विवेदी, प्रमेश श्रीवास्तव, प्रज्ञा पांडेय, शिवेन्द्र कुमार वर्मा, शुभम यादव, जिला पंचायत राज अधिकारी तेजवंत सिंह, बेसिक शिक्षा अधिकारी संगीता सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक एस.पी. सिंह, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद संजय गौतम समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला अस्पताल से चोरी गई एसी यूनिट बरामद, युवक गिरफ्तार

- कोतवाली सदर पुलिस को मिली सफलता, एलजी व लॉयड कंपनी के आउटडोर, कम्प्रेसर व अन्य उपकरण बरामद

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। जिला अस्पताल से चोरी हुई एसी यूनिटों की घटना का खुलासा करते हुए कोतवाली सदर पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी के कब्जे से चोरी गए एसी के आउटडोर कवर, पंखे, लोहे की पट्टियां और कम्प्रेसर मशीन बरामद की गई है।

गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान अली अहमद पुत्र स्व. मुमताज, निवासी तालिब सराय, खरिहान मस्जिद के पास, थाना कोतवाली सदर (उम्र 20 वर्ष) के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे गुरुवार को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, 26 मई को जिला अस्पताल से सात एसी यूनिटें और यूनिट पाइप चोरी हुई थीं। इस मामले में प्रभारी रक्त केंद्र डॉ. अनुराग कुमार ने कोतवाली में अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जांच में जुटी पुलिस ने तकनीकी साक्ष्य और स्थानीय जानकारी के आधार पर आरोपी को दबोचा। पुलिस टीम ने आरोपी के पास से एलजी और लॉयड कंपनी के दो आउटडोर यूनिट कवर, तीन पंखे, दो लोहे की पट्टियां और एक कम्प्रेसर मशीन बरामद की है। डॉ. अनुराग कुमार की शिकायत पर मुकदमा दर्ज, एलजी और लॉयड कंपनी के एसी आउटडोर यूनिट व कम्प्रेसर बरामद, आरोपी अली अहमद गिरफ्तार, कोतवाली सदर पुलिस की कार्रवाई, बीएनएस की तीन धाराएं बढ़ाई गईं।

चकबंदी कार्यालय में रिश्वतखोरी का वीडियो वायरल, किसानों से खुलेआम वसूली

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- देवगांव के किसानों ने लगाए गंभीर आरोप, डीएम से की निष्पक्ष जांच की मांग

सफीपुर (उन्नाव)। तहसील मुख्यालय स्थित चकबंदी कार्यालय में रिश्वतखोरी का गंभीर मामला सामने आया है। एक कर्मचारी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है, जिसमें वह किसान से खुलेआम रिश्वत लेते हुए दिखाई दे रहा है। वीडियो सामने आने के बाद ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। हालांकि वायरल वीडियो की पुष्टि अखबार नही करता हैं।बताया जा रहा है कि ग्राम देवगांव के किसानों से सरकारी दस्तावेज जैसे खतौनी, खसरा और 2इ की नकल प्राप्त करने के एवज में 100 से 200 रुपये की अवैध वसूली की जाती है। जबकि शासन स्तर पर यह दस्तावेज निःशुल्क या बहुत मामूली शुल्क पर उपलब्ध कराए जाते हैं। देवगांव निवासी किसान रामकुमार का कहना है कि जब उन्होंने रिश्वत देने से इनकार किया तो उनका आवेदन महीनों तक लंबित रखा गया। ग्रामीणों का आरोप है कि यह पूरा खेल 'ऊपर के आदेश' के नाम पर किया जा रहा है। सहायक चकबंदी अधिकारी की जानकारी में ही यह भ्रष्टाचार वर्षों से चला आ रहा है और वसूली गई रकम का भीतर ही बंटवारा किया जाता है। वीडियो वायरल होने के बाद किसानों ने जिलाधिकारी से मिलकर मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों को उम्मीद है कि प्रशासन इस पर कठोर कदम उठाएगा और भ्रष्ट तंत्र को बेनकाब करेगा।

कृषि और आवास भूमि के आवंटन में अनियमितता मिलने के बाद सरकारी पट्टे निरस्त

मुरादाबाद। मुरादाबाद जनपद के गांव त्रिलोकपुर में कृषि और आवास भूमि के आवंटन में बरती गई अनियमितता के सामने आने के बाद जिला प्रशासन ने पट्टे निरस्त कर दिए हैं। जिलाधिकारी अनुज सिंह ने शुक्रवार को बताया कि प्रकरण में जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। अगस्त 2023 में लेखपाल और राजस्व निरीक्षक की आख्या पर नायब तहसीलदार नगर और तहसीलदार की संस्तुति पर एसडीएम ने सदर तहसील क्षेत्र के गांव त्रिलोकपुर में पांच महिलाओं को करीब 0.576 हेक्टेअर भूमि आवंटित की थी। इसी प्रक्रिया के जरिये दस लोगों को करीब एक हजार वर्ग मीटर भूमि आवास के लिए आवंटित की गई थी। त्रिलोकपुर के ग्रामीणों ने डीएम से 2023 में अवैध ढंग से पट्टे दिए जाने की शिकायत की थी। डीएम ने एडीएम प्रशासन गुलाब चंद के नेतृत्व में तीन सदस्यीय जांच समिति गठित की थी। टीम ने जांच की तो कृषि और आवास भूमि के पट्टे में अनियमितता पाई गई। पात्र व अपात्रता के चयन का कोई आधार स्पष्ट नहीं पाए गए। टीम को मौके पर आवंटियों के आवास मिले।

उन्नाव तप रहा है, गर्मी ने तोड़े सारे रिकॉर्ड

- पारा 42 डिग्री के पार, सड़कों से नदारद हुई रौनक, लोग घरों में कैद

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। जून की तपिश ने जनपद उन्नाव को झुलसाकर रख दिया है। आसमान से बरसती आग और धरती से उठती लपटों के बीच जिले के लाखों लोग बेहाल हैं। पिछले कुछ दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी ने लोगों का जनजीवन पूरी तरह प्रभावित कर दिया है। तापमान लगातार 45 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ है, जिससे न केवल दफ्तरों और बाजारों की रफ्तार धीमी हो गई है, बल्कि लोग जरूरी काम भी टालने लगे हैं। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, हर कोई इस झुलसाने वाली गर्मी से परेशान है।

गर्मी का असर सिर्फ शारीरिक ही नहीं, सामाजिक और आर्थिक गतिविधियों पर भी दिखने लगा है। स्कूलों में छुट्टियां घोषित हो चुकी हैं, खेतों में काम रुक गया है और निर्माण कार्य भी धीमे पड़ गए हैं। जिले की फिजा में घुली गर्म हवाओं ने जैसे जनजीवन को थाम दिया हो। विशेषज्ञों के मुताबिक, अगर समय रहते बारिश नहीं हुई तो हालात और खराब हो सकते हैं। शहर के शुक्लागंज, गंगाघाट, सफीपुर, बांगरमऊ और बीघापुर जैसे व्यस्त क्षेत्रों में दोपहर के समय सन्नाटा छाया रहता है। आमतौर पर रौनक से भरी रहने वाली सड़कें वीरान नजर आ रही हैं। दुकानें समय से पहले बंद हो रही हैं और व्यापारी भी ग्राहक न आने से परेशान हैं। जिले में लोड बढ़ने से बिजली कटौती लगातार हो रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में दिनभर में मुश्किल से 8-10 घंटे ही बिजली मिल रही है। इससे कूलर, पंखा और इन्वर्टर तक जवाब देने लगे हैं। लोग छतों पर रात बिताने को मजबूर हो रहे हैं।

स्वास्थ्य विभाग की चेतावनी और तैयारी- मुख्य चिकित्साधिकारी ने बताया कि जिला अस्पताल सहित सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में ओआरएस, ग्लूकोज और ठंडे पानी की विशेष व्यवस्था की गई है। हीट स्ट्रोक से बचाव के लिए लोगों को दिन में बाहर न निकलने, ढीले व सूती कपड़े पहनने, बार-बार पानी पीने और खाली पेट धूप में न निकलने की सलाह दी गई है।

मौसम विभाग का अनुमान 5 दिन और झुलसाएगी लू

मौसम विभाग लखनऊ के अनुसार, अगले 4-5 दिनों तक गर्मी से राहत के आसार नहीं हैं। 17 जून के बाद हल्की प्री-मानसूनी बारिश की संभावना जताई गई है। फिलहाल अधिकतम तापमान 44 से 46 डिग्री के बीच बना रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

किराना कारोबारी ने तमंचे से गोली मारकर की आत्महत्या

प्रयागराज। खुल्दाबाद थाना क्षेत्र के गाड़ीवान टोला मोहल्ला में शुक्रवार को एक किराना दुकानदार ने घर की छत पर तमंचे से गोली मारकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर सक्रिय पुलिस ने शव कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि परिवार के लोगों ने सूचना दिया कि किराना कारोबारी का शव छत पर लहूलुहान पाया गया है। उसके पास एक अवैध तमंचा भी बरामद हुआ है। पुलिस उपायुक्त नगर अभिषेक भारतीय ने बताया कि खुल्दाबाद पुलिस को सूचना मिली कि गाड़ीवान टोला निवासी राज किरन शुक्ला 45 वर्ष पुत्र शिव करण शुक्ला किराना की दुकान के सहारे परिवार का भरण–पोषण करता था। गुरुवार की रात वह दुकान बंद करके घर पर पहुंचा और रात लगभग बारह बजे छत पर सोने चला गया। इसकी पत्नी स्वाती शुक्ला अपने मायके कानपुर गई हुई है। परिवार के लोग घर की छत पर पहुंचे तो वह खून से लथपथ पड़ा था और पास में ही एक अवैध तमंचा भी था। इस सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। उसने आत्महत्या क्यों की, इस राज से पर्दा अभी नहीं उठ पाया है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। इस संबंध में सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है।

चकबंदी कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं: सीआरओ

गोरखपुर। भिन्न-भिन्न स्थानों पर एक व्यक्ति के खेतों को एक स्थान पर एकत्रित करने के लिए कराए जा रहे जनपद के 59 गांवों में चकबंदी का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है। चकबंदी कार्यों में तेजी लाने और समय पर पूरा करने के लिए जिलाधिकारी कार्यालय में मुख्य राजस्व अधिकारी हिमांशु वर्मा की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक की गई। मुख्य राजस्व अधिकारी वर्मा ने चकबंदी कार्यों में तेजी लाने और समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। सीआरओ ने एसओसी सहित चकबंदी विभाग के अन्य अधिकारियों को स्पष्ट किया कि चकबंदी में किसी तरह की अनियमितता स्वीकार नहीं की जाएगी। नक्शा बनाते समय सभी किसानों के हितों का ध्यान रखा जाए। चकबंदी निदेशालय के निर्देशों का पूरी तरह पालन करने को कहा। जिन 59 गांवों में चकबंदी कार्य चल रहे हैं, वहां प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए। चकबंदी न्यायालय में लम्बित वादों को समय पर निपटाया जाए। पुराने वादों को प्राथमिकता से निपटाने के निर्देश दिए गए। जहां कार्य की प्रगति धीमी है, वहां अतिरिक्त टीमें लगाकर तेजी लाई जाए। खतौनी सत्यापन के कार्य भी समयबद्ध तरीके से पूरे किए जाएं। नए गांवों में चकबंदी प्रक्रिया शुरू करने के लिए नियमों का पालन करते हुए तेजी से काम शुरू किया जाए। बैठक में एसीएम राजू कुमार, एसीएम केशरी नंदन तिवारी, बंदोबस्त अधिकारी, चकबंदी और अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

अब नज़र से ओझल नहीं होंगे बाबा साहब: सीसीटीवी की निगरानी में मूर्ति की सुरक्षा

मीरजापुर। हलिया विकास खंड के पूरवा अवसान सिंह गांव में स्थापित बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की नई मूर्ति अब पूरी तरह से सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में रहेगी। हाल ही में यहां सम्राट अशोक वेलफ़ेयर सोसाइटी के प्रांगण में मूर्ति की स्थापना की गई थी। इससे पहले पूर्व में लगी मूर्ति को कुछ अराजक तत्वों द्वारा क्षतिग्रस्त कर दिया गया था, जिससे गांव में तनाव का माहौल बन गया था। इस घटना के मद्देनज़र खंड विकास अधिकारी ने सुरक्षा की दृष्टि से सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश दिए थे। ग्राम सचिव संदीप कुमार ने निर्देशों का पालन करते हुए शुक्रवार को कैमरे की व्यवस्था पूरी कर दी। अब यहां स्थित बौद्ध मूर्ति व बाबा साहब की प्रतिमा हर समय निगरानी में रहेंगी। स्थानीय निवासियों ने कहा कि बाबा साहब की प्रतिमा हमारी आस्था और आत्मसम्मान का प्रतीक है। अब कैमरे की निगरानी से हमें राहत महसूस हो रही है।

जालौन के 16 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों को मिला एनक्यूएएस सर्टिफिकेशन

जालौन। जनपद जालौन स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता की दिशा में लगातार प्रगति कर रहा है। मंडलायुक्त विमल कुमार दुबे के निर्देशानुसार, जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय के मार्गदर्शन और मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एन. डी. शर्मा के नेतृत्व में मई माह में जनपद के सात आयुष्मान आरोग्य मंदिरों को नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड (गडइट्ट) का सर्टिफिकेशन प्राप्त हुआ है। एक अन्य केंद्र का परिणाम अभी लंबित है। अब तक जनपद के कुल 16 आयुष्मान आरोग्य मंदिर गडइट्ट सर्टिफाइड हो चुके हैं। इस उपलब्धि में मुख्य विकास अधिकारी और जिला पंचायत राज अधिकारी का विशेष सहयोग रहा। भारत सरकार ने दिसंबर 2025 तक 50 प्रतिशत और दिसंबर 2026 तक शत-प्रतिशत चिकित्सा इकाइयों को गडइट्ट सर्टिफाइड करने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

बिहार की चरस यूपी में तस्करी करने वाले नेपाली समेत तीन गिरफ्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कानपुर। रेलबाजार पुलिस ने सर्विलांस सेल और स्वॉट टीम की मदद से लोको रेलवे कॉलोनी रोड के पास चेकिंग के दौरान तीन चरस तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों के पास से छह किलो चरस, एक हजार रुपये नगद और एक मोटरसाइकिल बरामद हुई है। ये लोग बिहार से चरस लाकर नेपाल और उत्तर प्रदेश के अलग-अलग जिलों में तस्करी करते हैं। एसीपी कैंट आकांक्षा पांडेय ने शुक्रवार को प्रेस वार्ता में बताया कि पुलिस को सूचना मिली कि नशीला पदार्थों की तस्करी करने वाले तीन शातिर तस्कर बाइक से रेलबाजार की ओर जा रहे हैं। इस पर टीम ने घेराबंदी करके बाइक सवार तीन तस्करों को दबोच लिया। उनके पास से मिले बैग की तलाशी में छह किलो चरस बरामद हुई।

पूछताछ के दौरान चरस तस्करी की बात स्वीकारते हुए एक अपराधी ने बताया कि उसका नाम राम बालक शाह है, जो मूलरूप से बिहार के मोतीहारी का रहने वाला है। उसके साथियों में नेपाल के पोखरिया का रहने वाला राम विनय और कानपुर के चौबेपुर थाना क्षेत्र के चंदिका निवासी हरि ओम है। बिहार से चरस लाकर नेपाल और फिर उत्तर प्रदेश के जिले कानपुर, फतेहपुर, उन्नाव और प्रयागराज समेत अन्य जिलों में तस्करी करते थे। एसीपी ने बताया कि पूछताछ के दौरान पुलिस को जो इनसे इनपुट मिला है, इससे यह प्रतीत हो रहा है कि तस्करी का बड़ा गिरोह सक्रिय है जो नेपाल, बिहार और यूपी में तस्करी कर रहा है। तस्करों के मोबाइल को कब्जे में ले लिया गया है। उनसे पूछताछ कर उनके फोन नंबर की डिटेल निकलवाकर पता पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि गिरोह में उनके साथ और कौन-कौन जुड़ा है। जल्द ही पुलिस नेपाल और यूपी के अन्य शहरों में जाकर तस्करी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करेगी।

हत्या की साजिश, नदी में ठिकाने से पहले खेत में फेंका गया शव

मीरजापुर। चुनार क्षेत्र में एक अज्ञात युवक की हत्या ने क्षेत्र में सनसनी फैला दी है। युवक का शव हाथ-पांव बंधा हुआ खेत में पड़ा मिला, जिसे जलाने के भी प्रयास किए गए थे। पुलिस को शक है कि हत्या के बाद शव को नदी में फेंकने की योजना थी, लेकिन किसी की आहट से डरकर आरोपियों ने उसे खेत में ही छोड़ दिया। चुनार कोतवाली क्षेत्र के रसूलपुर गांव के पास नरायनपुर-इमिलियाचट्टी मार्ग पर कलकलिया नदी के किनारे एक खेत में गुरुवार को मिले अज्ञात युवक के शव की पहचान शुक्रवार को भी नहीं हो सकी। युवक के हाथ-पांव बंधे थे और शरीर पर गर्म वस्तु से जलाने के गंभीर निशान थे, जिससे साफ है कि उसे बेरहमी से यातनाएं दी गईं।पुलिस को आशंका है कि युवक की हत्या के बाद शव को नदी में ठिकाने लगाने की योजना थी, लेकिन किसी की आहट से डरकर अपराधी शव को खेत में ही छोड़कर फरार हो गए। कोतवाल रवींद्र भूषण मौर्य ने बताया कि मृतक की पहचान के लिए सोशल मीडिया पर तस्वीरें साझा की गई हैं।

पटिहटा माइनर की लाइनिंग व नहर खुदाई पर बनी सहमती

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मीरजापुर। भारतीय किसान यूनियन की पहल पर पटिहटा माइनर की जर्जर लाइनिंग और पट चुकी नहर की स्थिति को लेकर शुक्रवार को सिंचाई विभाग की टीम ने मौके पर निरीक्षण किया। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन द्वारा गठित जांच टीम ने मौके का जायजा लेने के बाद टूटी हुई लाइनिंग के पुनः निर्माण और 800 मीटर नहर खुदाई को लेकर सहमति जताई है।

किसान यूनियन के प्रदेश उपाध्यक्ष सिद्धनाथ सिंह ने हाल ही में किसान दिवस के अवसर पर डीएम को शिकायत सौंपते हुए बताया था कि ममनिया से एकली गांव तक पटिहटा माइनर में हो रहे सीपेज से रवि की फसलें बर्बाद हो रही हैं। साथ ही अहिरुपुर से सोनपुर प्राथमिक विद्यालय तक पट चुकी नहर की खुदाई की भी मांग की थी।

जांच टीम में सिंचाई खंड चुनार के अधिशासी अभियंता हरिशंकर प्रसाद, खंड विकास अधिकारी राजगढ़, एसडीओ ऋतुराज पांडेय और जूनियर इंजीनियर ओमप्रकाश राय शामिल रहे। निरीक्षण के बाद एसडीओ ऋतुराज पांडेय ने बताया कि जहां लाइनिंग में लीक है, वहां मरम्मत कराई जाएगी, जबकि नहर खुदाई पर अंतिम निर्णय उच्चाधिकारियों द्वारा लिया जाएगा। निरीक्षण के दौरान किसान नेता सिद्धनाथ सिंह और ब्लॉक प्रमुख गजेंद्र प्रताप सिंह भी मौजूद रहे। किसानों ने प्रशासन की इस त्वरित पहल का स्वागत करते हुए शीघ्र कार्य शुरू करने की मांग की है।

सास और पत्नी से पिटने के बाद दिव्यांग फांसी के फंदे पर लटका

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- मृतक के भाई ने ससुराल वालों के खिलाफ हत्या के लगाए आरोप

हमीरपुर। मौदहा कोतवाली क्षेत्र के गांव अरतरा में एक दिव्यांग का शव फांसी पर लटका मिला है। शुक्रवार को मृतक के परिजनों ने इसकी हत्या कर फांसी में लटकाने का आरोप इसके ससुरालीजनों पर लगाया है।

अरतरा निवासी 35 वर्षीय दिनेश सोनकर का शव उनके घर में फांसी के फंदे से लटका मिला है। मृतक के परिजनों ने बताया है कि मृतक दिनेश की ससुराल घाटमपुर है। उसका अपनी पत्नी कपूरी से विवाद चल रहा था। जिसके चलते पत्नी ने अपनी मां माया एवं भाई मोनू को मायके से बुलाया था। दिनेश और उसकी पत्नी के बीच फिर विवाद हुआ था। दिनेश के भाई निर्मल का आरोप है कि विवाद के बाद पत्नी, सास और साले ने मिलकर दिनेश की पिटाई की थी। वहीं मृतक के चाचा रामसेवक ने बताया कि दिनेश की शादी 2020 में हुई थी। उनके दो बच्चे एक बेटा और एक बेटी है। दिनेश पैर से विकलांग था। उसका शव जिस ऊंचाई पर मिला है वहां तक दिनेश नहीं चढ़ सकता था। घटना के दिन उसके ससुरालीजनों ने उसे और उसकी मां को मारा-पीटा था। इस मारपीट की शिकायत करने के लिए दिनेश की मां मौदहा कोतवाली गई थी। सीओ का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। सीओ विनीता पहल ने शुक्रवार को बताया कि शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। परिजनों के आरोपों की जांच कराई जा रही है। पोस्टमार्टम की रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

महापौर ने वर्षा ऋतु के मद्देनजर समीक्षा बैठक कर दिये निर्देश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज। महापौर गणेश केसरवानी ने शुक्रवार को आगामी वर्षा ऋतु के दृष्टिगत शहर में स्थित नाला नाली एवं सीवर की सफाई व्यवस्था की समीक्षा बैठक कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया।

बैठक में नगर आयुक्त ने अवगत कराया कि जनकार्य विभाग द्वारा 1 मीटर से अधिक गहरे 125 नाले की सफाई का कार्य एक बार पूर्ण कराया जा चुका है। नगर स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि नालों की सफाई का कार्य प्रगति पर है परन्तु सभी नालों पर मैन पावर कम होने के कारण सफाई का कार्य अपेक्षाकृत नहीं हो पा रहा है।

महापौर ने निर्देश दिये कि सभी जोनों में उपलब्ध मैनपावर देखते हुये 20-20 आदमी और बढ़ा दिये जायें तथा युद्धस्तर पर कार्य करते हुये नाले की सफाई का कार्य करा दिया जाय। निविदा द्वारा जो नाले सफाई कराये जा रहे है उनका निरीक्षण किया जाय और नाला साफ न होने पर निविदा दाता के बिल से 25 प्रतिशत की कटौती कर ली जाय। इसमें किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाय।

समस्त जोनों में वर्षा ऋतु के पूर्व सभी नालों नालियों, मेन लाइनों तथा गलियों में स्थिति सीवर लाइनों में मेन होलिंग का कार्य, पानी लिकेज ठीक करने का कार्य तथा टूटे सीवर के ढक्कनों को बदलने, सड़क पर स्थित गड्ढों को भरने का कार्य युद्धस्तर पर किया जाना सुनिश्चित किया जाय, ताकि वर्षा अधिक होने पर जल प्लावन की स्थिति न उत्पन्न हो तथा सभी शहर वासियों को किसी प्रकार की असुविधा का समाना न करना पड़े।

शहर में जो भी सीवर लाइन गंगा प्रदूषण ईकाइ द्वारा डाली गयी है उसकी सफाई के लिये भी महाप्रबन्धक जलकल को निर्देश दिया कि विभाग से समन्वय स्थापित कर वर्षा ऋतु के पूर्व सभी सीवर की सफाई करा दी जाय। इसमें किसी प्रकार की लापवाही न की जाय। बैठक में मेडिकल चौराहा, सीएमपी, कुलभाष्कर आश्रम कालेज, हण्डिया बाबा नाला दारागंज, भैसा पाण्डेय का नाला तथा रामबाग में होने वाले जल भराव को दृष्टिगत रखते हुये उसके वर्षा ऋतु से पूर्व निदान किये जाने के निर्देश दिये। सभी जोनल अधिकारियों को निर्देश दिये कि जो भी नाले खुले हैं वर्षा होने पर दुर्घटना की संभावना है, पर बैराकेटिंग की व्यवस्था सुनिश्चित की जाय। जिन रोडों पर डिवाइडर बने हैं और वर्षा होने पर जल भराव होता है उन स्थानों पर स्थित डिवाइडरों पर बीच-बीच में होल कर प्लास्टिक के पाइप डाल दिये जाय तथा जहॉ जाली लगाना आवश्यक हो वहॉ निरीक्षण कराकर व्यवस्था किया जाना सुनिश्चित किया जाय। बैठक में नगर आयुक्त, अपर नगर आयुक्त, मुख्य अभियन्ता, नगर स्वास्थ्य अधिकारी, महाप्रबन्धक जलकल व सभी जोनल अधिकारी उपस्थित रहे।

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना (ई–निविदा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु सिंगल पैकेट पद्धति से ई– निविदा प्रणाली द्वारा जिसकी अंतिम निविदा तिथि दिनांक 11.07.2025 को 15.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। [illegible]

1.	निविदा सूचना संख्या	06602025 दिनांक:- 13.06.2025	
2.	कार्य का नाम	[illegible]	
3.	अनुमानित लागत	Rs. 30,05,263.36	
4.	धरोहर राशि	1,00,100.00	
5.	कार्य की समापन अवधि	क्रम सं. 01 के लिए	स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से आठ (08) माह।
6.	निविदा खुलने का प्रारंभ	क्रम सं. 01 के लिए	27.06.2025
7.	निविदा बंद होने की तिथि एवं समय	क्रम सं. 01 के लिए	11.07.2025 15:00 बजे
8.	वेबसाइट	www.ireps.gov.in	

नोट: [illegible]

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 178025

सफाईकर्मियों की मॉनिटरिंग टेक्नोलॉजी के साथ-साथ मौके पर भी की जाए : बृजेश कुमार सिंह

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- विधान परिषद समिति के सभापति बृजेश कुमार सिंह 'प्रिन्सू' की अध्यक्षता में खीरी और सीतापुर जनपद की समीक्षा बैठक आयोजित

लखीमपुर खीरी। उप्र विधान परिषद की विकास प्राधिकरण, आवास विकास परिषद, जिला पंचायतों, नगर निगमों में अनियमितताओं पर अंकुश लगाने, जाँच किये जाने सम्बन्धी समिति के मा. सभापति बृजेश कुमार सिंह प्रिन्सू की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट स्थित अटल सभागार में लखीमपुर खीरी एवं सीतापुर जनपदों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित हुई। इस अवसर पर मुख्य रूप से समिति के सदस्य समिति सदस्य रवि शंकर सिंह 'पप्पू भैया', डॉ जयपाल सिंह व्यस्त, विशेष आमंत्रित सदस्य अनूप कुमार गुप्ता, शशांक यादव भी उपस्थित रहे। बैठक की शुरुआत में दोनों जिलों के अफसरो से उनका परिचय और कार्य दायित्व जाना। बैठक में समिति द्वारा संबंधित विभागों की कार्यप्रणाली, विकास योजनाओं की प्रगति और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के विषय में विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान जिला पंचायत से संबंधित विभिन्न बिंदुओं की विस्तार से समीक्षा की गई। मा. सभापति ने राजस्व संग्रह बढ़ाने हेतु स्पष्ट कार्ययोजना की जानकारी ली तथा निर्देशित किया कि ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सालयों व मैरिज लॉन्स को चिह्नित कर उनसे राजस्व संग्रह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने बजट एवं पंचम वित्त आयोग से प्राप्त धनराशि के सापेक्ष व्यय की प्रगति, संसाधनों के विकास की कार्य योजना तथा भूमि की उपलब्धता की जानकारी भी प्राप्त की। इसके साथ ही, जिला पंचायत द्वारा संचालित विद्यालयों में नामांकित छात्रों की संख्या एवं उपलब्ध शिक्षकों की स्थिति भी जानी।

नगर निकायों की समीक्षा के दौरान मा. सभापति ने साफ-सफाई व्यवस्था पर विशेष जोर देते हुए निर्देश दिए कि सफाईकर्मियों की मॉनिटरिंग टेक्नोलॉजी के साथ-साथ मौके पर भी की जाए। बरसात से पहले नालों की सफाई की प्रगति, फॉगिंग मशीनों की उपलब्धता व उनकी क्रियाशीलता की जानकारी ली गई। इसके साथ ही, नगर निकायों की राजस्व सृजन से जुड़ी कार्य योजनाओं की भी समीक्षा की गई। आवास विकास परिषद से संबंधित योजनाओं तथा उनके विस्तार की प्रगति पर भी विचार-विमर्श हुआ। बैठक के समापन पर सीडीओ अभिषेक कुमार ने समिति के सभापति, सदस्यों और आमंत्रित सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए आश्वस्त किया कि समिति द्वारा दिए गए सभी सुझावों, मार्गदर्शन और दिशा-निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा। बैठक में खीरी से एसपी संकल्प शर्मा, सीडीओ अभिषेक कुमार, एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह, अपर मुख्य अधिकारी जागन सिंह, सभी नगर पंचायत के ईओ और सीतापुर से सीडीओ निधि बंसल, एडीएम नीतीश कुमार सिंह, एएसपी दुर्गेश प्रताप सिंह, अपर मुख्य अधिकारी अभिषेक कुमार सिंह एवं सभी अधिशासी अधिकारी नगरीय निकाय और समिति की निजी सचिव धर्मेंद्र सिंह, समिति अधिकारी अनुसचिव धर्मेंद्र कुमार मिश्रा, सहायक समिति अधिकारी अभिषेक पांडेय, वृत्तलेखक अर्चित बाजपेई, एपीएस अजय चौहान मौजूद रहे।

नेपाल बॉर्डर पर बसा चौगुर्जी गांव बदलेगा अपनी पहचान

- सोलर लाइट से जगमगाया, अब हर घर तक पहुंचेगा पेयजल
- डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल की पहल
- विधायक शशांक वर्मा की निधि से बदली तस्वीर
- 20 सोलर लाइटें लगीं, बोरिंग शुरू, जल्द ही मिलेगा नल से जल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। नेपाल सीमा से सटे निघासन तहसील के सुदूरवर्ती गांव चौगुर्जी, जिसे अब तक 'कटे हुए' गांव के रूप में जाना जाता था, अब विकास की नई कहानी लिख रहा है। मोहाना नदी की वजह से अलग-थलग पड़ा यह गांव अब ना तो अंधेरे में रहेगा और ना ही प्यासा। बीते दिनों डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल और विधायक शशांक वर्मा मोटरबोट से गांव में पहुंचे। उन्होंने केवल समस्याएं नहीं सुनीं, बल्कि उनके समाधान की शुरुआत भी की। उसी का नतीजा है कि गांव की गलियों में अब 20 सोलर स्ट्रीट लाइट्स की रौशनी अंधेरे को चीरती दिख रही है। पेयजल संकट को भी गंभीरता से लेते हुए प्रशासन ने गांव में बोरिंग कार्य शुरू करा दिया है। जल्द ही हर घर में नल के माध्यम से शुद्ध पेयजल पहुंचाया जाएगा। बीते दिनों मोटर वोट पर सवार होकर ग्राम चौपाल में पहुंची डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल और विधायक शशांक वर्मा ने ग्रामीणों की बातों को सिर्फ सुना नहीं, बल्कि उन्हें योजनाओं में बदलकर धरातल पर उतारने की ठान ली। इस प्रतिबद्धता का पहला असर गांव की गलियों में दिखा, जहां अब 20 सोलर स्ट्रीट लाइट्स की रौशनी अंधेरे को पराजित कर रही है। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल की पहल पर विधायक शशांक वर्मा ने व्यक्तिगत रुचि लेकर अपनी विधायक निधि से इन लाइटों की स्थापना सुनिश्चित कराई। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं का असली असर तब दिखता है जब अफसर और जनप्रतिनिधि एकजुट होकर जमीन पर उतरें। चौगुर्जी इसका उदाहरण है।

मैलानी नगर को स्वच्छ व स्वस्थ बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास किया : कीर्ति महेश्वरी

- चुनाव के समय जो वादा जनता से किया था, उसको पूरा करने का हर संभव प्रयास : कीर्ति महेश्वरी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मैलानी खीरी। स्वच्छ भारत अभियान के चलते मैलानी नगर पंचायत अध्यक्षा कीर्ति माहेश्वरी सदैव तत्पर हैं,इसलिए उन्होंने मैलानी नगर को स्वच्छ बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहे हैं ,जिससे शुद्ध पेय जल की समस्या दूर होगी,जो कार्य लगभग 40 साल से नहीं हुए थे,वो आज कीर्ति माहेश्वरी के कार्यकाल में पूरे होते नज़र आ रहे हैं।जैसे वंदन योजना की तहत काली मंदिर का सौंदर्यकरण,राहगीरों की समस्याओं को देखते हुए मैलानी चांदपुर रोड पर शौचालय का निर्माण और सड़कों का निर्माण आदि।मैलानी नगर पंचायत अध्यक्षा कीर्ति माहेश्वरी के पति और समाज सेवी भवानी शंकर माहेश्वरी ने बताया है कि हम सब मैलानी नगर की हर समस्या को दूर करने का हर संभव प्रयास कर रहे हैं,जिससे मैलानी की जनता को कोई परेशानी न हो।

हैं और शुक्रवार को भी पावर हाउस से लेकर चमन चौराहा तक नाले की सफाई,वाटर कूलर की सफाई कराई गई।चुनाव के समय जो वादा जनता से किया था, उसको पूरा करने का हर संभव प्रयास किया जा रहा है वार्ड नं 06 और 09 में भी नाले की सफाई कराई गई ,जिससे जल भराव की समस्या न हो। इस जल भराव की समस्या को लेकर पिछले 10 साल से जनता परेशान थी,जो आज पूरी होती दिखाई दी। इसी के साथ पांच नए पम्प लगवाए गए और 09 वाटर कूलर लगने

बाघ के हमले से ग्रामीणों में दहशत, बाघ ने बनाया बछड़े को अपना निवाला

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कुकरा खीरी। ग्राम पंचायत हजरतपुर के मजरा लौकिहा मे सुनीता देवी पत्नी रामचंद्र के घर पर लगभग रात्रि 12.बजे बाघ ने अचानक घर में घुसकर बछड़े पर हमला कर मौत के घाट उतार दिया। जिसमें बाघ ने बछड़े पर जब हमला किया बछड़े की चीख पुकार से परिवार के लोग जागे,बाघ को देखकर परिवार वालों ने भाग कर अपनी अपनी जान बचाई। इस हमले में बाघ घर पर बंधे बछड़े को अपने मजबूत मुह में दबाकर खीच ले गया। लौकिहा के रहने वाले सुदेश ने बताया कि पहले भी बाघ के द्वारा इस प्रकार की कई घटना हो चुकी हैं, जिसमें वन विभाग के कोई भी आला अधिकारी संज्ञान नहीं लेना मुनासिब समझते हैं। घटनास्थल पर पहुंचे फॉरेस्टर अफजाल खान,बालेसटर यादव,वाचर छोटे,राकेश सहित आदि वन टीम ने मौका मोएना किया।कसबा वासियों को सतर्क रहने की हिदायत दी। बाघ के हमले से क्षेत्र में बना है दहशत का माहौल।

एयर इंडिया विमान दुर्घटना पर कायस्थ समाज की श्रद्धांजलि सभा, संवेदनाओं का सैलाब

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। अहमदाबाद से लंदन जा रही एयर इंडिया की उड़ान Boeing 787-8 ड्रीमलाइनर के दुःखद हादसे में 241 यात्रियों की असामयिक मृत्यु ने समूचे राष्ट्र को शोक सागर में डुबो दिया है। यह त्रासदी केवल एक विमान दुर्घटना नहीं, बल्कि असंख्य परिवारों के सपनों, विश्वासों और जीवन की उड़ान का आकस्मिक अंत बन गई। देशभर में शोक की लहर फैल गई है, और इसी क्रम में लखीमपुर में कायस्थ समाज ने गहन श्रद्धा एवं संवेदना के साथ अपने भाव अर्पित किए।

दैनिक जनजागरण न्यूज के बैनर तले आयोजित इस शोकसभा की अध्यक्षता प्रतिष्ठित समाजसेवी राजीव रत्न खरे ने की। सभा के माध्यम से न केवल दिवंगत आत्माओं के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की गई, अपितु उनके परिजनों के प्रति गहरी सहानुभूति भी प्रकट की गई। इस अवसर पर श्री चित्रगुप्त कायस्थ सभा के अध्यक्ष डॉ. ओ. पी. श्रीवास्तव, संरक्षक शशिकांत श्रीवास्तव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मुकेश सक्सेना, संस्कृति प्रकोष्ठ प्रभारी एवं सचिव कवि कुलदीप समर, अखिल भारतीय कायस्थ महासभा युवा संभाग के संरक्षक शौर्य सक्सेना, युवा जिलाध्यक्ष सुधाकर लाला, तथा नगर अध्यक्ष अंशुमान श्रीवास्तव ने भावभीने शब्दों में अपनी शोक संवेदनाएँ व्यक्त कीं। सभा का संयोजन जनजागरण संस्थापक अनिल कुमार श्रीवास्तव द्वारा किया गया। उपस्थित सभी लोगों हृदयस्पर्शी शब्दों में मृतात्माओं की शांति हेतु प्रार्थना करते हुए इस शोक सभा को श्रद्धांजलि स्वरूप समर्पित किया। यह शोकसभा न केवल मृतकों के लिए एक मौन श्रद्धांजलि थी, बल्कि मानवीय एकता, संवेदना और सामूहिक करूणा की जीवंत अभिव्यक्ति भी। दिवंगत आत्माओं की शांति हेतु दो मिनट का मौन रखते हुए समस्त उपस्थितजनों ने यह संकल्प लिया कि मानवीय मूल्यों के संरक्षण हेतु समाज सदैव एकजुट रहेगा।

जीजा, साली की शादी गांव में बनी चर्चा का विषय

निघासन खीरी। मझगईं थाना क्षेत्र के एक गांव में जीजा-साली की शादी ने सनसनी फैला दी थी। युवती द्वारा अपने जीजा से शादी की जिद करने पर उसके भाई ने आत्महत्या कर ली। भाई की मौत के बाद नाराज़ ग्रामीणों ने शादी तो कराई, लेकिन विदाई के समय जीजा-साली को जूते की माला पहनाकर गांव से विदा किया। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है। हालांकि, इस संबंध में अब तक कोई औपचारिक तहरीर नहीं दी गई है। थानाध्यक्ष राजू राव के अनुसार, युवतियों के पिता ने किसी भी प्रकार की कार्रवाई न करने का प्रार्थना पत्र सौंपा है। बताया जा रहा है कि युवती की शादी तय हो चुकी थी, लेकिन ऐन मौके पर उसने अपने बहनोई से शादी करने की जिद ठान ली। परिजनों के विरोध के बावजूद जब मामला नहीं थमा तो युवती के भाई ने आत्महत्या कर ली। भाई की मौत के बाद गांव में जबरदस्त नाराजगी फैल गई। स्थिति को संभालते हुए गांव वालों ने जीजा-साली की शादी करा दी।

गोला ब्लॉक के ग्राम पंचायत अधिकारियों एवं सहायकों को दिया गया योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी खीरी के निर्देशन में एवं जिला प्रोग्राम अधिकारी खीरी आयुष के संयोजन में गोला ब्लॉक सभागार में नोडल अधिकारी डॉक्टर आराधना सिंह एवं खंड विकास अधिकारी ऋषिकांत अहिरवार की देखरेख में जिले खीरी के मास्टर योग ट्रेनर योग प्रशिक्षक शशि कान्त दीक्षित अंशकालिक योग प्रशिक्षक प्रदीप कुमार ने ग्राम पंचायत सचिव एवं ग्राम पंचायत सहायकों को एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य की थीम के साथ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस सप्ताह के कार्यक्रमों के लिए योग प्रोटोकॉल अभ्यास का प्रशिक्षण प्रदान करते हुए व्यक्तिगत स्वास्थ्य के लिए योग की एवं पृथ्वी के स्वास्थ्य के लिए पर्यावरण की सुरक्षा की अत्यधिक आवश्यकता है।

इस संदेश के साथ सभी ग्राम सभाओं तक जन को योग से जोड़ने ग्राम पंचायत अधिकारियों एवं ग्राम पंचायत सहायकों को प्रशिक्षित किया। इस कार्यक्रम में ग्राम पंचायत अधिकारी सर्वेश कुमार वर्मा, ललित वर्मा , अंकित श्रीवास्तव ,राजीव श्रीवास्तव अनुज वर्मा ,प्रियम शुक्ला इत्यादि ने उपस्थित होकर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के प्रोटोकॉल प्रशिक्षण के कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना योगदान दिया।

भीरा नगर पंचायत अध्यक्षा चारु शुक्ला ने हिटवेव से बचाव के लिए कूलिंग प्वाइंट बनाया

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

भीरा खीरी। भीरा नगर पंचायत की अध्यक्षा चारु शुक्ला ने अत्यधिक गर्मी पड़ने की वजह से बन बिट हॉस्पिटल के पास हिटवेव से बचाव के लिए कूलिंग प्वाइंट बनाया है अस्पताल में आने वाले मरीजों के साथ और आने-जाने वाले राहगीरों के स्वस्थ को ध्यान में रखते हुए आराम से बैठ कर ठंडा एवं स्वच्छ जल की ब्यवस्था है हिटवेव अत्यधिक गर्मी के संपर्क में आने से गंभीर स्वास्थ्य खतरा पैदा होता है, खासकर उन लोगों के लिए जिन्हें कमज़ोर माना जाता है। गर्मी से होने वाली बीमारियों के संबंध में कमज़ोर लोगों में कम आय वाले लोग, अल्पसंख्यक समूह, महिलाएँ ''विशेष रूप से गर्भवती महिलाएँ,, बच्चे, वृद्ध वयस्क ''65 वर्ष से अधिक उम्र के,, पुरानी बीमारियों, विकलांगताओं और कई दीर्घकालिक स्वास्थ्य स्थितियों वाले लोग शामिल हैं।? जोखिम वाले अन्य लोगों में शहरी वातावरण में रहने वाले लोग ''शहरी गर्मी द्वीप प्रभाव के कारण,, बाहरी कर्मचारी और वे लोग शामिल हैं जो कुछ निश्चित दवाएँ लेते हैं ।

जलवायु परिवर्तन से हीटवेव की आवृत्ति और गंभीरता बढ़ जाती है और इस प्रकार लोगों के लिए गर्मी का तनाव बढ़ जाता है । 2022 के एक वैश्विक अध्ययन में पाया गया कि 2000 और 2019 के बीच गर्मी से संबंधित मौतों में काफी वृद्धि हुई है जिसके कारण भीरा नगर पंचायत अध्यक्षा चारु शुक्ला की कूलिंग प्वाइंट बनाने की बहुत ही अच्छी पहल है। भीरा की जनता ने बहुत-बहुत प्रशंसा की और उनको धन्यबाद किया ।

संक्षिप्त समाचार

भल्लिया बुजुर्ग के वी-पैक्स केंद्र में हैण्डपंप में पानी नही

गोला गोकर्णनाथ खीरी। भल्लिया बुजुर्ग की बहुउद्देश्यीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समिति वी-पैक्स केंद्र में भीषण गर्मी में भी हैंडपंप काफी समय से खराब पड़ा है। जिस कारण भीषण गर्मी व तेज धूप में यूरिया लेने आने वाले किसान प्यास से इधर-उधर छटपटाते देखें जाते हैं। आस-पड़ोस में नल न होने व पीने के पानी का और कोई साधन नहीं है ,किसानों से लाखों रुपए का मुनाफा कमाने वाली समिति अपने ग्राहकों को भीषण गर्मी से बचाने के लिए पीने का पानी तक मोहैया नही करा पा रहा है। भीषण गर्मी में पानी की कोई व्यवस्था न होना किसानों के लिए बेहद चिंताजनक व शर्मिंदगी की बात है।दूर -दराज के दर्जनो गांवों से आने वाले हजारों किसान इस समिति पर उर्वरक लेने आते हैं। कृषि प्रधान देश में किसानों के लिए इससे खराब व्यवस्था नहीं हो सकती जहां पर तेज धूप में पीने के लिए पानी तक का कोई इंतजाम नहीं है। इस सम्बंध में ग्रामप्रधान अक्सावली ने बताया कि सहकारी समिति में लगा हैंडपंप खराब होने की जानकारी प्राप्त हुई है, मिस्त्री को फोन कर सही करने के लिये कह रहे हैं, रिबोर की स्थिति होती है तो इसका प्रस्ताव तत्काल अधिकारियों को भेजकर रिबोर कराया जायेगा।

काव्यसैली मंच ने सर्वेश कुमार शुक्ल को किया सम्मानित

लखीमपुर खीरी। लखनऊ, 11 जून 2025:हिंदी साहित्य की सशक्त आवाज़ बनकर उभरे आ. सर्वेश कुमार शुक्ल को ''काव्यसैली'' साहित्यिक मंच द्वारा ''आज के उत्कृष्ट रचनाकार'' सम्मान से विभूषित किया गया। यह सम्मान उन्हें 11 जून 2025 को प्रदान किया गया, जिसमें उनके भावपूर्ण काव्य ''दोनों को अधिकार बराबर'' ने सबका मन मोह लिया।उनकी रचना में बेटी और बेटे के प्रति समाज की दृष्टिकोण को समानता की भावना के साथ प्रस्तुत किया गया है। उन्होंने अपनी कविता के माध्यम से यह संदेश दिया कि बेटी और बेटा दोनों ही दिल के अंश होते हैं, और दोनों को बराबर अधिकार और प्यार मिलना चाहिए।सम्मान पत्र में प्रकाशित उनकी पंक्तियाँ –''बेटा हो या बेटी प्यारा, दूजा नहीं, हर एक हमारा...'' – पाठकों के हृदय को छू गईं। काव्यसैली की संस्थापिका डॉ. सुनीता शर्मा, एडमिन जे. पी. शर्मा एवं सत्यस्वरा तिवारी ने इस उपलब्धि पर आ. शुक्ल जी को हार्दिक बधाई दी और उनके उज्जवल साहित्यिक भविष्य की कामना की।यह सम्मान केवल एक कवि की उपलब्धि नहीं, अपितु उस संवेदना की भी विजय है जो समाज में समानता और समरसता का दीप जलाती है।

बवियारी में बंदरों का आतंक. 80 बंदरों का झुंड गन्ने की फसल कर रहा बर्बाद

कफारा खीरी। थाना पढ़ुआ क्षेत्र के अन्तर्गत बवियारी गांव के किसान इन दिनों बंदरों के आतंक से परेशान हैं। उमानाथ के अनुसार करीब 80 बंदरों का एक झुंड गन्ने के खेतों में घुसकर फसल को नुक़सान पहुंचा रहा है। बवियारी एवं ग्राम पंचायत बैरिया,बेहनन पुरवा के ग्रामीणों ने कई बार प्रशासन से मदद मांगी है। स्थानीय लोगों ने बताया कि अभी कोई कार्रवाई नहीं की गई है। झुंड रातों दिन घूमते रहते हैं। लोगों पर हमला करने के साथ ही बंदर घरों में रखीं खानें पीने की चीजों को भी अपना निशाना बना रहे हैं। कीमती चीजों को बंदर घरों से उठाकर ले जाते है। बंदरों के आतंक से भयभीत महिलाओं को खाना बनाते समय डंडा लेकर बैठना पड़ता है। बंदरों से बचने के लिए पहरा परिजन देते हैं। बंदरों का डर इतना है। कि छतो पर जाने वाले जीना के दरवाजे तक में ताला लगा दिया गया है। ताकि बच्चे छत पर न जाएं। बंदरों के भय से सेमरा बजार स्कूल आने- जाने वाले छात्र और बाहर खेलने वाले बच्चे घरों से निकलने में कतराने लगे हैं। महिलाओं ने भी घरेलू कार्यों से छतो पर जाना बंद कर दिया है। परेशान ग्रामीण अब खेतों व घरों में पहरेदारी करने को मजबूर हैं। अगर कोई महिला छत पर जाती है तो उसके साथ एक दो लोग और जाते हैं। ताकि सुरक्षा बनीं रहे।

प्रधान और उसके भाई को दबंगई पड़ी महंगी

पत्रकारों से अभद्रता व मारपीट के मामले में राकेश सिंह गिरफ्तार, मुकदमा दर्ज

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोंडा। लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर हमले का दुस्साहस करने वालों के लिए अब कानून का डंडा चल पड़ा है। कर्नलगंज थाना क्षेत्र के मोहम्मदपुर गढ़वार गांव में खबर कवरेज के दौरान पत्रकारों के साथ की गई अभद्रता, मारपीट और जान से मारने की धमकी के मामले में ग्राम प्रधान सुभाष सिंह के भाई राकेश सिंह को पुलिस ने 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के विरुद्ध गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

क्या है पूरा मामला- प्राप्त जानकारी के अनुसार, 12 जून को दोपहर लगभग 2 बजे पत्रकारों को सूचना मिली कि ग्राम सभा मोहम्मदपुर गढ़वार की गौशाला में संरक्षित गायें बीमार हालत में भीषण धूप में तड़प रही हैं। जानकारी मिलते ही पत्रकार अभय प्रताप सिंह अपने साथियों बैजनाथ अवस्थी, रवि कनौजिया और सुधीर पांडेय के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति की वीडियोग्राफी करने लगे। इसी दौरान ग्राम प्रधान सुभाष सिंह के भाई राकेश सिंह वहां पहुंचे और पत्रकार रवि कनौजिया से उनका नाम पूछते ही उन्हें जातिसूचक शब्दों और भद्दी गालियों से अपमानित करना शुरू कर दिया। जब पत्रकार अभय प्रताप सिंह ने इसका विरोध किया, तो राकेश सिंह ने उनके साथ हाथापाई की, मोबाइल फोन छीनकर तोड़ डाला, शर्ट फाड़ दी और उनकी प्रेस आईडी भी छीन ली। घटना यहीं नहीं रुकी। राकेश सिंह ने सभी पत्रकारों को मौके से भाग जाने और जान से मारने की धमकी दी। बाद में राकेश और उनके भाई सुभाष सिंह खुद कोतवाली करनैलगंज पहुंचकर पत्रकारों को सुलह-समझौते के लिए धमकाने लगे और समझौता न करने की स्थिति में फर्जी मुकदमों में फंसाकर जेल भेजने की चेतावनी दी। घटना का पूरा वीडियो पत्रकार बैजनाथ अवस्थी के मोबाइल फोन में रिकॉर्ड हुआ,जो अब इस केस का अहम सबूत माना जा रहा है। इससे प्रशासन और पुलिस को जांच में स्पष्ट दिशा मिल रही है।

पुलिस ने दिखाई तत्परता, राकेश सिंह गिरफ्तार

प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए कोतवाली करनैलगंज पुलिस ने बिना देरी किए पत्रकार अभय प्रताप सिंह की तहरीर पर तत्काल एफआईआर दर्ज की और 24 घंटे के भीतर आरोपी राकेश सिंह को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मामले में अन्य आरोपियों की भूमिका की जांच भी जारी है और शीघ्र ही और गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

पत्रकार संगठनों का रोष, प्रशासन से कार्रवाई की मांग

घटना के बाद पूरे क्षेत्र के पत्रकारों में गहरा आक्रोश है। स्थानीय पत्रकार संगठनों ने इस घटना को लोकतंत्र की नींव पर हमला बताते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पत्रकारों ने चेताया कि यदि मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही हुई तो प्रदेशभर में बड़ा आंदोलन छेड़ा जाएगा। पत्रकारों ने गौशाला में गायों की दुर्दशा की उच्च स्तरीय जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करने और उन्हें तत्काल सुरक्षा मुहैया कराते हुए ग्राम प्रधान सुभाष सिंह को भी गिरफ्तार किये जाने की मांग की है।

भारतीय महिला हॉकी टीम यूरोप में एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के अहम मुकाबलों के लिए तैयार

एजेंसी

लंदन। भारतीय महिला हॉकी टीम एफआईएच प्रो लीग 2024-25 (महिला) के दूसरे और अंतिम चरण के मुकाबलों के लिए तैयार है। यूरोपीय चरण में भारतीय टीम का सामना ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, बेल्जियम और चीन से होगा। फिलहाल 9 अंकों के साथ छठे स्थान पर काबिज भारतीय टीम 14 और 15 जून को लंदन के ली वैली हॉकी एंड टेनिस सेंटर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। इसके बाद टीम 17 और 18 जून को अर्जेंटीना से भिड़ेगी। आगामी मुकाबलों को लेकर टीम की कप्तान सलीमा टेटे ने कहा, ''हमारा लक्ष्य है कि हम इस चरण में अपने से ऊपर रैंकिंग वाली टीमों को हराएं। हमने अपनी तैयारियों के तहत हर मैच की रिकॉर्डिंग की है और प्रदर्शन की समीक्षा की है, ताकि कमियों को सुधारने के साथ-साथ अपनी ताकत को पहचान सकें और उसे बरकरार के खिलाफ होगा। भारतीय पुरुष हॉकी टीम भी 14 और 15 जून को एंटवर्प में ऑस्ट्रेलिया से मुकाबला करेगी। टीम वर्तमान में 15 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर है और शीर्ष तीन में बने रहने के लिए उसे इन मुकाबलों में जीत हासिल करनी होगी। भारतीय पुरुष टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा, ''ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत हमारे लिए बेहद जरूरी है। इससे हमें न केवल जरूरी अंक मिलेंगे, बल्कि टीम को जीत की लय भी मिलेगी। पिछली चार भिड़ंतों में हम बेहद करीबी मुकाबलों में हारे हैं, लेकिन अब हम इस क्रम को तोड़ना चाहते हैं और जीत की राह पर लौटना चाहते हैं। एफआईएच प्रो लीग के इन अहम मुकाबलों में दोनों भारतीय टीमें जीत की उम्मीद के साथ मैदान में उतरेंगी।

मां के बीमार होने के कारण भारत लौटे मुख्य कोच गौतम गंभीर

बेकेनहैम (ब्रिटेन)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर अपने परिवार में आपात स्थिति के कारण शुक्रवार को स्वदेश लौट गये। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने यह जानकारी दी। सूत्र ने कहा कि गंभीर को अपनी मां से मिलने के लिए वापस जाना पड़ा, जिन्हें स्वास्थ्य संबंधी परेशानी के कारण नयी दिल्ली के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शुभमन गिल की अगुआई वाली भारतीय टेस्ट टीम 20 जून से लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला खेलने के लिए अभी ब्रिटेन में है। सूत्र ने कहा, ''हां। वह पारिवारिक आपातस्थिति के कारण भारत वापस लौट गए हैं। गंभीर की अनुपस्थिति में सहायक कोच रेयान टेन डोएशे भारत और भारत ए के बीच शुक्रवार से शुरू होने वाले चार दिवसीय अभ्यास मैच के दौरान मुख्य कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे।

यूरोप दौरे पर भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम की लगातार तीसरी जीत, बेल्जियम को 3-2 से हराया

एजेंसी

एंटवर्प। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने यूरोप दौरे पर शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए गुरुवार को बेल्जियम को 3-2 से हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की। यह मुकाबला एंटवर्प स्थित हॉकी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, विलरिज्कसे प्लेन में खेला गया। भारत के लिए सोनम (4'), ललथनतलुआंगी (32') और कनिका सिवाच (51') ने गोल किए, जबकि बेल्जियम की ओर से मैरी गोएन्स (37') और मार्टे मैरी (40') ने गोल किए। मैच की शुरुआत से ही भारत ने आक्रामक तेवर दिखाए। चौथे मिनट में सोनम ने शानदार फील्ड गोल कर भारत को 1-0 की बढ़त दिला दी। पहले हाफ में भारत ने अपनी बढ़त बनाए रखी। तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला जिसे ललथनतलुआंगी ने 32वें मिनट में गोल में बदलकर स्कोर 2-0 कर दिया। इसके बाद बेल्जियम ने जोरदार वापसी की। 37वें मिनट में मैरी गोएन्स ने पेनल्टी स्ट्रोक के ज़रिए पहला गोल किया और फिर 40वें मिनट में मार्टे मैरी ने फील्ड गोल कर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। चौथे क्वार्टर में जब खेल खत्म होने में केवल 9 मिनट बाकी थे, तब कनिका सिवाच ने एक पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलते हुए भारत को 3-2 की निर्णायक बढ़त दिलाई और टीम की जीत सुनिश्चित की। बेल्जियम पर लगातार तीन जीत दर्ज करने के बाद अब भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम यूरोप दौरे में अगला मुकाबला 14 जून को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलेगी।

ड्रीम लीग के अधिकारियों ने टीसीएआई सदस्यों से की मुलाकात

एजेंसी

ग्वालियर। ड्रीम लीग ऑफ इंडिया (डीएलआई) के मुख्य रणनीतिकार (चीफ स्ट्रैटेजिस्ट) चैतन्य नंदा ने गुरुवार को टेनिस क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (टीसीएआई) के ग्वालियर जिला महासचिव से मुलाकात की। इस बैठक में लीग के विस्तार और आगामी सत्र को लेकर विचार-विमर्श किया गया, साथ ही हाल ही में पानीपत में संपन्न हुए टेनिस क्रिकेट फ़ेडरेशन कप की समीक्षा भी की गई। सर्वोटेक स्पोर्ट्स द्वारा लॉन्च की गई ड्रीम लीग ऑफ इंडिया भारत की पहली ऐसी राष्ट्रीय स्तर की टेनिस बॉल क्रिकेट लीग है, जिसका उद्देश्य देशभर में जमीनी स्तर पर टेनिस बॉल क्रिकेट के लिए एक संगठित और प्रतिस्पर्धात्मक इकोसिस्टम तैयार करना है। बैठक के बाद डीएलआई के चीफ स्ट्रैटेजिस्ट चैतन्य नंदा ने कहा ल्ल अवेद खान के साथ हाल ही में संपन्न फ़ेडरेशन कप और ड्रीम लीग ऑफ इंडिया की भावी योजना को लेकर बहुत ही सार्थक चर्चा हुई। टेनिस क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने को लेकर हमारी सोच एक जैसी ही है। हाल ही में हुए फ़ेडरेशन कप का आयोजन टेनिस क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (टीसीएआई) द्वारा किया गया था, जो इंटरनेशनल टेनिस क्रिकेट फ़ेडरेशन (आईटीसीएफ) की सदस्य संस्था है। भारत की ओर से रूस और पोलैंड के खिलाफ होने वाली अंतरराष्ट्रीय टेनिस क्रिकेट सीरीज़ के लिए खिलाड़ियों का चयन इसी टूर्नामेंट के प्रदर्शन के आधार पर किया जाना था। ड्रीम लीग ऑफ इंडिया का आयोजन देश के लगभग हर कोने में किया जायेगा और इस दौरान स्काउट्स खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर करीबी नजर रखेंगे। इस लीग में खेलने वाले खिलाड़ियों को टेनिस क्रिकेट बॉल वर्ल्ड कप और एशिया कप में भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिलेगा।

मार्को जेनसन के पास सर्वश्रेष्ठ आलराउंडर बनने की सभी खूबियां: पोंटिंग

एजेंसी

लंदन। आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि दक्षिण अफ्रीका के युवा गेंदबाज मार्को जेनसन का भविष्य उज्जवल है और वह भविष्य में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ टेस्ट आलराउंडर बन सकते हैं। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मार्को जेनसन को कोचिंग देने के दौरान पोंटिंग ने जेनसन की खूबियों को नजदीक से देखा। आईसीसी हॉल ऑफ फ़ेमर रिकी पोंटिंग ने कहा ल्ल मार्को जेनसन क्रिकेट के सबसे लंबे खिलाड़ियों में से एक हैं, लेकिन उनकी प्रतिभा भी उतनी ही अलग है। उन्होंने प्रोटियाज के लिए शुरुआत में शानदार प्रदर्शन किया, कैगिसो रबाडा के साथ मिलकर एक शानदार तेज गेंदबाजी जोड़ी बनाई, जिसने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के पहले दिन ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष क्रम पर कहर बरपाया। रबाडा ने लॉर्ड्स में एक और पांच विकेट लेकर अधिक तारीफ बटोरी, लेकिन जेनसन की गेंदबाजी भी उतनी ही प्रभावशाली रही। बाएं हाथ के इस गेंदबाज ने 14 ओवर में 49 रन देकर 3 विकेट लिए और उनके विकेटों में मार्नस लैबुशेन और ट्रैविस हेड शामिल थे। दूसरे दिन फील्डिंग करते समय उंगली में चोट लगने के कारण उनका दिन खराब हो गया था, हालांकि इसके तुरंत बाद गेंदबाजी क्रीज पर वापस आकर उन्होंने साबित कर दिया कि वे बेखौफ हैं और मार्नस लाबुशेन को 22 रन पर आउट कर दिया। जेनसन अभी सिर्फ 25 साल के हैं। 2025 के आईपीएल में जेनसन ने पंजाब किंग्स के साथ अपना खेल दिखाया, लगातार सफल विकेट लिए और कभी-कभी महत्वपूर्ण रन भी बनाए। भारत में उनके घरेलू अभियान ने क्रिकेट के दिग्गज रिकी पोंटिंग को ऑलराउंडर के बारे में करीब से जानने का मौका दिया और पोंटिंग को इस बात पर आश्चर्य नहीं है कि लॉर्ड्स में दक्षिण अफ्रीका की शानदार प्रतिभा ने अपनी अलग पहचान बनाई है। डब्ल्यूटीसी फाइनल के पहले दिन के बाद उन्होंने आईसीसी डिजिटल से कहा, ल्लवह काफी शांत स्वभाव के हैं। कुछ भी उन्हें बहुत प्रभावित नहीं करता। चाहे उनका दिन अच्छा रहा हो या बुरा, वह हमेशा एक जैसे ही रहते हैं। जिस तरह से वह खेल के बारे में सोचते हैं या जिस तरह से वह ड्रेसिंग रूम में रहते हैं। लेकिन मुझे लगता है कि अधिकांश दक्षिण अफ्रीकियों की तरह, आप देख सकते हैं कि उनके अंदर एक बेहद प्रतिस्पर्धी भावना है और एक बार जब वह मैदान पर उतरते हैं, तो खेल शुरू हो जाता है। जेनसन ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के निर्णायक मैच से पहले आईसीसी डिजिटल से कहा, मैंने उनसे (पोंटिंग) से बहुत कुछ सीखा है।

संक्षिप्त समाचार

इंग्लैंड में निरंतरता बनाए रखना महत्वपूर्ण होगा: मोर्कल

बेकेनहैम (केंट)। भारत के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल के अनुसार इंग्लैंड की परिस्थितियों में निरंतरता बनाए रखना महत्वपूर्ण होगा। इसके साथ ही उन्होंने स्वीकार किया कि इंग्लैंड के खिलाफ 20 जून से शुरू हो रही टेस्ट श्रृंखला से पहले टीम को लाल गेंद से खेलने का कम मौका मिला जिससे वह थोड़ा नर्वस हैं। नवनियुक्त कप्तान शुभमन गिल के नेतृत्व में भारत पांच मैचों की श्रृंखला के साथ अपने नए विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र की शुरुआत करेगा। मोर्कल ने यहां भारत के अभ्यास सत्र से इतर कहा, ''मुझे लगता है कि इंग्लैंड में निरंतरता बनाए रखना महत्वपूर्ण है और जब हम अभ्यास करते हैं तो इसमें निरंतरता होती है, मैदान के बाहर भी निरंतरता होती है। हमारे खिलाड़ियों को उस प्रक्रिया को ढूंढना होगा जो उनके खेल के अनुकूल हो। उन्होंने कहा, ''हमारे पास बहुत विविधता है। हमारे आक्रमण में विविधता है, हमारे पास अलग-अलग कौशल वाले खिलाड़ी हैं, इसलिए वे ऐसा कर सकते हैं और साथ ही 'बेसिक्स' (बुनियादी चीजों) पर भी अच्छी तरह से अमल कर सकते हैं। भारत ने आखिरी बार इस साल जनवरी की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी टेस्ट के दौरान लाल गेंद से क्रिकेट खेला था। इसके अलावा, मौजूदा टीम में यशस्वी जायसवाल और साई सुदर्शन सहित कई खिलाड़ी पहली बार इंग्लैंड में टेस्ट श्रृंखला खेलेंगे। मोर्कल ने कहा, ''कुल मिलाकर मैं अभी तक की तैयारी से बहुत खुश हूं। हमने हाल में लाल गेंद से कम क्रिकेट खेली है जिससे मैं थोड़ा नर्वस था लेकिन पिछले तीन दिनों में खिलाड़ियों ने जिस तरह से अभ्यास किया उसे देखकर अच्छा लगा। उन्होंने कहा, ''हमारे पास एक शानदार टीम है। यह बेहद ऊर्जावान है और आपको इसी की जरूरत है। आपको टेस्ट श्रृंखला में आत्मविश्वास के साथ उतरना होगा और टीम भावना रखनी होगी। दक्षिण अफ्रीका के इस पूर्व तेज गेंदबाज ने टीम के अभ्यास सत्रों के संदर्भ में कहा कि अब तक परिस्थितियां काफी हद तक तेज गेंदबाजों के अनुकूल रही हैं। मोर्कल ने कहा, ''अब तक के दो दिन के अभ्यास में परिस्थितियां तेज गेंदबाजों के अनुकूल थीं। यह बल्लेबाजों के लिए परीक्षा की घड़ी थी, जिससे उन्हें आगामी चुनौती के लिए तैयार होने में भी मदद मिली। भारत और इंग्लैंड के बीच पहला टेस्ट 20 जून को लीड्स में शुरू होगा।

सप्तक तलवार चेक गणराज्य में संयुक्त 78वें स्थान पर

ब्रनो (चेक गणराज्य)। भारतीय गोल्फर सप्तक तलवार ने निराशाजनक शुरूआत करते हुए यहां राइफ़ेनबैंक गोल्फ चैलेंज के पहले दिन एक ओवर 72 का कार्ड खेला और वह संयुक्त 78वें स्थान पर हैं। तलवार को अगर कट में जगह बनानी है तो उन्हें दूसरे दौर में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। भारत के इस खिलाड़ी ने शुरुआत बैक नाइन से की और 13वें तथा 17वें होल पर बोगी कर बैठे। वह चौथे होल में बर्डी बनाने में सफल रहे। दक्षिण अफ्रीका के जोवन रेबुला पहले दौर के बाद एक स्ट्रोक से आगे चल रहे हैं। अमेरिका के जैक्सन पामर और स्पेन के सेबेस्टियन गार्सिया छह अंडर 66 का स्कोर बनाकर संयुक्त दूसरे स्थान पर हैं।

मराठा रॉयल्स ने टी20 मुंबई लीग का खिताब जीता

मुंबई। राजेश सुतार के अर्धशतक और अवैस नौशाद के उपयोगी योगदान से मुंबई साउथ सेंट्रल मराठा रॉयल्स ने फाइनल में सोबो मुंबई फाल्कन्स को पांच विकेट से हराकर टी20 मुंबई लीग का खिताब जीत लिया। मराठा रॉयल्स ने पहले गेंदबाजी करते हुए मुंबई फाल्कन्स को 20 ओवर में चार विकेट पर 157 रन पर रोक दिया और फिर सुतार के 49 गेंदों पर दो चौकों और दो छक्कों की मदद से बनाए गए 53 रन की बदौलत चार गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। नौशाद ने 24 गेंदों पर 38 रन की पारी खेली और सुतार के साथ चौथे विकेट के लिए 67 रन की साझेदारी की। इससे मराठा रॉयल्स की टीम 19.2 ओवर में पांच विकेट पर 158 रन बनाकर जीत दर्ज करने में सफल रही। इससे पहले मयूरेश टंडेल (नाबाद 50) और हर्ष अघव (नाबाद 45) की 49 गेंदों पर 85 रन की अटूट साझेदारी की मदद से मुंबई फाल्कंस ने चार विकेट पर 157 रन बनाए।

अवनि दूसरे स्थान पर, भारत की अन्य खिलाड़ियों की खराब शुरुआत

हुलेनकोर्ट (बेल्जियम)। भारतीय गोल्फर अवनि प्रशांत ने चार अंडर 68 के स्कोर के साथ सत्र की अपनी सर्वश्रेष्ठ शुरुआत की, जिससे वह हुलेनकोर्ट महिला ओपन के पहले दौर के बाद संयुक्त दूसरे स्थान पर पहुंच गयीं। अवनि ने दोपहर के समय अंतिम ग्रुप में खेलते हुए तीन बोगी के मुकाबले सात बर्डी लगाईं। ऑस्ट्रेलिया की केल्सी बेनेट पहले दिन 67 के स्कोर के साथ शीर्ष पर रहीं। अवनि और जर्मनी की हेलेन ब्रीम उनसे एक शॉट पीछे संयुक्त दूसरे स्थान पर हैं। अवनि लेडीज यूरोपियन टूर की इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाली सात भारतीय खिलाड़ियों में से एक हैं। अनुभवी दीक्षा डागर ने प्रतियोगिता के पहले दौर में पार 72 से शुरुआत की और वह 22वें स्थान पर हैं। अमनदीप द्राल और स्नेहा सिंह ने दो ओवर 74 का कार्ड खेला और वे संयुक्त 58वें स्थान पर हैं। त्वेसा मलिक और वाणी कपूर ने 76 का स्कोर बनाया जिससे वे संयुक्त 89वें स्थान पर हैं। भारत की एक अन्य खिलाड़ी हिताशी बक्शी ने 79 का स्कोर बनाया और वह 125वें स्थान पर हैं।

विश्व बैंक, आईएफसी ने पाकिस्तान की 'रेको दिक' परियोजना के लिए 70 करोड़ डॉलर के ऋण को मंजूरी दी

इस्लामाबाद। अंतरराष्ट्रीय वित्त निगम (आईएफसी) और विश्व बैंक ने पाकिस्तान की प्रमुख खनन एवं संसाधन विकास योजना के लिए 70 करोड़ अमेरिकी डॉलर के रियायती ऋण को मंजूरी दी है। 'रेको दिक' परियोजना को बलूचिस्तान प्रांत में अंजाम दिया जाएगा जिसे देश के खनिज समृद्ध क्षेत्र के रूप में जाना जाता है। समाचार पत्र 'एक्सप्रेस ट्रिब्यून' की खबर के अनुसार, ऋणदाताओं द्वारा यह मंजूरी पाकिस्तान के लिए एक महत्वपूर्ण जीत मानी जा रही है। इस मंजूरी के परिणामस्वरूप निजी क्षेत्र से पाकिस्तान को अपनी सबसे महत्वपूर्ण पहल में से एक 'रेको दिक' परियोजना में 2.5 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश मिलने की उम्मीद है।

एयर इंडिया विमान दुर्घटना के राहत कार्यों में हर संभव मदद करेगी रिलायंस: अंबानी

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के दिग्गज उद्योगपति एवं रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने शुक्रवार को एयर इंडिया विमान दुर्घटना के पीड़ितों के लिए राहत कार्यों में पूर्ण सहयोग की पेशकश की। आरआईएल के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी बयान में कहा कि वह और उनकी पत्नी नीता अहमदाबाद में विमान हादसे में हुई जानमाल की हानि से अत्यंत दुखी एवं व्यथित हैं। हम इस दुखद घटना से प्रभावित सभी लोगों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं। मुकेश अंबानी ने आगे लिखा है, ''दुख की इस घड़ी में, रिलायंस चल रहे राहत प्रयासों को अपना पूर्ण और अटूट समर्थन देता है तथा हर संभव तरीके से सहायता करने के लिए तैयार है। हम प्रार्थना करते हैं कि प्रभावित सभी लोगों को इस अकल्पनीय क्षति से उबरने की शक्ति और सांत्वना मिले। ओम शांति। उल्लेखनीय है कि गुजरात के अहमदाबाद से लंदन जाने वाला एयर इंडिया का बोइंग 787-8 विमान गुरुवार को अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद एक मेडिकल कॉलेज परिसर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे विमान में सवार 242 लोगों में से 241 की मौत हो गई थी। एक यात्री जिंदा बचा है। एयर इंडिया के अनुसार इस विमान में 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश नागरिक, सात पुर्तगाली नागरिक और एक कनाडाई नागरिक सवार थे, उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद विमान में आग लग गई।

गुजरात में रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए एडीबी ने 10.997 करोड़ अमेरिकी डॉलर के ऋण को मंजूरी दी

नयी दिल्ली। बहुपक्षीय वित्त पोषण एजेंसी एडीबी ने गुजरात को 10.997 करोड़ अमेरिकी डॉलर (लगभग 927 करोड़ रुपये) के परिणाम-आधारित ऋण को मंजूरी देने की शुक्रवार को घोषणा की । इसका मकसद मजबूत एवं भविष्य के लिए तैयार कार्यबल के माध्यम से वैश्विक औद्योगिक केंद्र बनने के गुजरात के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने में सहायता करना है। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) की ओर से जारी बयान के अनुसार, कौशल्या: द स्किल यूनिवर्सिटी (केएसयू) के सहयोग से राज्य के श्रम, कौशल विकास एवं और रोजगार विभाग द्वारा संचालित गुजरात कौशल विकास कार्यक्रम का उद्देश्य राज्य के कार्यबल को उद्योग-संरेखित, उन्नत कौशल से लैस करना है। इसमें कहा गया, यह कार्यक्रम केएसयू तंत्र की संस्थागत एवं प्रबंधकीय क्षमता को मजबूत करेगा और उच्च गुणवत्ता वाले, उद्योग-प्रासंगिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों तक पहुंच को व्यापक करेगा जो अग्रणी प्रौद्योगिकियों को एकीकृत करते हैं।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने आम किसानों की मदद के लिए केंद्रीय कृषि मंत्री को लिखा पत्र

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान से कर्नाटक के आम के किसानों की मदद करने का शुक्रवार को आग्रह किया। उन्होंने केंद्रीय मंत्री को पत्र लिखकर उनका ध्यान कर्नाटक में आम किसानों के समक्ष उत्पन्न ''गंभीर संकट'' की ओर आकर्षित किया है क्योंकि वर्तमान फसल सत्र के दौरान बाजार में आम की कीमतों में तेजी से असहनीय गिरावट आई है। सिद्धरमैया ने पत्र में लिखा, '' आम कर्नाटक की प्रमुख बागवानी फसलों में से एक है जिसकी खेती लगभग 1.39 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में की जाती है। इस रबी सत्र में इसका उत्पादन 8-10 लाख मीट्रिक टन होने का अनुमान है, खासकर बेंगलुरु ग्रामीण, बेंगलुरु शहरी, चिक्काबल्लापुरा, कोलार और बेंगलुरु दक्षिण जिलों में। उन्होंने कहा कि मई से जुलाई के फसल के चरम महीनों के दौरान, बाजार में भारी आवक के कारण कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाजार कीमतें जो पहले 12,000 रुपये प्रति क्विंटल के आसपास थीं अब घटकर 3,000 रुपये प्रति क्विंटल रह गई हैं, जबकि कर्नाटक राज्य कृषि मूल्य आयोग ने खेती की लागत 5,466 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित की है। उन्होंने कहा, '' उत्पादन लागत और बाजार से मिलने वाली कीमत के बीच इस असंतुलन ने कृषक समुदाय के लिए गंभीर संकट खड़ा कर दिया है। सिद्धारमैया ने कहा, '' इस गंभीर स्थिति को देखते हुए, मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि तत्काल नीतिगत प्रतिक्रिया के रूप में, आमों के लिए बाजार हस्तक्षेप योजना (एमआईएस) के तहत मूल्य कमी भुगतान योजना (पीडीपीएस) को लागू करने के लिए शीघ्र कदम उठाए जाएं।''

एक्मे सोलर होल्डिंग्स ने गुजरात में 19.8 मेगावाट पवन ऊर्जा क्षमता चालू की

नयी दिल्ली। एक्मे सोलर होल्डिंग्स लिमिटेड (एसीएमई सोलर) ने गुजरात में 19.8 मेगावाट पवन ऊर्जा क्षमता चालू कर दी है। इससे उसकी कुल परिचालन नवीकरणीय क्षमता बढ़कर 2,826.2 मेगावाट हो गई है। कंपनी ने शुक्रवार को बयान में कहा कि उसने गुजरात के शापुर में नियोजित 50 मेगावाट की परियोजना की 26.4 मेगावाट पवन ऊर्जा क्षमता को मई में चालू कर दिया था। वर्तमान चरण में कंपनी ने अतिरिक्त 19.8 मेगावाट क्षमता चालू की है, जिससे पवन परियोजना की कुल चालू क्षमता 46.2 मेगावाट हो गई है। साथ ही इससे एक्मे सोलर की कुल परिचालन नवीकरणीय क्षमता बढ़कर 2,826.2 मेगावाट हो गई है। परियोजना के अगले कुछ दिन में पूरी तरह चालू होने की उम्मीद है।

केंद्र ने ईवी, हरित ऊर्ज़ा क्षेत्रों के युवाओं को कौशल प्रदान करने के लिए शेल इंडिया के साथ हाथ मिलाया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) और हरित ऊर्जा क्षेत्रों के युवाओं के कौशल विकास के लिए शेल इंडिया के साथ हाथ मिलाया है। इस साझेदारी के तहत देश के चुनिंदा आईटीआई और एनएसटीआई में छात्रों को हरित कौशल और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए इलेक्ट्रिक वाहन कौशल प्रयोगशालाएं स्थापित की जाएंगी। कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि एमएसडीई के तहत प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीटी) ने एक प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने के लिए शेल इंडिया के साथ हाथ मिलाया है, जो युवाओं को इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) और हरित ऊर्जा क्षेत्रों के लिए कौशल प्रदान करेगा। यह कार्यक्रम शेल के कार्यान्वयन साझेदार एडुनेट फाउंडेशन द्वारा 5 राज्यों में क्रियान्वित किया जाएगा। इसके जरिए हजारों छात्रों को इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और नवीकरणीय ऊर्जा में उद्योग-तैयार कौशल प्रदान किए जाएंगे। इस अवसर पर केंद्रीय एमएसडीई और शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी ने कहा कि शेल इंडिया के साथ हमारा सहयोग कौशल को स्थिरता के साथ जोड़ने की सरकार की गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हरित ऊर्जा, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और व्यापक जलवायु परिवर्तन केवल पर्यावरणीय अनिवार्यताएं नहीं हैं। वे भारत के लिए नवाचार, प्रतिभा और उद्यम के माध्यम से नेतृत्व करने के लिए एक पीढ़ीगत अवसर का प्रतिनिधित्व करते हैं। मंत्रालय के अनुसार ग्रीन स्किल्स और ईवी प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों और शिक्षकों को हरित ऊर्जा और ई-मोबिलिटी में भविष्य के लिए तैयार क्षमताओं से लैस करना है। यह पहल ऐसे समय में की गई है जब सरकार अपनी नेट-जीरो महत्वाकांक्षाओं के अनुरूप हरित ऊर्जा और ईवी अपनाने को सक्रिय रूप से आगे बढ़ा रही है। कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के प्रशिक्षण महानिदेशालय की महानिदेशक त्रिशालजीत सेठी ने कहा कि शेल इंडिया के साथ यह साझेदारी हमारे आईटीआई और एनएसटीआई में अत्याधुनिक प्रशिक्षण बुनियादी ढांचे और उद्योग-प्रासंगिक पाठ्यक्रम लाने की दिशा में एक केंद्रित पहल है। वहीं, भारत के हरित अर्थव्यवस्था दृष्टिकोण के अनुरूप यह पहल तेजी से विकसित हो रहे ऊर्जा क्षेत्र में प्रमाणन, नियोजन सहायता और हरित रोजगारों के लिए मार्ग प्रशस्त करेगी।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242
Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना

पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की साई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

रामपथ से जुड़ी 27 गलियों का निर्माण कार्य पूरा: महापौर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- रोड कटिंग के बाद मरम्मत को लेकर नगर निगम सख्त
- जोनल कार्यालय को और प्रभावी बनाने का निर्णय
- डस्टबिन आपूर्ति की जांच 15 दिन में करने के निर्देश

अयोध्या। नगर निगम अयोध्या की कार्यकारिणी की बैठक की अध्यक्षता कर रहे महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने बताया कि रामपथ से जुड़ी 27 गलियों का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। इससे लोगों को आवागमन में सहूलियत मिलेगी। नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार ने बैठक का संचालन किया। बैठक में फैंसी लाइट लगाने के दौरान नगर निगम की सड़कों की मानक से अधिक कटाई और उसकी मरम्मत न कराए जाने को लेकर नाराजगी जताई गई। इस दौरान जोनल कार्यालय को और अधिक प्रभावी बनाने का निर्णय लिया गया तथा डस्टबिन आपूर्ति में अनियमितता की 15 दिन के अंदर जांच करने की निर्देश भी दिए गए। बैठक में स्वीकृति के सापेक्ष बची हुई फैंसी लाइट लगवाने के लिए पत्राचार करने का निर्णय लिया गया। इस मौके पर जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र को जोनल कार्यालय स्तर पर अलग करने के लिए पत्राचार करने का फैसला किया गया। पार्षद सूर्यकुमार तिवारी सूर्य ने जोनल स्तर पर वार्डो के संबंध करने में बरती गई विसंगतियों की ओर

ध्यान आकर्षण किया। जोनल कार्यालय में टैक्स निर्धारण संबंधी कर्मचारियों की नियमित तैनाती की मांग की, जिस पर नगर आयुक्त ने कर विभाग को निर्देश दिया । नामांतरण प्रक्रिया की लंबे समय तक लंबित रहने पर जिम्मेदार हमले को फटकार भी लगाई गई। इस दौरान पार्षद विशाल पाल ने एक मीटर से अधिक चौड़े नाले की सफाई व्यवस्था का मसला उठाया तथा अभिनव पांडे ने झूलेलाल वार्ड में नालों की सफाई सही ढंग से न होने की शिकायत दर्ज कराई । महापौर ने निर्माण खंड एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को पार्षदों के माध्यम से मौके पर वेरीफाई करने सफाई व्यवस्था पुष्टि करवाने तथा तथा श्रमिक आपूर्ति के माध्यम से न्यायालय की सफाई करने का निर्देश दिया । पार्षदों ने बताया कि अयोध्या प्राधिकरण एवं लोक निर्माण विभाग ने निर्माण कार्य के चलते जल निकासी व्यवस्था को ठप कर दिया है। इससे बारिश के समय विशेष रूप से जल भराव की समस्या उत्पन्न हो सकती है। महापौर ने जलवानपुरा अश्विनीपुरम जौरा गद्दोपुर शिवनगर टकसाल बड़ी देवकाली कांति नगर ऋषि टोला आदि जल भराव की दृष्टि से संवेदनशील इलाकों को चिन्हित करने का निर्देश दिया । उन्होंने बताया कि जनौरा, गद्दोपुर, जलवानपुरा में नाला निर्मित हो चुका है । यहां पंप की स्थापना की जा रही है, ताकि लोगों को जल भराव की समस्या से का सामना न करना पड़े। महापौर ने पार्षद हरिश्चंद्र गुप्त के सुझाव पर रामजानकी मंदिर ऋषि टोला में एक सप्ताह के भीतर रैंप बनवाने का निर्देश दिया। इस दौरान विकास रजिस्टर भी आदतन कंप्लीट करने का निर्देश दिया गया । नगर निगम के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार पांडेय ने बताया कि बैठक में 851 कर्मशियल भवनों को कर संबधी नोटिस भेजने डोर टू डोर कूड़ा एकत्रीकरण व्यवस्था सही करने, ख़राब हैण्ड पंप रिबोर करवाने, वृहद पौधरोपण से समाज से जोड़ने, सफाई व्यवस्था के लिए वाहनों की संख्या बढ़ने, अतिक्रमण हटाने का प्रस्ताव पास किया गया । यह भी तय किया गया कि राज्य सभा सदस्य श्री दिनेश शर्मा की सहायता से सिंदूर तिराहा विकसित किया जायेगा।

गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे से औद्योगिक विकास को मिलेगी तेज रफ्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का ड्रीम प्रोजेक्ट गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे सिर्फ आवागमन सुगमता में ही मील का पत्थर नहीं बनेगा बल्कि यह औद्योगिक विकास की रफ्तार को भी तेज करेगा। यह एक्सप्रेसवे हजारों करोड़ रुपये के निवेश को आकर्षित करने में भी मददगार बना है। शानदार कनेक्टिविटी की सौगात देने के फैसले के साथ ही योगी सरकार ने इस लिंक एक्सप्रेसवे के दोनों किनारों पर इंडस्ट्रियल कॉरिडोर बसाना शुरू कर दिया था। एक्सप्रेसवे के निर्माण के साथ ही इंडस्ट्रियल कॉरिडोर (औद्योगिक गलियारा) भी आकार लेता गया। इसका नतीजा यह है कि देश और दुनिया की नामी कंपनियों की दस्तक यहां होने लगी। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे के किनारे बसे इंडस्ट्रियल कॉरिडोर में हजारों करोड़ रुपये के निवेश और हजारों नौजवानों को रोजगार मिलने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे सिर्फ एक रास्ता नहीं बल्कि पूर्वांचल का औद्योगिक भविष्य भी है।91 किमी से अधिक लंबा गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे बनकर तैयार है और 17 जून को इसका लोकार्पण मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों प्रस्तावित है। यह एक्सप्रेसवे रोड इंफ्रास्ट्रक्चर के लिहाज से तो बेमिसाल है ही, यह गोरखपुर को केंद्रित करते हुए पूर्वी उत्तर प्रदेश में औद्योगिक प्रगति का सुनहरा अवसर देने का सशक्त माध्यम भी बना है। मुख्यमंत्री की दूरदर्शी सोच से जब इस एक्सप्रेसवे के निर्माण को परिकल्पित किया गया तभी इसके समानांतर औद्योगिक गलियारा विकसित करने के विचार को भी मूर्त देने की कार्ययोजना बनी। गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) ने अपने दो महत्वपूर्ण इंडस्ट्रियल सेक्टर (27 और 28) लिंक एक्सप्रेसवे के दोनों किनारों पर ही विकसित किए हैं। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे के निर्माण की प्रगति के साथ ही औद्योगिक प्रगति भी साथ चलती रही। इसका प्रमाण है एक्सप्रेसवे के शुरुआती बिंदु पर ही बहुराष्ट्रीय कंपनी (एमएनसी) पेप्सिको का बॉटलिंग प्लांट। करीब 1100 करोड़ रुपये के निवेश वाले इस प्लांट का शिलान्यास और उद्घाटन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया था। आज यहां उत्पादन जारी है और बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों को रोजगार मिला है। लिंक एक्सप्रेसवे के समीप बसाए गए इंडस्ट्रियल सेक्टर में ही एमएनसी कोका कोला और बिसलेरी ने भी प्लांट लगाने के लिए जमीन की मांग गीडा से की है। जल्द ही उन्हें जमीन मुहैया हो जाएगी। गीडा की देखरेख में 92 यूनिट्स वाला प्लास्टिक पार्क भी लिंक एक्सप्रेसवे के इंडस्ट्रियल कॉरिडोर में विकसित हो रहा है। यहां 60 यूनिट्स के लिए जमीन का आवंटन हो चुका है और इनमें से कई के प्लांट का निर्माण जारी है। लिंक एक्सप्रेसवे की कनेक्टिविटी ने बड़ी संख्या में निवेशकों को आकर्षित किया है। इसी की देन है कि कपिला कृषि उद्योग, एपीएल अपोलो ट्यूब्स, एसएलएमजी, टेक्नोप्लास्ट सहित करीब सौ उद्योगों के लिए जमीन या तो दे दी गई है, या आवंटन की प्रक्रिया में है। कई इकाइयों के निर्माण हो गए हैं और कुछ के जारी हैं।

सप्ताहभर योगमय रहेगा गोरखनाथ मंदिर परिसर

गोरखपुर। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (21 जून) के उपलक्ष्य में गोरखनाथ मंदिर सप्ताहभर योग की व्यावहारिक और सैद्धांतिक गतिविधियों से परिपूर्ण रहेगा। योग को लोक कल्याण का ध्येय मानने वाले इस मंदिर के परिसर में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी 15 जून से 21 जून तक साप्ताहिक योग शिविर और शैक्षिक कार्यशाला का आयोजन होगा। गोरक्षपीठाधीश्वर और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में महायोगी गुरु गोरखनाथ योग संस्थान, गोरखनाथ मंदिर और महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की ओर से आयोजित होने वाले इस इस योग शिविर में न केवल योगाभ्यास का प्रशिक्षण दिया जाएगा बल्कि उसके सिद्धांतों पर विद्वानों का व्याख्यान भी कराया जाएगा। समस्त आयोजन मंदिर के दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार में होगा। उक्त जानकारी गोरखनाथ मन्दिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ ने दी ।

गर्मी से राहत के लिए मशीन से जालौन की सड़कों पर पानी की फुहार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

जालौन। जालौन जिले में बीते 4-5 दिनों में तापमान ने कीर्तिमान बनाया है। इस गर्मी से आम जन जीवन अस्त व्यक्त हो गया है। इसी भीषण गर्मी और सूरज की तपिश को कम करने के लिए नगर पालिका ने एक वॉटर कैनन मशीन खरीदी है। पालिकाध्यक्ष गिरजा चौधरी ने झंडी दिखाकर इस मशीन का शुभारंभ किया। मशीन ने तुरंत ही शहर के चौक-चौराहों और बाजारों में पानी का छिड़काव कर सड़कों की गर्मी कम करने का काम शुरू कर दिया।

दरअसल, मई की शुरुआत से ही तेज गर्मी ने लोगों का हाल बेहाल कर दिया है। सुबह 8 बजे से ही धूप इतनी तेज हो रही है कि सड़कों पर चलना मुश्किल हो जा रहा है। दिन में भीषण गर्मी और रात को गर्म हवाओं (लू) ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। जून के महीने में प्रदेश भर के तापमान में वृद्धि हुई जिसमें जालौन जिले का पारा सर्वाधिक रेकॉर्ड किया गया। नगर पालिका परिषद के कार्यकारी अधिकारी रामअचल कुरील और पालिकाध्यक्ष गिरजा चौधरी के प्रयासों से यह मशीन खरीदी गई है। रामअचल कुरील ने बताया कि 30 लाख रुपये की लागत से खरीदी गई यह मशीन शुक्रवार से अब दिन में दो शिफ्टों (सुबह और शाम) में काम करेगी। इसके संचालन के लिए कर्मचारियों की ड्यूटी भी लगाई गई है। ईओ रामअचल कुरील ने बताया कि वॉटर कैनन मशीन के प्रभावी उपयोग से सड़कों की गर्मी कम होगी और लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी। उन्होंने कर्मचारियों को मशीन का बेहतर तरीके से उपयोग करने के निर्देश दिए हैं। इस पहल से शहरवासियों को गर्मी से कुछ सहूलियत मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

जिला पंचायत सदस्य ने पति पर लगाया मारपीट का आरोप, अस्पताल में भर्ती

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बागपत। बागपत जिला पंचायत सदस्य महिला ने पति पर मारपीट कर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कराया है। आरोप है की एक केस में बयान न बदलने पर बच्चों को जिंदा जलाने की धमकी दी गयी है। शिकायत के बाद आरोपित पति को पुलिस ने हिरासत में लिया है। बड़ौत कोतवाली क्षेत्र के बावली गांव निवासी साक्षी वार्ड नम्बर नौ से जिला पंचायत सदस्य है। महिला साक्षी का आरोप है कि उनका पति आए दिन किसी न किसी बात को लेकर मारपीट करता रहता है। पति के विरुद्ध जनपद बागपत व अन्य जनपदों में अपराधिक मामले दर्ज है। पति होने का फायदा उठाकर उसका पति जिला पंचायत की विकास निधि व विकास कार्यों में से प्राप्त धन राशि का दबाव बनाकर दुरुपयोग कर रहा है। आरोप है कि पति द्वारा सात दिन पूर्व जान से मारने की नीयत से चाकू व सिर पर ईंट से प्रहार किया गया। प्रहार में वह गंभीर रूप से घायल हो गई थी। उसके द्वारा शिकायत की गई तो पति द्वारा बयान बदलवाने के लिए बच्चों को जिंदा जलाने की धमकी दी गयी। पीड़ित महिला ने बड़ौत कोतवाली पर तहरीर देकर आरोपित पति के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया है। बडौत पुलिस ने आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर हिरासत में ले लिया है।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

समूह संपादक
डॉ. सुशीलचन्द्र त्रिवेदी 'मधुपेश'

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

सलाहकार संपादक
डा. एम.ए.ए.खान (लखनऊ)
(आई.ए.एस. से.नि.)

डा. ओम प्रकाश
(आई.ए.एस. से.नि.)

स्थानीय संपादक नोएडा/एनसीआर

समन्वय संपादक
आशुतोष रंजन

समन्वय संपादक/महाप्रबंधक
अनिल तिवारी

साहित्यक संपादक
आर.पी. शुक्ल, आई.ए.एस(से नि.)

आध्यात्मिक संपादक
श्री राम महेश मिश्र

सह संपादक
ताहिर इकबाल
आई.ए.एस (से नि.)

सह संपादक
मेजर. के. किशोर

सह संपादक
हरीशंकर शुक्ल (पी.पी.एस. से.नि.)

उप सम्पादक
प्रभात वर्मा

स्टेट क्वार्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्कमुख्यालय
कार्यालय फोन नं. : 0522-46 43988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेल : noidarp@gmail.com
प्रधान कार्यालय : - एफ1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशांतगंज लखनऊ,(उप्र)

बढ़ता एसी का प्रयोग इंसान की सेहत और पर्यावरण दोनों को पहुंचा रहा है नुकसान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

सीतापुर। भीषण गर्मी का प्रकोप दिनोंदिन बढ़ता ही जा रहा है और ऐसे बढ़ता एयर कंडीशनर (एसी) का प्रयोग कोढ़ में खाज का काम कर रहा है। सीतापुर जनपद का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच रहा है, ऐसे में घर हो या सड़क - सुविधा संपन्न लोग जमकर एसी का इस्तेमाल कर रहे हैं। सड़कों पर दौड़ते चौपहिया वाहनों में एसी का जमकर इस्तेमाल किया जा रहा है। वाहनों के अंदर तो ठंडा होता है, लेकिन वाहनों में लगी एसी लगातार गर्म हवा बाहर फेंक रही है। हजारों की संख्या में मौजूद वाहनों से बाहर निकल रही गर्म हवाएं तापमान को और भी उच्च स्तर पर पहुंचा रही है। ठीक ऐसा ही हाल घरों का है। घरों में चलने वाली एसी भी कमरे को ठंडा जरूर करती है, लेकिन गर्म हवा बाहर फेंकती है। विशेषज्ञों के अनुसार एसी वातावरण में मौजूद हवाओं से नमी चूस लेती है, जिसके बाद गर्म हवाएं बाहर फेंकती हैं। एक्सपर्ट कहते हैं कि एसी का प्राथमिक कार्य कमरे को ठंडा करना है, लेकिन इस प्रक्रिया में, यह हवा से नमी को भी हटा देता है। जब एसी हवा को ठंडा करता है, तो हवा में मौजूद नमी संघनन के रूप में बदल जाती है। संघनन को इकट्ठा करने और हटाने के लिए एसी में एक इवेपोरेटर कॉइल और एक ड्रेन सिस्टम होता है। इस प्रक्रिया से हवा की आर्द्रता कम हो जाती है। कमरे व वाहन को ठंडा करने वाले एसी जहां बाहरी वातावरण को गर्म कर रहे हैं, वही लगातार एसी का इस्तेमाल करने वालों को बीमार भी बना रहे हैं। मछरेहटा सीएचसी प्रभारी डॉ कमलेश ने बताया कि लंबे समय तक एसी में रहना सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है। दरअसल एसी गर्मी और नमी दोनों को कम करता है, जिससे चिलचिलाती धूप और अधिक पसीने से राहत मिलती है। हालांकि इसके ज्यादा इस्तेमाल से स्किन, बाल, नाक और गले में ड्राईनेस बढ़ सकती है। यह ड्राईनेस म्यूकस मेम्ब्रेन को प्रभावित कर सकती है। शरीर में नाक, मुंह, फ़ेफड़ों और आंतों जैसी जगहों पर एक पतली व नम लेयर होती है, जिसे म्यूकस मेम्ब्रेन कहते हैं। यह शरीर को बैक्टीरिया और वायरस से बचाती है।

एनएचएआई के अधिकारियों को डीएम की फटकार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बागपत। बागपत जिलाधिकारी ने शुक्रवार को एनएचएआई अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में दिल्ली-सहारनपुर राष्ट्रीय राजमार्ग व दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर परियोजना को लेकर नाराजगी जताई गयी। फटकार लगाते हुए जिलाधिकारी ने एनएचएआई को गंभीरता के साथ कार्य करने को कहा है।

जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में दिल्ली-सहारनपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर विभिन्न स्थानों पर जलभराव की समस्या, दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कोरिडोर परियोजना अन्तर्गत ग्रामसभा/सरकारी भूमि के पुर्नग्रहण मुआवजे से संबंधित प्रकरणों की समीक्षा बैठक की। बैठक में जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि 709बी मार्ग पर नालों की सफाई रिपेयर शीघ्रता से कराई जाए, ताकि आगामी बरसात के

मौसम में जलभराव की समस्या उत्पन्न न हो। उन्होंने डीपीआरओ को निर्देशित किया कि मार्ग से जुड़े सभी गांवों का ग्रुप बनाकर समन्वय स्थापित करें और कार्यों में सक्रियता लाएं। जिलाधिकारी ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को निर्देश दिए कि राजमार्ग के दोनों ओर अवैध रूप से लगे होर्डिंग्स को तत्काल प्रभाव से हटाने की कार्रवाई सुनिश्चित करें। इसके अतिरिक्त, जिन प्रभावित व्यक्तियों को अब तक मुआवजा नहीं मिला है, उनकी पत्रावलियाँ प्रस्तुत कर शीघ्र मुआवजा वितरित किया जाए, ताकि परियोजना कार्यों में कोई बाधा उत्पन्न न हो। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के परियोजना निदेशक बैठक में अनुपस्थित रहे जिस पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त की उन्होंने कहा जो कार्य योजना है उसे समय अंतर्गत पूर्ण किया जाए सड़कों का रखरखाव और उनके मेंटेनेंस पर विशेष ध्यान दिया जाए। बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त राजस्व पंकज वर्मा, एसडीएम ज्योति शर्मा, एसडीम मनीष कुमार यादव ,अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग अतुल कुमार, एनएचएआई अंकित कुमार, डीपीआरओ अरुण सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

"बाल श्रम" के प्रति लोगों को जागरूक करने लिये रैली व हस्ताक्षर अभियान का हुआ आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

रायबरेली। अंतर्राष्ट्रीय बाल श्रम निषेध दिवस के तहत 12 से 17 जून 2025 तक बाल श्रम निषेध सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इसके क्रम में आज आम जन मानस में बाल श्रम जैसी सामाजिक अभिशाप के प्रति जागरूक करने उनमें इस प्रथा से होने वाले सामाजिक हानि से अवगत कराये जाने हेतु एक रैली का आयोजन जनपद रायबरेली में किया गया। रैली कार्यालय सहायक श्रमायुक्त गांधी नगर रायबरेली से प्रारम्भ होकर विभिन्न क्षेत्रों से होते हुए कार्यालय सहायक श्रमायुक्त में समाप्त हुई जिसमें स्वयं सेवी संगठनों के पदाधिकारी एवं स्थानीय आम जन सहित कार्यालय के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। रैली में मिलिन्द्र द्विवेदी, वरिष्ठ पत्रकार एवं सदस्य बाल कल्याण समिति रायबरेली भी सम्मिलित हुए। रैली की अगुवाई कर रहे आर0एल0 स्वर्णकार, सहायक श्रमायुक्त रायबरेली द्वारा मार्ग में मिलने वाले दुकानदारों एवं आम राहगीरों को भी बाल श्रम के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए अपने आस-पास ''बाल श्रम'' को रोकने के लिए प्रयास करने हेतु प्रेरित किया गया। इस रैली में कार्यालय के कर्मचारी अपने हाथो में प्ले कार्ड लिए रहे जिसमें ''बाल मजदूर मुक्त जिला हमारा संकल्प'', ''बच्चे काम नहीं, पढ़ाई के लिए बने हैं'', ''पढ़ेगा भारत, तभी बढ़ेगा भारत'', ''बचपन बचाओ, शिक्षा दिलाओ'', ''बाल श्रम अपराध है, समाज के लिए आप है'' एवं ''हम सब ने यह ठाना है, बाल मजदूरी हटाना है'' जैसे नारों को प्रदर्शित कर ''बाल श्रम'' के प्रति लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया गया। इस अवसर पर बाल श्रम उन्मूलन हेतु हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया जिसमें उपस्थित अधिकारियो, अगंतुको एवं आम जन मानस द्वारा बाल श्रम को रोकने का प्रयास करने का संकल्प लेते हुए हस्ताक्षर किये गये।

रहस्यमयी हालात में मिला युवक का शव, जांच में जुटी पुलिस

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मीरजापुर। चुनार थाना क्षेत्र के इमलियाचट्टी-नारायणपुर मार्ग पर गुरुवार देर रात उस समय सनसनी फैल गई जब बंगला गांव के पास सड़क से लगभग 50 मीटर दूर झाड़ियों में एक अज्ञात युवक का शव मिलने की सूचना मिली। जानकारी मिलते ही पुलिस के उच्चाधिकारी व चुनार थाना पुलिस बल मौके पर पहुंच गए। शव को देखकर ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि मृतक किसी ईंट-भट्ठे पर कार्य करने वाला श्रमिक हो सकता है। शव सामान्य रूप से बैठने की अवस्था में मिला, जिससे घटना की रहस्यमयता और गहराती जा रही है। मृतक की उम्र करीब 40 वर्ष बताई जा रही है। शुरुआती जांच में उसके शरीर पर कोई स्पष्ट चोट के निशान नहीं पाए गए हैं, जिससे प्रथम दृष्टया यह मामला दुर्घटना या हत्या से इतर प्रतीत हो रहा है। घटनास्थल पर फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया है, जो शव और आसपास के स्थानों की बारीकी से जांच कर रही है। पुलिस द्वारा शव की शिनाख्त कराने के प्रयास किए जा रहे हैं और साथ ही अग्रिम वैधानिक कार्रवाई भी की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जब तक शिनाख्त नहीं हो जाती और पोस्टमार्टम रिपोर्ट नहीं आ जाती, तब तक मृत्यु के कारणों पर कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। स्थानीय लोग भी शव की पहचान नहीं कर पा रहे हैं। फिलहाल पुलिस आसपास के भट्ठों और गुमशुदगी के मामलों की जांच में जुट गई है।

छत्रपति शिवाजी का राज्याभिषेक हिन्दू साम्राज्य दिवस के रूप में मनाया जाता है : ओम प्रकाश शास्त्री

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मुरादाबाद। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मुरादाबाद महानगर इकाई ने शुक्रवार को सुबह ओम भवन गांधी नगर में हिन्दू साम्राज्य दिवस कार्यक्रम मनाया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता प्रान्त प्रौढ़ कार्य प्रमुख ओम प्रकाश शास्त्री ने छत्रपति शिवाजी का राज्याभिषेक जिसे आज हम हिन्दू साम्राज्य दिवस के रूप में मनाते हैं। केवल किसी व्यक्ति विशेष के सिंहासन पर बैठने की घटना भर नहीं थी बल्कि वह समाज और राष्ट्र की भावी दिशा तय करने वाली एक युगांतकारी घटना थी। ओम प्रकाश शास्त्री ने आगे कहा कि हिन्दू साम्राज्य दिवस हर वर्ष ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी को मनाया जाता है। इसका उद्देश्य लोगों को हिन्दू साम्राज्य, संस्कृति, सभ्यता और सौहार्द के प्रति जागरूक करना है। इसके बारे में आरएसएस का मत है कि जिस दिन महान योद्धा छत्रपति शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक हुआ, उस दिन से हिन्दू साम्राज्य की पुनर्स्थापना हुई है। इस अवसर पर विभाग संघचालक सुरेन्द्रपाल सिंह ने कहा कि शिवाजी की माता के साथ किया गया दुर्व्यवहार एक ऐसी घटना थी जिसने माता जीजाबाई को देश को मुगलों से मुक्त करवाने के लिए उद्वेलित किया। जब कोई घटना होती है तो उसकी प्रतिक्रिया भी होती है यदि रावण ने माता सीता का हरण नहीं किया होता तो भगवान राम रावण का वध क्यों करते। इस अवसर पर मुख्य रूप से विभाग प्रचार प्रमुख डॉ पवन कुमार जैन, संयुक्त प्रदेश संगठन मंत्री किसान संघ शिवकांत दीक्षित, रमेश चंद्र, सुभाष शर्मा, दिनेश गुप्ता, सुरेन्द्र सिंह एडवोकेट, संजीव तिवारी एडवोकेट, राहुल शर्मा, डॉ गोविन्द नौनियाल, डॉ विनोद पाण्डे, डॉ बृजपाल सिंह लोचब, मेजर राजीव ढल, कैप्टन मीनू मेहरोत्रा, रिंकू शर्मा, हरिगोपाल शर्मा, विवेक गुप्ता आदि अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।